NATIONAL SCHOOL OF DRAMA
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

ANNUAL REPORT
वार्षिक प्रतिवेदन

2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
National School of Drama

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

विषय सूची

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय : एक परिचय	3
संस्थागत ढाँचा और 2019–2020 के दौरान बैठकें	4
विद्यालय के प्राधिकारी	5
निदेशक एवं शिक्षण संकाय	6
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रशिक्षण	7
तकनीकी विभाग	9
पुस्तकालय	10
वर्ष 2019–20 की प्रमुख गतिविधियाँ	13
अन्य गतिविधियाँ	17
शैक्षिक गतिविधियाँ	23
रानावि स्नातकों को शैक्षिक वर्ष 2019–20 के लिए शिक्षार्थी फेलोशिप प्रदान की गई	36
छात्र प्रस्तुतियाँ	38
साँस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम (सीईपी)	49
रंगमंडल	51
संस्कार रंग टोली (टी.आई.ई. कंपनी)	54
विस्तार कार्यक्रम	62
राजभाषा विभाग	64
प्रकाशन कार्यक्रम	66
रा.ना.वि., बैंगलुरु केन्द्र	69
रा.ना.वि. सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक	80
रा.ना.वि. थिएटर–इन–एजुकेशन केन्द्र, अगरतला, त्रिपुरा	82
रा.ना.वि. वाराणसी केन्द्र	91
कर्मचारियों की संख्या	97
रा.ना.वि. संसाधनों की स्थिति : एक नज़र में	99

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

विश्व की अग्रणी नाट्य प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक, और भारत में अपनी ही तरह के एकमात्र संस्थान, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना 1959 में संगीत नाटक अकादेमी द्वारा की गई थी। बाद में वर्ष 1975 में ये एक स्वायत्त संस्था बनी जो कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित थी। रानावि का उद्देश्य नाटक के सभी क्षेत्रों में स्नातक एवं स्नाताकेतर स्तर पर शिक्षण के उपयुक्त तरीक़े विकसित करना है जिससे कि भारत में रंगमंच शिक्षा के उच्च स्तर स्थापित किए जा सकें। रानावि दिल्ली द्वारा स्नातक के उपरांत तीन वर्षीय रंगमंच प्रशिक्षण दिया जाता है। बाह्य पहुँच कार्यक्रम के अंतर्गत रानावि द्वारा नाट्य कलाओं में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के तीन केन्द्र, अगरतला, बेंगलुरु एवं सिक्किम में खोले गए हैं।

विद्यालय का एक प्रस्तुति स्कंध है– रंगमंडल, जिसकी स्थापना वर्ष 1964 में व्यावसायिक रंगमंच एवं नियमित प्रायोजक कार्य के लिए की गई है। रानावि के प्रस्तुति स्कंध थिएटर–इन–एजुकेशन कंपनी (जिसका नाम अब संस्कार रंग टोली है) द्वारा बाल रंगमंच को प्रोत्साहित किया जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1989 में की गई और यह स्कंध बच्चों के लिए नाटक तैयार करने, दिल्ली के विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन करने और बच्चों को शनिवार/रविवार (संडे क्लब) द्वारा भी प्रोत्साहित करने में सक्रिय रूप से शामिल है। वर्ष 1999 से फ़रवरी माह के दौरान विद्यालय द्वारा भारत के अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें देश एवं विदेश से रंगमंच समूहों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का प्रदर्शन बड़े पैमाने पर आम जन समूह के लिए किया जाता है।

वर्ष 1978 में एक लघु आवधिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसका नाम 'विस्तार कार्यक्रम' रखा गया, जिसके अंतर्गत विद्यालय द्वारा स्थानीय रंगमंच समूहों/कलाकारों के साथ मिलकर देश के विभिन्न भागों के रंगमंच इच्छुकों के लाभ के लिए रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाएं आयोजित की जाती है। ये कार्यशालाएं 15–90 दिनों तक की होती हैं और ये सर्वदा उस स्थान की स्थानीय भाषा में ही होती हैं। कार्यशालाओं को मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है– प्रस्तुतिपरक कार्यशाला, प्रस्तुतिपरक बाल कार्यशालाएं और रंगमंच में शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम। विद्यालय द्वारा रंगमंच पर पाठ्य पुस्तकें भी प्रकाशित की जाती हैं और रंगमंच पर महत्वपूर्ण पुस्तकों के अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवाद की भी व्यवस्था की जाती है।

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र जैसे उत्तर–पूर्व के 8 राज्यों में रंगमंच के विकास के लिए रानावि विभिन्न रंगमंच कार्यशालाओं, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के रंगमंच निर्देशकों द्वारा तैयार किए गए नाटकों के रंगमंच समारोह का आयोजन करता है जिसमें उनके नाटकों को उत्तर–पूर्व क्षेत्र से बाहर, देश के अन्य भागों में प्रस्तुत किया जाता है।

भारत सरकार की एक नई योजना ट्राइबल सब–प्लान के अंतर्गत, रानावि द्वारा देश की जनजातियों को प्रोत्साहित एवं उनके विभिन्न कलारूपों को संग्रहित करने के लिए समारोह किए जाते हैं जिनमें विभिन्न जनजातीय प्रधान स्थानों पर जनजातीय समारोह जैसे आदिरंग महोत्सव – नृत्य, संगीत, रंगमंच एवं शिल्प के राष्ट्रीय जनजातीय समारोह का आयोजन किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय के सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत, रानावि अपनी प्रस्तुतियों/छात्रों/संकायों के साथ सम्मेलनों/उत्सवों में प्रतिभागिता करने के लिए विदेशों में जाता है, जहाँ इन्हें प्रदर्शित किया जाता है और इसी प्रकार विदेशी रंगमंच विद्यालयों के प्रतिनिधिमंडलों/प्रस्तुतियों को रानावि, भारत में आमंत्रित किया जाता है।

संस्थागत ढाँचा एवं वर्ष 2019–20 की बैठकें–रा.ना.वि. सोसायटी, शैक्षिक परिषद् व वित्त समिति

रा.ना.वि. सोसायटी	शैक्षिक परिषद्	वित्त समिति
कार्यकारी अध्यक्ष एवं सह–उप–अध्यक्ष अर्जुन देव चारण (नाटककार) **वित्तीय सलाहकार व अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय** धमेन्द्र सिंह गंगवार (21 अप्रैल, 2019 तक) आर. के. चतुर्वेदी (22 अप्रैल, 2019 से) **संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधि** **संयुक्त सचिव** निरूपमा कोट्रू **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव** टी. सी. ए. कल्यानी **निदेशक, एफ.टी.आई.आई.,पुणे** भूपेन्द्र कैंथोला **रंगमंच विशेषज्ञ** (दो रंगमंच विशेषज्ञ, एक संगीत नाटक अकादेमी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा नामित और दूसरे विशेषज्ञ रा.ना.वि. के शैक्षिक परिषद् द्वारा दिए गए नामों के पैनल में से रा.ना.वि. सोसायटी द्वारा नामित) रुद्रप्रसाद सेनगुप्ता (संगीत नाटक अकादेमी द्वारा नामित) शफात ख़ान (अकादेमिक काउन्सिल द्वारा नामित) **टी.वी. के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति (अध्यक्ष, रानावि सोसायटी एवं निदेशक, रानावि के परामर्श से भारत सरकार द्वारा नामित)** पी. के. सुभाष **संस्कृति के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति (अध्यक्ष, रानावि सोसायटी एवं निदेशक, रानावि के परामर्श से भारत सरकार द्वारा नामित)** मनोज जोशी गोविन्द नामदेव **शिक्षण संकाय के प्रतिनिधि** अब्दुल लतीफ खटाना एसोसिएट प्रोफेसर (अभिनय) एवं प्रमुख, टाई कंपनी **रा.ना.वि. स्नातक** बी. जयश्री **सदस्य–सचिव** **प्रभारी निदेशक, रा.ना.वि.** सुरेश शर्मा	**अध्यक्ष** सुरेश शर्मा (प्रभारी निदेशक, रानावि) **सदस्य** सत्यब्रत राउत बाहरूल इस्लाम शफ़ात ख़ान नवदीप कौर योगेन्द्र चौबे हेमा सिंह दिनेश खन्ना महेश चंपकलाल अमरजीत शर्मा **छात्र प्रतिनिधि** श्री अनीरबन बानिक	**अध्यक्ष** धमेन्द्र सिंह गंगवार (21 अप्रैल, 2019 तक) आर. के. चतुर्वेदी (22 अप्रैल, 2019 से) **(वित्तीय सलाहकार व अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय)** **सदस्य** निरूपमा कोट्रू अर्जुन देव चारण शफात ख़ान सुरेश शर्मा (प्रभारी निदेशक, रानावि)
रानावि सोसायटी की बैठकें 3 जुलाई, 2019 5 नवंबर, 2019 11 दिसंबर, 2019 31 जनवरी, 2020	**शैक्षिक परिषद् की बैठकें** 4 अगस्त, 2019 18 दिसंबर, 2019	**वित्त समिति की बैठकें** 1 जुलाई, 2019 11 सितंबर, 2019 28 जनवरी, 2020

विद्यालय के प्राधिकारी एवं अधिकारी

अर्जुन देव चारण
उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष

सुरेश शर्मा
रंगमंडल प्रमुख एवं प्रभारी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

प्रदीप कुमार मोहन्ती
रजिस्ट्रार

सुरेश शर्मा
प्रमुख, रंगमंडल

ओ. पी. सागर
उप–रजिस्ट्रार

अब्दुल लतीफ खटाना
संस्कार रंग टोली के प्रमुख (प्रभारी)

विभागाध्यक्ष / अनुभागाध्यक्ष

संकायाध्यक्ष (शैक्षिक मामले)
अभिलाष पिल्लई (24.08.2019 से)

पुस्तकालयाध्यक्ष
अनिल श्रीवास्तव (30.11.2019 तक)

प्रस्तुति प्रबंधक
पराग सर्माह

सहायक निदेशक (राजभाषा)
चेतना वशिष्ठ (तदर्थ)

ध्वनि तकनीशियन
एस. मनोहरन

फोटोग्राफर
दीपक कुमार

मंच प्रबंधक
गोविन्द यादव

लेखाधिकारी
मनोज रमेला (04.06.2019 से)
सी. डी. तिवारी (31.05.2019 तक)

सहायक रजिस्ट्रार (प्रशा.)
नवीन बिष्ट

सम्पदा प्रबंधक (संपदा एवं लेखा)
मनीष यादव

व्यवसाय प्रबंधक
मनोज रमेला (30.06.2019 तक)

सहायक रजिस्ट्रार (तदर्थ) रंगमंडल कंपनी
बी. एस. रावत (तदर्थ)

सहायक रजिस्ट्रार टी.आई.ई. कंपनी
यूजिन तिर्की (तदर्थ)

निदेशक एवं अन्य शिक्षण संकाय

निदेशक
प्रभारी निदेशक
सुरेश शर्मा

प्रोफ़ेसर

अशोक सागर भगत	रंगमंच स्थापत्य (21.04.2019 तक)
अभिलाष पिल्लई	अभिनय एवं निर्देशन (23.09.2019 से)

एसोसिएट प्रोफ़ेसर

अशोक सागर भगत	रंगमंच स्थापत्य (21.04.2019 तक)
हेमा सिंह	अभिनय
अब्दुल लतीफ ख़टाना	अभिनय
दिनेश खन्ना	अभिनय
अमरजीत शर्मा	मंच टैक्नोलॉजी
अभिलाष पिल्लई	अभिनय (22.09.2019 तक)
शांतनु बोस	विश्व नाटक

सहायक प्रोफ़ेसर

अमितेश ग्रोवर	विस्तार कार्यक्रम
अरुण मलिक	मंच शिल्प
मो. अब्दुल कादिर शाह	गति संचालन
श्री दीपांकर पॉल	प्रकाश

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रशिक्षण

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नाट्य कला में तीन वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाता है।

लक्ष्य

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को रंगमंच अभ्यास के लिए तैयार करना है। इसके लिए विभिन्न प्रकार की व्यावहारिक निपुणताओं को विकसित करना और ज्ञान के भंडार को अर्जित करना होता है। जैसा कि अध्ययन के सभी क्षेत्रों का अलग–अलग मूल्यांकन किया जाता है, और प्रत्येक क्षेत्र में उच्च स्तरीय कार्य की अपेक्षा की जाती है, पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य सृजनात्मक कल्पना की अमूर्त धारणा को विकसित करना और एक ग्रुप की सामूहिक संरचना में उसे अभिव्यक्त करना है।

अध्ययन के विषय

आधुनिक भारतीय नाटक

- 19वीं शताब्दी के मध्यकाल से समकालीन रंग परिदृश्य पर बल देते हुए आधुनिक भारतीय रंगमंच का विकास
- क्षेत्रीय भाषा रंगमंच : सिद्धांत और अभ्यास

प्राचीन भारतीय नाटक और सौन्दर्यशास्त्र

- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र का ज्ञान, संस्कृत नाटक का इतिहास, चुने हुए संस्कृत नाटकों का विस्तृत विश्लेषण और नाटकीय संरचना में नाट्यशास्त्र की व्याख्या, प्राचीन काल में इसकी प्रस्तुति और इसके दर्शक और समकालीन रंगमंच में इसका महत्व।

विश्व नाटक

- रंगमंच के मुख्य समालोचनात्मक सिद्धांतों का अध्ययन और इतिहास के विभिन्न कालों से लिए गए लिखित और प्रस्तुति–पाठ पर इनका अनुप्रयोग। एशियन, अफ्रीकन, अमेरिकन और ऑस्ट्रेलियन रंगमंच का मुख्य फोकस यूरोपियन रंगमंच के साथ परस्पर संदर्भ पर है।

वाणी और संभाषण

- श्वास नियंत्रण, स्पष्टता और श्रव्यता प्राप्त करने के लिए संभाषण का अभ्यास। इसका उद्देश्य मंच के लिए वाणी और संभाषण में आलाप और इसके प्रसार में प्रभाव पैदा करना है, जिससे छात्र, प्रस्तुति के दौरान भिन्न–भिन्न पात्रों की आसानी से भूमिका निभा सकें।

योग

- आसनों, क्रियाओं और प्राणायाम के अभ्यास द्वारा योग का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, सतर्कता, शालीनता, एकाग्रता बढ़ाना और वाणी और श्वास की क्षमताओं का संपूर्ण उपयोग करना है।

गति संचालन

- सिद्धांत, व्यवहार और उनके मार्गदर्शन में आधुनिक गति संचालन की प्रवृतियाँ ।
- शिल्प शास्त्र और नाट्य शास्त्र के सिद्धांतों का अध्ययन।
- मस्तिष्क और शारीरिक भाव भंगिमाओं जैसे संकेतों, भंगिमाओं और गति संचालन के माध्यम से मानवीय अनुभव और गतिविधियों की अभिव्यक्ति।
- व्यक्तियों, वस्तुओं और नाटकीय सामग्री की अभिव्यक्ति और शारीरिक भाव भंगिमाओं द्वारा अभिनय (भारतीय पारंपरिक अभिनय सिद्धांत)

रंग संगीत

- इसका उद्देश्य विभिन्न ध्वनियों और लयात्मक पद्धतियों की जानकारी के माध्यम से छात्रों की सांगीतिक संवेदनशीलता में अभिवृद्धि और इसे नाटक के सिद्धांतों और अपने परिवेश के अनुसार विकसित करना है।
- रंगमंच के विशिष्ट प्रयोगों पर आधारित सौंदर्य शास्त्रीय शैली में और 'समग्र रंगमंच' की अवधारणा में मंच संगीत के भावों को आत्मसात कराना।

अभिनय और तात्कालिक प्रदर्शन

- कलाकारों के अंगाभिनय और वाणी को आकार देकर, उनकी संवेदनाओं और कल्पनाओं को तराशकर और उनके भावनात्मक स्रोतों को संजोकर वैयक्तिक प्रतिभा को बाहर लाना, उसे ढालना और परिष्कृत करना।
- परिवेश और अनुभव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अभिनय में तकनीक और कौशल को ठोस आधार प्रदान करना।
- अभिनय के प्रमुख संहिताबद्ध सिद्धांतों और पद्धतियों को छात्रों के लिए उपलब्ध कराना।

रंग स्थापत्य

- दक्षिण पूर्व एशिया, चीन और जापान के नाट्यशास्त्र में रंगमंच के विभिन्न रूपों पर विशेष बल और पूर्व के रंगमंच का विकास।
- पूर्व के समसामयिक रंग–स्थापत्य और मंच परिकल्पना, विशेषकर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप यायावर और स्थिर मुक्ताकाश रंगमंच और अन्य स्थापत्य परंपराएं।
- पश्चिम में यूनानी युग से लेकर आधुनिक काल तक रंगमंच के रूपों और मंच परिकल्पनाओं का उद्भव।

दृश्य परिकल्पना और मंच शिल्प विज्ञान

- अभिकल्पना के संबंध में अवधारणाएं और दर्शन।
- मंच अभिकल्पकों के विचार तथा उनकी पद्धतियां।
- मंच निर्माण तथा मंच तकनीक।
- मंच–परिकल्पना तथा मॉडल निर्माण के मूल आधार।

वेशभूषा परिकल्पना

- वेशभूषा, उसकी अर्थवत्ता और शैली का इतिहास।

मंच प्रकाश

- प्रकाश व्यवस्था के उद्देश्य।
- प्रकाश योजना।
- प्रकाश उपकरण।
- विद्युत और स्विच बोर्ड नियंत्रण के लिए बुनियादी अध्ययन।

प्रस्तुति प्रक्रिया

- रंगमंच की भाषा को विकसित करने के लिए तकनीक और संवेदनशीलता।
- संगीत, मंच सामग्री, मंच और प्रकाश व्यवस्था को शामिल करते हुए इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर अपनी कल्पना को विकसित करना।
- नाटकों की संरचना को समझना और इसे विकसित करना।

मूल्यांकन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं

- उक्त पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यालय, छात्रों के लिए भारतीय कला एवं संस्कृति, समाज विज्ञान, दर्शनशास्त्र एवं इतिहास के विभिन्न पक्षों पर मूल्यांकन पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं के सत्र आयोजित करता है।

तकनीकी विभाग

छायाचित्र एवं प्रलेखन एकक

अधिकांश छात्र रंगमंडल प्रस्तुतियों की वीडियो फ़िल्में और फोटोग्राफ अभिलेख के लिए संग्रहित और सुव्यवस्थित ढंग से संरक्षित किए जाते हैं। छात्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाओं की कार्यवाहियों की भी वीडियो फ़िल्में और फोटोग्राफ तैयार किए जाते हैं जिससे कि आगामी कार्यक्रमों में उनका उपयोग किया जा सके।

विद्यालय ने अपने छायाचित्र और प्रलेखन अनुभाग के लिए कुछ अत्याधुनिक स्टिल कैमरे और वीडियो सिस्टम लिए हैं। ये कैमरे, रिकॉर्डिंग उपकरण, सम्पादन पैनल, डिस्प्ले टर्मिनल और अन्य परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित हैं।

प्रकाश स्टूडियो

प्रकाश स्टूडियो, रा.ना.वि. में जितने भी तकनीकी स्थान हैं उनमें से एक महत्वपूर्ण स्थान है जो कि विशेषकर आवश्यक रंग मंच के लिए आधुनिक प्रकाश उपकरणों से सुसज्जित है। नियत प्रकाश डिजाइन कक्षाओं के अतिरिक्त यह स्थान छात्रों के लिए। दृश्यबंध कार्य, एकल प्रस्तुतियां और प्रस्तुति प्रक्रिया इत्यादि के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

काष्ठकारी कार्यशाला

पिछले वर्षों में विभिन्न प्रकार के मंच निर्माण और मंच सामग्री के लिए एक विस्तृत प्रणाली स्थापित की गयी है। इस एकक के पास मंच निर्माण की जानकारी से युक्त कुशल कर्मचारी हैं जो कि रंगमंच प्रशिक्षण की प्रणाली में दुर्लभ मिलते हैं।

वेशभूषा विभाग

इस एकक में पिछले 50 वर्षों के दौरान विद्यालय के छात्रों, रंगमंडल, संस्कार रंग टोली द्वारा प्रस्तुत सभी नाटकों की वेशभूषाओं और मंच सामग्री को संरक्षित रखा गया है। प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में विद्यालय की इन वेशभूषाओं और सामग्री के संग्रह में निरंतर वृद्धि होती रहती है।

प्रोपर्टी विभाग

इस एकक में पिछले 50 वर्षों के दौरान विद्यालय के छात्रों, रंगमंडल, संस्कार रंग टोली द्वारा प्रस्तुत सभी नाटकों की मंच सामग्री को संरक्षित रखा गया है। प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में विद्यालय की इन मंच सामग्री के संग्रह में निरंतर वृद्धि होती रहती है। छात्रों को शैक्षिक वर्ष में इश्यू और रिटर्न आधार पर संग्रह में से हस्त मंच सामग्री और मंच की सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

ध्वनि स्टूडियो

संगीत, व्याख्यानों और प्रस्तुतियों की रिकॉर्डिंग के लिए उपकरणों से सुसज्जित ध्वनि स्टूडियो हैं जिसमें रिकार्डर, मिक्सर, फुलट्रैक टेप रिकार्डर, माइक्रोफोन और स्पीकर हैं, जो अनुभवी तकनीकी स्टाफ द्वारा चलाये जाते हैं। स्टूडियो में उपलब्ध इन सुविधाओं का लाभ विद्यालय के छात्र, रंगमंडल और संस्कार रंग टोली उठाती है।

पुस्तकालय

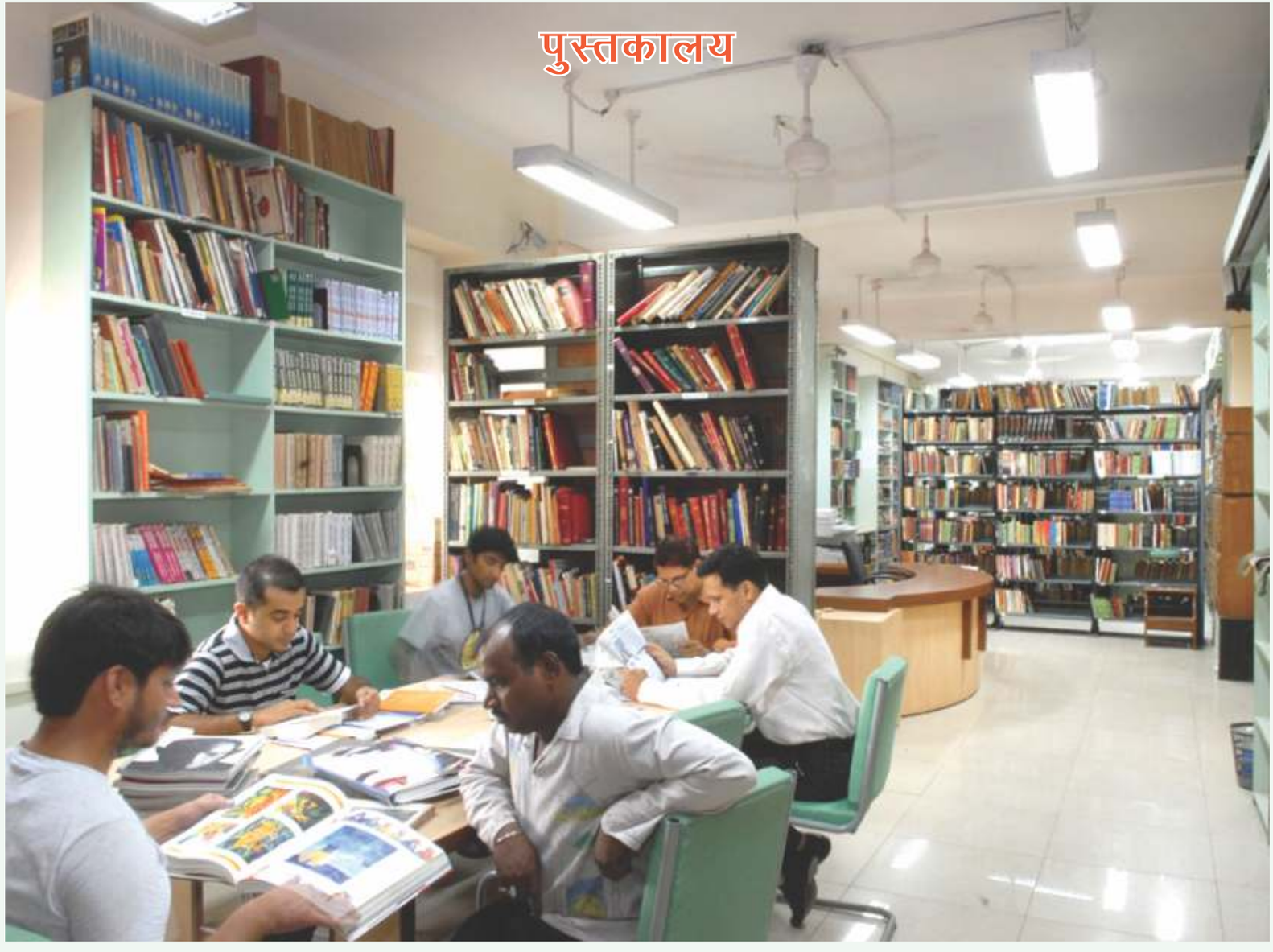

संकलन

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का पुस्तकालय, रंगमंच और नाटक के क्षेत्र में एक विशिष्ट पुस्तकालय है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पुस्तकालय में रंगमंच और नाटकों पर दिल्ली के बाज़ार में जो भी पुस्तकें उपलब्ध हैं उन्हें संग्रहित किया गया है। पुस्तकालय में दिल्ली के बाहर के और विश्व के सभी भागों से नाटकों और समालोचनाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास भी किया जाता है। इसमें मुख्य रूप से नाटकों व इससे संबंधित क्षेत्रों की सामग्री को संगृहीत किया जाता है। इनके अंतर्गत शामिल विषय निम्न हैं :–

नाट्य कला के विषय :

1. सभी आधुनिक भारतीय भाषाओं, संस्कृत और अंग्रेज़ी में नाटक
2. नाटकों और नाटककारों पर समालोचनाएं
3. भारत और विश्व में रंगमंच का इतिहास और समालोचना

तकनीकी संग्रह :

1. नाट्य निर्देशन (प्रस्तुति)
2. अभिनय, गति संचालन और मूकाभिनय
3. भाषण शैली और वाक् प्रशिक्षण
4. मंच परिकल्पना, प्रकाश और रूप सज्जा
5. रंगमंच स्थापत्य
6. भारतीय एवं पाश्चात्य की मंच वेशभूषा की परिकल्पना

नाट्यकला से संबंधित क्षेत्र निम्न हैं :

1. संगीत व नृत्य, और बैले व ऑपेरा (भारतीय और पाश्चात्य)
2. योग और शारीरिक शिक्षा
3. फ़िल्म, टेलीविज़न और रेडियो तकनीक
4. अभिकल्पना और ग्राफिक्स
5. फोटोग्राफी
6. ललित कला
7. सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास व मानवशास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य)
8. धर्म और दर्शनशास्त्र
9. फर्नीचर और आंतरिक सज्जा
10. बाल नाटक, कथा–कहानी, कविताएं और स्कूल समुदाय की रंगमंच पुस्तकें

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी एवं अंग्रेज़ी नाटक (भारतीय एवं पाश्चात्य)
2. हिन्दी एवं अंग्रेज़ी उपन्यास (भारतीय एवं पाश्चात्य)
3. जीवनियां एवं अभिनेताओं की जीवनियां
4. कविताएं (भारतीय एवं संस्कृति)
5. भारतीय साहित्य

जहाँ तक पुस्तकों के संग्रहण की गुणवत्ता की बात है, यह उल्लेखनीय है कि हिन्दी या अंग्रेज़ी में नाट्यशास्त्र पर कार्य करने वाले शोधकर्ता छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध सामग्री का अक्सर प्रयोग करते हैं। ये शोधकर्ता छात्र न केवल दिल्ली से बल्कि देश के अन्य राज्यों और विदेश से भी आते हैं। वर्तमान में सूचना के साधन के रूप में केवल पुस्तकें ही पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है बल्कि अंग्रेज़ी और हिन्दी में रंगमंच पत्रिकाएं, रिपोर्ट्स, पुस्तकालय सॉफ़्टवेयर से संदर्भ सूची, इलैक्ट्रॉनिक कैटलॉग, साइक्लोस्टाइल्ड पटकथाएं और फोटोकॉपी सामग्री भी उपलब्ध हैं जिनका अधिक से अधिक प्रयोग किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में पुस्तकालय में कुल पुस्तकें :

कुल पुस्तकें : 37626

पुस्तकालय द्वारा मंगाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ, समाचार पत्र निम्न प्रकार से हैं :

द एशियन थिएटर जर्नल, मॉडर्न ड्रामा, नटरंग, मार्ग, साइट ऐण्ड साउंड, संगीत नाटक जर्नल, संगना, द ड्रामा रिव्यू – (टी. डी.आर.), न्यू थिएटर त्रैमासिक, परफार्मिंग आर्ट जर्नल, इंटरनेशनल जनरल ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स ऐण्ड डिजिटल मीडिया, स्टडीज़ इन थिएटर एण्ड परफार्मेंस, थिएटर रिसर्च इंटरनेशनल। कंटैपोरेरी थिएटर रिव्यू, सिनेमा जर्नल्स, थिएटर ऐण्ड परफोर्मेंस डिज़ाइन (टीपीडी), थिएटर डॉन्स ऐण्ड परफोर्मेंस ट्रेनिंग (टीडीपीटी), परफोर्मेंस रिसर्च, थिएटर जर्नल, इंडियन थियेटर जनरल, वॉयस एंड स्पीच रिव्यू, नेशनल हिन्दी एवं अंग्रेज़ी समाचार पत्र, क्षेत्रीय समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं बांग्ला, असमिया, पंजाबी, तेलुगु, मराठी, मलयालम पत्रिकाएं हिन्दी एवं अंग्रेज़ी की इंडिया टुडे, आउटलुक, कादंबिनी, डिजिट योजना, फिल्मफेयर, रोज़गार समाचार, एम्पलॉयमेंट न्यूज, एवं स्वामी न्यूज जनरल।

(राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय पुस्तकालय का फोटोग्राफ)

वर्ष 2019–20 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

➢ भारत रंग महोत्सव

भारत के अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह 'भारत रंग महोत्सव' का आयोजन दो दशक पूर्व राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा संपूर्ण भारत में रंगमंच के विकास को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। मूलतः यह राष्ट्रीय समारोह भारत में अत्यंत सृजनात्मक रंगमंच कार्यकर्ताओं के कार्यों को दर्शाने के साथ अंतर्राष्ट्रीय परिधि में पहुंचाता है, इस में संपूर्ण विश्व से रंगमंच कंपनियों को आमंत्रित किया जाता है और अब यह समारोह एशिया का सबसे बड़ा रंगमंच समारोह है। पहले भारत रंग महोत्सव का आयोजन 1999 में किया गया।

(21वें भारत रंग महोत्सव का उद्घाटन)

इस श्रृंखला में भारत के अंतर्राष्ट्रीय रंग महोत्सव (भारत रंग महोत्सव) के 21वें अध्याय का आयोजन 1 से 21 फरवरी, 2020 तक दिल्ली में एवं चार अन्य शहरों जैसे शिलोंग, देहरादून, पुडुचेरी एवं नागपुर में किया गया। समारोह का उद्घाटन 1 फरवरी, 2020 को कमानी सभागार में किया गया जिसमें दक्षिण भारत के भक्ति संगीत पंचवाद्यम की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अमोल पालेकर के निर्देशन के अंतर्गत प्रस्तुति 'कुसूर' से किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रंगमंच कलाकार एवं गायिका प्रो. विदुषी, रीता गांगुली उपस्थित थीं। श्री मोहन अगाशे, जाने–माने रंगकर्मी एवं फ़िल्म व्यक्तित्व समारोह में माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव, सुश्री निरूपमा कोट्रू समारोह की विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित थीं। डॉ. अर्जुन देव चारण, कार्यवाहक अध्यक्ष, रानावि सोसायटी ने समारोह की अध्यक्षता की।

(21वें भारत रंग महोत्सव के समापन समारोह के अवसर पर)

समारोह का आयोजन 1–21 फरवरी, 2020 तक मंडी हाउस के निकट में स्थित 8 सभागारों और रानावि परिसर के सभागारों में किया गया जिसमें 91 प्रस्तुतियाँ की गईं। इनमें 10 प्रस्तुतियाँ विदेश से भी शामिल रहीं। ये विदेशी नाटक नेपाल, बांग्लादेश, रूस, चैक गणराज्य, यू.एस.ए., श्रीलंका से थे। 21वें भारत रंग महोत्सव के दौरान स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा तैयार की गईं 8 डिप्लोमा प्रस्तुतियाँ भी प्रदर्शित की गईं। रंगप्रेमी दर्शकों ने समारोह को खूब सराहा और लगभग 95,000 दर्शकों द्वारा इस भव्य समारोह को देखा गया। प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा भी इसे बखूबी सराहा गया। इस समारोह के दौरान लिविंग लेजैंड सीरीज का आयोजन किया गया जहाँ लिविंग लेजैड्स के साथ आमने–सामने बातचीत के सत्र संचालित किए गए। इस कार्यक्रम में आम रंगप्रेमी दर्शक व रंग–विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। रंग–प्रेमियों और रंगकर्मियों के लिए जाने–माने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रंग–निर्देशकों के साथ बातचीत के सत्रों को 'मीट द डायरैक्टर' कार्यक्रम में दर्शाया गया। समारोह के एक अंश के रूप में राष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन किया गया। विशेष रूप से आयोजित किए गए कार्यक्रम जैसे 'मास्टर क्लास', 'वर्ल्ड थिएटर फोरम' ''(हूज़ थिएटर इज इट एनीवे ?)'' जिनके माध्यम से रंग–प्रेमियों को विभिन्न प्रतिष्ठित रंगमंच विशेषज्ञों से बातचीत करने का सुअवसर मिला साथ ही इन सत्रों के दौरान अलग–अलग देशों के अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय रंग व्यक्तित्वों ने अपने अनुभवों को दर्शकों के साथ साझा किया जिन्होंने अपनी प्रस्तुतियाँ भी समारोहों में प्रदर्शित की थीं। समापन समारोह में कोरस रेपर्टरी थिएटर ग्रुप द्वारा मणिपुरी नाटक 'लाइम्बीगी इशेई' का प्रदर्शन किया गया। इसका लेखन एवं निर्देशन श्री रतन थियम द्वारा किया गया। समारोह को दर्शकों एवं मीडिया दोनों से ही ख़ूब सराहना मिली।

(प्राग ज्योतिष समारोह से एक दृश्य)

➢ प्राग ज्योतिष समारोह – 27 फरवरी से 7 मार्च, 2020

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्तर–पूर्व क्षेत्र में उत्तर–पूर्वी समारोह (पूर्वोत्तर नाट्य समारोह) का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष रानावि द्वारा 27 फरवरी से 7 मार्च, 2020 तक गुवाहाटी (असम), अगरतला (त्रिपुरा) एवं ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में प्राग ज्योतिष समारोह का आयोजन किया गया। इस प्राग ज्योतिष समारोह में उत्तर–पूर्व क्षेत्र के प्रत्येक राज्य में 5–5 नाटक प्रदर्शित किए गए। लगभग 400 कलाकारों ने इसमें प्रतिभागिता की। दर्शकों द्वारा इस समारोह को बहुत सराहा गया।

➢ बाल संगम 2019

प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष में टाई कंपनी एक राष्ट्रीय उत्सव, बाल संगम का आयोजन करती है, जो अनिवार्य रूप से शिक्षा के उद्देश्य के साथ एक सांस्कृतिक मेला है। यह त्यौहार विभिन्न प्रदर्शनकारी पारंपरिक कला रूपों का एक संगम है जो पारंपरिक प्रदर्शन करने वाले परिवारों, गुरु–परम्पराओं और संस्थानों से संबंधित बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।. यह भारतीय त्योहारों और देश के विभिन्न क्षेत्रों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक कलाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक उत्सव है। बाल संगम इस मायने में एक अनूठा प्रयोग रहा है कि यह बच्चों के माध्यम से ही होता है जिससे कि बच्चे और वयस्क समान रूप से देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हों। यह पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और पोषण का भी प्रयास है।

रा.ना.वि. टाई कंपनी द्वारा 9 से 12 नवंबर 2019 तक बाल संगम 2019 का आयोजन किया गया था। महोत्सव का उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को हुआ था। प्रो . राम गोपाल बजाज (प्रसिद्ध रंगमंच अभिनेता और निर्देशक) समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में मणिपुर, राजस्थान, उड़ीसा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम 'रंगोली' की प्रस्तुति दी।

(बाल संगम 2019 के अवसर पर)

अन्य गतिविधियाँ

- स्वच्छ्ता कार्य योजना के तहत, रा.ना.वि. ने 16 से 30 अप्रैल 2020 तक स्वच्छता के संबंध में जन जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक आयोजित किए। परिसर के भीतर स्वच्छता और जागरूकता बनाए रखने के लिए कुछ गतिविधियां भी की गईं।
- रा.ना.वि.सिक्किम सेंटर की रिपर्टरी कंपनी ने 30 अप्रैल से 5 मई 2019 तक दिल्ली में चौथे स्प्रिंग रंगमंच समारोह का आयोजन किया जिसमें 6 नाटकों का प्रदर्शन किया गया। इस महोत्सव का उद्घाटन 30 अप्रैल 2019 को किया गया, इसके बाद श्री बिपिन कुमार (निदेशक, रानावि सिक्किम केन्द्र) द्वारा एसआरसी, ऑडिटोरियम, दिल्ली में नेपाली में 'हामी नई अफाई आफ' का प्रदर्शन किया गया।

(हामी नई अफाई आफ)

(कालो सुनाखारी)

(साहसी आमाला)

(सुंताला का बगान)

(तीरखा)

(अब नूर नही)

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यानी 21.06.2019 को रा.ना.वि. ने 21 से 23 जून 2019 के दौरान रा.ना.वि. परिसर में 3 दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया। परिसर के साथ–साथ बाहर से परिसर के व्यक्तियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर योग गुरुओं को भी योग और ध्यान के सिद्धांतों और अभ्यास सिखाने के लिए आमंत्रित किया गया।

योग दिवस 2019 के कुछ दृश्य

- श्रुति कार्यक्रम – रा.ना.वि. ने प्रत्येक माह यानी जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर 2019 के अंतिम शुक्रवार को श्रुति कार्यक्रम का आयोजन किया। . इस कार्यक्रम में, रंगमंच, साहित्य और कला के अन्य रूपों के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्तित्व को उनकी पसंद के किसी भी विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।
- दीक्षांत समारोह : रा.ना.वि. ने 2010 से 2019 तक स्नातक करने वाले रा.ना.वि. स्नातकों के लिए 5 अगस्त 2019 को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। श्री प्रह्लाद सिंह पटेल माननीय राज्य मंत्री (I/C) संस्कृति और पर्यटन, भारत सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथियों में सुश्री निरुपमा कोटरू, (संयुक्त सचिव), संस्कृति मंत्रालय, श्री रतन थियम, प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व और श्री चंद्रशेखर कंबर, प्रख्यात लेखक शामिल थे. रा.ना.वि. संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों, रा.ना.वि. रंगमंडल / टीआईई कंपनियों के कलाकारों और पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों को दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

दीक्षांत समारोह के अविस्मरणीय दृश्य

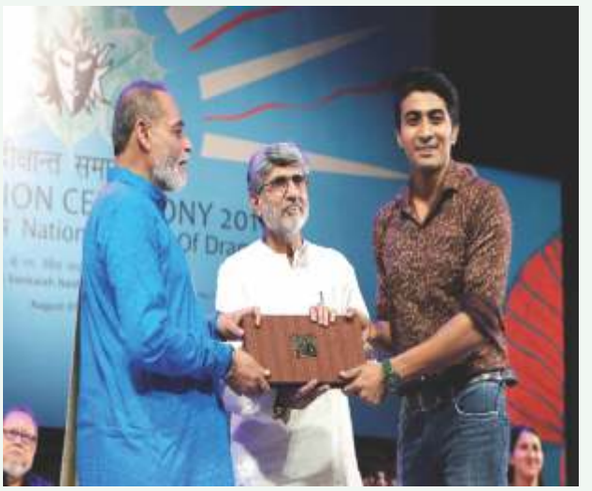

दीक्षांत समारोह के अवसर पर

- रा.ना.वि. ने 28 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2019 के दौरान Integrity - A way of life (अखण्डता – एक जीवन शैली) विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2019 का आयोजन किया। इस अवसर पर, एक चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें सतर्कता और निवारक सतर्कता उपायों पर 1 नवंबर, 2019 को रानावि के अंतर्मुख सभागार में संबंधित विषय से सभी को अवगत कराने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया। इसमें सभी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों, रा. ना.वि. रंगमंडल / टीआईई कंपनियों के कलाकारों और पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2019 के अवसर पर

वर्ष 2019–20 के दौरान शैक्षिक गतिविधियाँ

विद्यालय द्वारा नाट्य कलाओं में प्रशिक्षण का एक तीन वर्षीय व्यापक पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाया जाता है। पाठ्यक्रम के पूरा होने पर सफल अभ्यर्थियों को नाट्यकला में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। प्रथम वर्ष में सभी छात्रों को एक समेकित पाठ्यक्रम पढ़ना होता है। इसमें नाट्य साहित्य, सौन्दर्य शास्त्र, अभिनय के सिद्धांत एवं व्यवहार जिसमें मूकाभिनय और गति संचालन, मार्शल आर्ट्स, योग और संगीत, मंच तकनीकों के सिद्धांत और व्यवहार के तत्व जैसे; नाटकीय परिकल्पना, वस्त्र परिकल्पना, प्रकाश व्यवस्था, रूप–सज्जा और रंगमंच स्थापत्य शामिल हैं ।

द्वितीय वर्ष में, छात्रों को विशेषज्ञता के लिए अभिनय या रंगमंच तकनीक और परिकल्पना में से किसी एक विषय को चुनना होता है। वही विशेषज्ञता का विषय तृतीय वर्ष में भी जारी रहता है।

प्रवेश : 2019 – 2022

वर्ष की पहली तिमाही में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने देश के चुने हुए अख़बारों में प्रवेश सूचना दी थी जिसमें शैक्षिक सत्र 2019–2022 के लिए नाट्य कलाओं में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए।

अभ्यर्थियों के प्रथम चरण के साक्षात्कार एवं ऑडिशन की परीक्षा निम्नांकित दस केन्द्रों पर आयोजित की गई।

1.	दिल्ली	8 से 10 मई, 2019
2.	जयपुर	13 और 14 मई, 2019
3.	लखनऊ	15 से 17 मई, 2019
4.	भोपाल	20 से 22 मई, 2019
5.	चंडीगढ़	24 और 25 मई, 2019
6.	मुम्बई	28 से 31 मई, 2019
7.	चैन्नई	3 जून, 2019
8.	बैंगलुरू	6 जून, 2019
9.	पटना	8 और 9 जून, 2019
10.	गुवाहाटी	11 जून, 2019
11.	भुवनेश्वर	13 जून, 2019
12.	कोलकाता	15 और16 जून, 2019

आवेदकों के सृजनात्मक रूझान की परीक्षा लेने के लिए अंतिम कार्यशाला सह साक्षात्कार 1 से 5 जुलाई, 2018 तक रानावि परिसर में की गई। अंत में शैक्षिक सत्र 2019–2022 के लिए उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 27 छात्रों का चयन किया गया जिन्हें अपनी पढ़ाई संबंधी व्ययों को पूरा करने के लिए रु. 8,000/– प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

इन क्षेत्रीय केन्द्रों में प्राथमिक चयन समिति की बैठकों का आयोजन करने के लिए सत्र की अध्यक्षता प्रो. सुरेश शर्मा, प्रभारी निदेशक के साथ श्री शांतनु बोस (शैक्षिक मामलों के डीन) एवं श्री दिनेश खन्ना (डीन वेलफेयर) ने अपना सहयोग दिया। आरंभिक चयन समिति के अन्य विशेषज्ञों में डॉ. महेश चंपकलाल, श्री अरुण कुमार मलिक, सुश्री भारती शर्मा, डॉ. दानिश इकबाल, श्री लोकेन्द्र त्रिवेदी, श्री सत्यब्रत राउत, सुश्री स्वरूपा घोष, श्री जे. पी. सिंह, श्री सुमन वैद्य, डॉ. अभिलाष पिल्लै, श्री

बनवारी तनेजा, सुश्री विधु खरे दास, श्री हैप्पी रंजीत साहू, श्री टीकम जोशी, श्री आसिफ अली, श्री अमरजीत शर्मा, श्री दौलत वैद, श्री भूपेश पांड्या, श्री यशराज जाधव, सुश्री हेमा सिंह शामिल थे जो कि 8 से 10 मई, 2019 तक दिल्ली केन्द्र पर उपस्थित थे।

- 13 और 14 मई, 2019 को जयपुर केन्द्र में श्री अर्जुन देव चारण, डॉ. महेश चंपकलाल, श्री अमरजीत शर्मा, श्री सरताज माथुर, सुश्री अर्चना श्रीवास्तव, श्री शब्बीर खान, सुश्री हेमा सिंह उपस्थित थे।

- 15 से 17 मई, 2019 तक लखनऊ केन्द्र में डॉ. महेश चंपकलाल, डॉ. योगेन्द्र चौबे, श्री प्रवीण शेखर, श्री सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, श्री अनीस रस्तोगी, सुश्री हेमा सिंह उपस्थित थे।

- 20 से 22 मई, 2019 तक भोपाल केन्द्र में डॉ. महेश चंपकलाल, डॉ. योगेन्द्र चौबे, श्री आलोक चटर्जी, सुश्री अंजू जेटली, श्री रॉबिन दास, डॉ. अभिलाष पिल्लई उपस्थित थे।

- 24 और 25 मई, 2019 को चंडीगढ़ केन्द्र में डॉ. नवदीप कौर, डॉ. महेश चंपकलाल, श्री सुरेश शर्मा, श्री कमल तिवारी, श्री मुश्ताक काक, श्री अशोक सागर भगत, श्री अमरजीत शर्मा उपस्थित थे।

- 28 से 31 मई, 2019 तक मुम्बई केन्द्र में श्री सत्यब्रत राउत, डॉ. योगेन्द्र चौबे, श्री सुरेश भारद्वाज, श्री राजू बारोट, श्री अशोक बंठिया, सुश्री अश्विनी गिरी, श्री अमरजीत शर्मा उपस्थित थे।

- 3 जून, 2019 को चैन्नई केन्द्र में श्री सत्यब्रत राउत, श्री बहरूल इस्लाम, श्री सी. बासवलिंगैया, श्री कुमार वर्मा, सुश्री पद्मा वेंकटरमन, सुश्री वंदना वशिष्ठ, डॉ. अभिलाष पिल्लई उपस्थित थे।

- 6 जून, 2019 को बैंगलुरू केन्द्र में श्री अमरजीत शर्मा, श्री सत्यब्रत राउत, सुश्री भागीरथ बाई, सुश्री बी. जयश्री, श्री मो. नौशाद एम., श्री दीपांकर पॉल उपस्थित थे।

- 8 और 9 जून, 2019 को पटना केन्द्र में श्री सत्यब्रत राउत, सुश्री स्वरूपा घोष, श्री हृषिकेश सुलभ, श्री रामेश्वर प्रेम, श्री अमरजीत शर्मा उपस्थित थे।

- 11 जून, 2019 को गुवाहाटी केन्द्र में श्री बहरूल इस्लाम, डॉ. नवदीप कौर, श्री दुलाल रॉय, श्री के.जुगिन्द्रो सिंह, सुश्री झिलमिल हज़ारिका उपस्थित थे।

- 13 जून, 2019 को भुवनेश्वर केन्द्र में श्री सत्यब्रत राउत, डॉ. नवदीप कौर, श्री अजित वत्स, श्री सुबोध पटनायक, डॉ. अभिलाष पिल्लई उपस्थित थे।

- 15 और 16 जून, 2019 को कोलकाता केन्द्र में डॉ. नवदीप कौर, श्री बहरूल इस्लाम, श्री संजय उपाध्याय, श्री अमित बनर्जी, श्री संचायन घोष, श्री अब्दुल कादिर शाह उपस्थित थे।

अंतिम चयन समिति में श्री सुरेश शर्मा, सुश्री हेमा सिंह, श्री अब्दुल लतीफ ख़टाना, श्री अमरजीत शर्मा, डॉ. अभिलाष पिल्लई, डॉ. नवदीप कौर, डॉ. महेश चंपकलाल, श्री रूद्रप्रसाद सेनगुप्त, श्री शफात खान, श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, डॉ. अंजला महर्षि, श्री कमल तिवारी, श्री भरत शर्मा, श्री प्रांजल सैकिया, श्री लोईतोंगम दोरेन्द्र, सुश्री उत्तरा बावकर, श्री मनोज जोशी, श्री बिभाश चक्रवर्ती, श्री देबाशीष मजूमदार, सुश्री सुरंजना दास गुप्ता, श्री राजिन्दर नाथ, श्री अनुप्रांजन पांडे, श्री गोविन्द नामदेव, श्री सुरेश अनंगली, श्री चंद्रदासन, श्री दिनेश खन्ना एवं श्री शांतनु बोस शामिल थे। इस समिति का गठन उन अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेने के लिए किया गया था जिनके नाम आरंभिक चयन समिति द्वारा संस्तुतित किए गए थे। रानावि सोसायटी के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री अर्जुन देव चारण ने इस अंतिम चयन प्रक्रिया में एक निरीक्षक के रूप में शामिल रहे। उक्त समिति ने प्रातिभागिता करने वाले छात्रों के एकल प्रदर्शन का आंकलन एवं मूल्यांकन कर अपनी पृथक–पृथक अंक तालिका जमा करवाई। वर्ष 2019–2022 के शैक्षिक सत्र के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सरकार के नियमानुसार चुने गए 27 छात्रों की एक मैरिट सूची तैयार की गई। इस शैक्षिक सत्र का आरंभ 5 अगस्त, 2019 से किया गया। इस वर्ष चुने गए 27 छात्रों की सूची निम्नांकित है :

क्रम सं.	नाम
1.	अर्पणा कपूर
2.	रजनीश कुमार
3.	अंजलि नेगी
4.	प्रियदर्शिनी पूजा
5.	ऋतुरेखा नाथ
6.	दिलीप माझी
7.	मृणाली पांडे
8.	दीपक कुमार यादव
9.	उवैस मो. खान
10.	रिने के (पस्की)
11.	जितेन्द्र पाल सिंह
12.	मनोज यादव
13.	श्रुति वी.
14.	अश्विनी राजेश गोरले
15.	शुभांगनी श्रीवास
16.	पुनीत कुमार नंदा
17.	राजकिशोर साहू
18.	अमोघ कुशवाहा
19.	अभिजीत कुमार सिन्हा
20.	कुमारी पूजा
21.	अंजलि
22.	दयालवती
23.	शिवानी वर्मा
24.	मधु एम.
25.	शेखर
26.	दीपू राभा
27.	विशाल सैनी

फ़िल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम

अंतिम वर्ष के छात्रों ने 'सत्यजीत रे' फिल्म एवं टेलीविज़न इंस्टीट्यूट, कोलकाता में 18 से 31 जनवरी, 2020 तक पूर्ण आवधिक फिल्म पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता की। पाठ्यक्रम एवं कार्यशाला के दौरान उक्त संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने फ़िल्म एवं टेलिविज़न के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों के साथ अपनी बहुमूल्य विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त फ़िल्म टैक्नॉलॉजी और कैमरा संचालन पर छात्रों को एक्सपोजर दिया जिससे कि उनको इस क्षेत्र में अपनाई गई नवीनतम आधुनिक टैक्नॉलोजी से परिचित कराया जा सके।

छात्रों के लिए आयोजित शैक्षिक दौरे

रानावि में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के एक अंश के रूप में छात्रों के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक लोक रूपों/रंगमंच के गहन अध्ययन एवं उन्हें सीखने के लिए प्रतिवर्ष शैक्षिक दौरों का आयोजन किया जाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान रानावि द्वारा अपने छात्रों को लाभान्वित करने के लिए शैक्षिक दौरे करवाए गए।

(क) आगरा/फतेहपुर सीकरी दौरा

प्रथम वर्ष के छात्रों को शैक्षिक दौरे के लिए विश्व में प्रसिद्ध देश की उत्तर प्रदेश स्थित विरासत ताजमहल, लालकिला, फतेहपुर सीकरी और जाने–माने हिन्दु मंदिरों में उनके अमूल्य द्वार और सृजनात्मक डिज़ाइन देखने के लिए 24 से 25 अगस्त, 2019 तक दो दिनों तक श्री सोहेल हाशमी के मार्गदर्शन के अंतर्गत ले जाया गया।

(ख) औरंगाबाद – महाराष्ट्र दौरा

प्रथम वर्ष के छात्र शैक्षिक दौरे पर महाराष्ट्र में औरंगाबाद में गए जहाँ उन्होंने वहाँ के ऐतिहासिक स्थानों और एजंता एवं एलोरा की गुफाओं, पेंटिंगों, मिनिएचरों, स्कल्पचरों और दौलताबाद के किले देखे। यह दौरा 14 से 19 दिसंबर, 2019 तक की अवधि के दौरान श्री दीपांकर पॉल, एसोसिएट प्रोफेसर के मार्गदर्शन में किया गया।

(ग) मुम्बई – महाराष्ट्र कार्यशाला

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 19 दिसंबर, 2019 से 25 जनवरी, 2020 तक की अवधि के दौरान डॉ. गणेश चंदनशिवे और श्री मिलंद इनामदास के संयुक्त कैंप निर्देशन के अंतर्गत दीर्घावधि प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला का आयोजन मुंबई, महाराष्ट्र में किया गया। उक्त रंगमंच कार्यशाला महाराष्ट्र की जानी–मानी लोक कला रूप 'तमाशा' पर आधारित है।

कार्यशाला के अंत में छात्रों ने हिन्दी में एक नाटक तैयार किया जिसका नाम 'तमाशा : खेल कुर्सी' था जिसके शो 20 और 21 जनवरी, 2020 को मुम्बई स्थित रबीन्द्र नाट्य मंदिर में और 27 से 30 जनवरी, 2020 तक दिल्ली स्थित रानावि के अभिमंच सभागार में किए गए।

अतिथि संकाय/रंगमंच विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं/कार्यशाला

नियमित संकाय सदस्यों के अतिरिक्त छात्रों को विशिष्ट अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा भी पढ़ाया जाता है जिन्हें छात्रों के साथ विभिन्न रंगमंच तकनीकों, सिद्धांतों और कला प्रणालियों पर कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रकार के अभ्यास से छात्रों को आधुनिक रंगमंच में अपनाए जा रहे नवीनतम फैशन और इसकी संबद्ध कलाओं के बारे में जागरुकता रहती है जिससे कि वे तेज़ी से बदलते माहौल में कार्य करने के लिए स्वयं को और बेहतर ढंग से तैयार कर सकें।

समय–सूची के अनुसार नियमित संकाय सदस्यों द्वारा ली जाने वाली कक्षाओं के अतिरिक्त इस अवधि के दौरान सर्वेक्षण के अंतर्गत विद्यालय द्वारा निम्नांकित अतिथि विशेषज्ञों को अतिरिक्त शिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रकार की अतिरिक्त कक्षाओं और कार्यशालाओं की सूची निम्न प्रकार से है :

जुलाई से दिसंबर, 2019

विशेषज्ञ का नाम	विषय
श्री देवेन्द्र राज अंकुर	शास्त्रीय भारतीय नाट्य
डॉ. दानिश इक़बाल	डिक्शन
सुश्री एरिका काउफमैन	मूवमेंट
सुश्री झिलमिल हज़ारिका	संगीत

श्री अली साल्मी	मूवमेंट
सुश्री मालविका प्रसाद	वाक एवं संभाषण
श्री काजल घोष	संगीत
श्री शुभदीप गुहा	संगीत
श्री अजय मल्कानी	रंगमंच स्थापत्य
श्री अमित बनर्जी	संगीत
श्री दीपक पांडे	कंप्यूटर ग्राफिक्स एवं 3डी एनीमेशन
श्री राजेश बहल	स्कैचिंग
श्री भरत गुप्ता	शास्त्रीय भारतीय नाटक
श्री रॉबिन दास	निर्देशन के मूलाधार
श्री क्लॉडिया मायेर	परिकल्पना
श्री हरपाल भल्ला	कला इतिहास
श्री महेश सिंह जदोन	स्थापत्य मॉडल मेकिंग
डॉ. अनुराधा कपूर	ग्रीक सीनवर्क
श्री अशोक सागर भगत	रंग परिकल्पना के सिद्धान्त एवं विभिन्न प्रस्तुति स्थानों को समझाना
श्री सुमंत्र सेनगुप्ता	एंबिग्यूइटी एवं ऐबाट्रैक्शन के साथ सहजता
श्री सुमेश पी. बी.	कलारी
श्री जॉय मितेई	मूवमैंट और मार्शल आर्ट
श्री अर्जुन रैना	अभिनय (शारीरिक, वाक एवं संभाषण)
सुश्री निहारिका सिंह	अभिनय (मेइसनेर तकनीक)
श्री विक्रम शर्मा	अभिनय
सुश्री निरंजनी अय्यर	लीकॉक
सुश्री अदिति बिस्वास	व्यू प्वाइंट्स सिस्टम
श्री राजन राठौर	हिप हॉप
सुश्री अनुरूपा रॉय	पपैट्री
श्री खालिद तैय्यबजी	अभिनय
श्री पीटर कुके	परिकल्पना

श्री रिकेन नगोमले	मूवमैंट
श्री अश्वथ भट्ट	अभिनय
सुश्री कपिला वेणु	कुट्टियट्टम्

बालसंगम – अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह में प्रतिभागिता

रानावि के टाई कंपनी द्वारा 9 से 12 नवंबर, 2019 तक एक अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह का आयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण गतिविधि के एक भाग के रूप में किया गया। इसलिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों को बाल समारोह के शोध प्रोजैक्ट पर आधारित कार्य सौंपे गए।

कक्षा प्रस्तुतियाँ

1. प्रो. रीटा गांगुली द्वारा निर्देशित ''कर्ण गाथा''
2. सुश्री हेमा सिंह द्वारा निर्देशित ''वीर अभिमन्यु''
3. सुश्री मरिआना वेन्सटेन द्वारा निर्देशित ''ऐज़ बीज़ इन हनी ड्रोन''
4. सुश्री जैकलिन रोज़ेटी द्वारा निर्देशित ''कातज़ेलमाखेर''
5. श्री अनिरूद्ध खुटवाड़ द्वारा ''रक्तपुष्प एंड महापुर''
6. सुश्री रबिजिता गोगोई द्वारा निर्देशित ''बॉयल्ड बीन्स ऑन टोस्ट''

जनवरी से जून, 2020

विशेषज्ञ के नाम	**विषय**
श्री देवेन्द्र राज अंकुर	शास्त्रीय भारतीय नाटक
डॉ. दानिश इकबाल	डिक्शन
सुश्री स्वाति मोहन	मूवमैंट
श्री साउती चक्रवर्ती	रंग स्थापत्य
श्री आमोद भट्ट	संगीत
श्री दीपक पांडे	ऑटोकैड एंड 3डी
श्री राजेश बहल	स्कैचिंग
श्री सुमंत्र सेनगुप्ता	रंग एवं उसकी भाषा व भाव को समझना
डॉ. अनुराधा कपूर	निर्देशन का इतिहास
सुश्री चोयती घोष	ऑबजैक्ट थिएटर सीनवर्क
श्री संचयन घोष	परिकल्पना
श्री बिश्वजीत सिंह	थांग–टा
श्री फिरोज़ खान पी. एच.	एवं
श्री अभीष शशिधरन एस.	निर्देशन एवं परिकल्पना सीनवर्क

श्री नौशाद एम.	अभिनय के लिए समकालीन रास्ते
श्री दीपन सिवारमन	सीनोग्राफी
श्री अली सल्मी	मूवमैंट
श्री गोविन्द नामदेव	अभिनय कार्यशाला
सुश्री पद्मा वैंकटरमण	थिएटर फॉर सोशल चैंज
श्री डैनी पॉल	मूवमैंट एवं लैबोरेटरी
प्रो. रीटा गांगुली	अभिनय कार्यशाला

कक्षा प्रस्तुतियाँ

1. श्री अतुल कुमार के निर्देशन के अंतर्गत 'हास्य–प्रधान प्रस्तुतियों पर कक्षाएं और रिहर्सल आरम्भ की गईं परन्तु देश में लॉकडाउन के कारण इस कक्षा प्रस्तुति को प्रदर्शनपरक प्रोजैक्ट में परिवर्तित कर दिया गया।
2. डॉ. नीलम मानसिंह चौधरी के निर्देशन के अंतर्गत 'प्रस्तुतियाँ तैयार करना' विषय पर कक्षाएं और रिहर्सल आरम्भ की गई परन्तु देश में लॉकडाउन के कारण इस कक्षा प्रस्तुति को प्रदर्शनपरक प्रोजैक्ट में परिवर्तित कर दिया गया।

कुट्टियट्टम कार्यशाला

शिक्षण पाठ्यक्रम के एक मुख्य अंश के रूप में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और गुरु जिन्हें कुट्टियट्टम – देश के दक्षिण भागों जैसे केरल में प्रदर्शन के लिए संस्कृत नाटक की जानी–मानी पारम्परिक शैली, में व्यापक अनुभव और जानकारी है, उन्हें दिनांक 7 अगस्त से 9 सितंबर, 2019 तक की अवधि के दौरान द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ कुट्टियट्टम पर एक कार्यशाला संचालित करने के लिए कोचीन (केरल) से आमंत्रित किया गया था। यह कार्यशाला गुरु वेणु जी और उनके सहायकों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित की गई।

जीआईटीआईएस से संकाय सदस्यों द्वारा कार्यशाला का संचालन

श्री ग्रिगोरी जसलावसकी रैक्टर जीआईटीआईएस से 13 सदस्यों की मंडली के साथ 4–9 नवंबर, 2019 के दौरान रानावि में आए। उक्त मंडली के गमन के दौरान उन्होंने तृतीय वर्ष के अभिनय छात्रों के साथ अभिनय और मंच प्रबंधन पर कार्य किया।

इसके अतिरिक्त उक्त मंडली द्वारा 5 नवंबर को 'द डुअल' नामक नाटक का प्रदर्शन और 6 नवंबर, 2019 को नृत्य एवं गीत का कॉन्सर्ट कार्यक्रम का प्रदर्शन विद्यालय के अभिमंच सभागार में किया गया।

शास्त्रीय प्रस्तुति के अंश के रूप में रसास्वादन

द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 27 अगस्त से 1 सितंबर, 2019 के दौरान संस्कृत प्रस्तुति के एक अंश के रूप में पाँच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यशाला 'रसास्वादन' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित रंगकर्मी प्रो. रीटा गांगुली द्वारा पूर्णतः कल्पना और अभिकल्पना की गई। इस कार्यशाला में अनुभवी रंगकर्मियों की टीम ने प्रतिभागिता की और अपनी बहुमूल्य विशेषता से छात्रों को लाभान्वित किया। इसके अतिरिक्त इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित शास्त्रीय कलाकारों और विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान–सह–निरूपण साझा किए।

अभिविन्यास कार्यक्रम के अंतर्गत नए छात्रों के लिए व्याख्यान संग निरूपण

नए छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विद्यालय द्वारा वर्ष के दौरान व्याख्यानों सह–निरूपणों की श्रृंखला प्रस्तुत करने के लिए निम्नांकित रंगमंच विशेषज्ञों को समीक्षा वर्ष के दौरान आमंत्रित किया गया।

1. सुश्री सविता शर्मा द्वारा जैंडर सेंस्टीविटी पर व्याख्यान।

2. सुश्री संजीता प्रसाद द्वारा साइकोलॉजी लैक्चर पर व्याख्यान।
3. डॉ. रूपाली शिवलकर द्वारा साइकॉइट्री पर व्याख्यान।
4. श्री सावी सावरकर द्वारा कला मूल्यांकन पर व्याख्यान।
5. श्री वसीफुद्दीन डागर द्वारा संगीत पर व्याख्यान सह–निरूपण।
6. संगीतज्ञों को आमंत्रित कर ''तीन विभिन्न शास्त्रीय नृत्य रूपों (कथक, भरतनाट्यम् एवं मोहिनीअट्टम्/कुचीपुड़ी) की सौन्दर्यपरक पहुँच विषय पर व्याख्यान।
7. संगीतज्ञों को "तीन शास्त्रीय गायन शैलियों (ध्रुपद, कर्नाटिक शास्त्रीय शैली एवं ख्याल गायिकी) के सौन्दर्यपरकता एवं तुलना" विषय पर व्याख्यान।

द्वितीय वर्ष

1. वृत्तचित्र – श्री अनिरूद्व खुटवाड़, श्री संजय महर्षि और सुश्री मुन मुन सिंह द्वारा 'तमाशा' का निर्माण।
2. सुश्री सुषमा देशपांडे द्वारा तमाशा लोक कला पर व्याख्यान।

अंतिम वर्ष के परिकल्पना समूह के छात्रों की डिप्लोमा प्रस्तुति

रंगमंच तकनीकी एवं डिजाइन ग्रुप

1. सुश्री सेजुती बागची– 18 मई, 2019
2. श्री बालासुब्रमणियम जी – 20 अप्रैल, 2019

निर्देशन ग्रुप

3. सुश्री पी. मेलोडी डोरकस – 13 जुलाई, 2019
4. श्री मायेंगबम सुनील सिंह – 27 अप्रैल, 2019
5. श्री सरस कुमार नामदेव – 15 जुलाई, 2019
6. सुश्री श्रुति – 26 मई, 2019
7. श्री हरिशंकर रवि– 21 जुलाई, 2019
8. श्री सार्थक नरूला – 22 जून, 2019

छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत विदेशी छात्रों का आवागमन

लोक्वीदूओंग, हनोई, विएतनाम द्वारा 23 से 29 सितंबर, 2019 तक आयोजित किए गए 12वें एशिया पैसेफिक बॉड थिएटर स्कूल्स एवं डायरैक्टर्स मीट में रानावि से चार सदस्यों की मंडली ने प्रतिभागिता की।

रानावि छात्र यूनियन

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय छात्र यूनियन के विभिन्न पदों पर शैक्षिक वर्ष 2019–20 के लिए निम्नांकित छात्र चुने गए।

सुश्री निकिता शरद थुबे – अध्यक्ष

सुश्री प्रेरणा जोशी – सचिव

श्री अनिरबन बानिक — सदस्य, शैक्षिक परिषद्

श्री शेखर — कोषाध्यक्ष

चुने हुए कार्यालय धारकों का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 24 अक्तूबर, 2019 को साधारण रूप में श्री सुरेश शर्मा, प्रभारी निदेशक, रा.ना.वि., जो कि रा.ना.वि. छात्र यूनियन के पदेन संरक्षक भी हैं, द्वारा संपन्न हुआ।

परीक्षाएं

अभिनय एवं रंगमंच तकनीकों और परिकल्पना एवं निर्देशन में विशेषज्ञता करने वाले अंतिम वर्ष के छात्रों की सूची निम्न हैं जिन्होंने 30 जुलाई, 2019 को हुई अंतिम मौखिक परीक्षा दी और सभी छात्र उत्तीर्ण घोषित किए गए।

अभिनय समूह

1. सुश्री अदिति अरोड़ा
2. सुश्री सुमन पुर्ति
3. सुश्री अभिलाषा बालू पॉल
4. श्री पल्लव सिंह
5. सुश्री स्नेहलता सिद्वार्थ तागडे
6. सुश्री दीक्षा तिवारी
7. श्री मृदुल चावला
8. श्री सायन सरकार
9. सुश्री भुमिसुता दास
10. सुश्री अनमोल घुलिआनी
11. श्री जीतू राभा
12. सुश्री आसलेशा परशुराम फाड
13. सुश्री अश्विनी मकरंद जोशी
14. सुश्री अदिति आर्य
15. श्री मनोज कुमार थापर
16. श्री सोमनाथ चटर्जी
17. सुश्री यश्विनी आर.
18. श्री सलीम हुसैन मुल्ला
19. सुश्री स्निग्धा मंडल

रंगमंच तकनीक एवं परिकल्पना समूह

20. सुश्री सेजुति बागची

21. श्री बालासुब्रमणियम जी.

निर्देशन समूह

22. सुश्री पी. मोलेडी डोरकस
23. श्री मोइंगबम सुनील सिंह
24. श्री सरस कुमार नामदेव
25. सुश्री श्रुति
26. श्री हरि शंकर रवि
27. श्री सार्थक नरूला

दीक्षांत समारोह 2019

रा.ना.वि. के अभिमंच सभागार में 5 अगस्त, 2019 को एक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें वर्ष 2010 से 2019 तक जो छात्र उत्तीर्ण हुए हैं उन्हें नाट्य कलाओं में डिप्लोमा प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्य (आई/सी) संस्कृति एवं पर्यटन, भारत सरकार के माननीय मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में अन्य अतिथियों में सुश्री निरूपमा कोट्र, संयुक्त, संस्कृति मंत्रालय, श्री रतन थियम, प्रतिष्ठित रंगकर्मी एवं श्री चंद्रशेखर कंबार, जाने–माने नाटककार शामिल थे। वर्ष 2010–2019 तक जो छात्र उत्तीर्ण हुए उनके नाम निम्न हैं :

2010

1. अजीत सिंह पलावत
2. अंजलि संजय शिंदे
3. आशिष आसारामजी पथोडे
4. बी. राजेश
5. दुर्वेश कुमार
6. फिरोज ख़ान पी. एच.
7. घोडेश्वर महेश रूप राव
8. इष्शिता चक्रवर्ती
9. जगन्नाथ सेठ
10. काजल मुंडु
11. खोजे किरण दत्ता
12. मान्वेद्र कुमार त्रिपाठी
13. मो. शाहजहां हुसैन
14. पापारी मेधी
15. प्रशांत परमार
16. रिकेन नगोम्ले
17. रितु शर्मा
18. संजय कुमार सिंह
19. सिवा प्रसाद तुमु
20. स्वाति मित्तल

2011

1. अभीष एस. एस.
2. अनुपम कौशिक बोराह
3. दुर्गेश कुमार
4. फैज़ मोहम्मद
5. गुना मणि बोरूआह
6. कुन्दन कुमार
7. लाइतोंग्बम पारिगन्बा
8. एम. भारती
9. मुन मुन सिंह
10. रोहित चौधरी
11. सहाना पी.
12. साहिबा विज
13. सजल मंडल
14. सेहराजादे विस्तास्प काइकोबाद
15. सुकान्तो राय
16. सुमन मैलिपेड्डी
17. सुनीता रैना
18. विष्णुपद श्रीराम बर्वे

2012

1. अमनजीत प्रॉच
2. अरुंधती कलिता
3. बेदांगतेमसु वालिंग
4. भारती
5. बिमल सुबेदी
6. डी. एंटोनी जनागी
7. देबाशीष मंडल
8. हार्दिक एन. शाह
9. हिमांशु कोहली
10. जीतराय हंसदा
11. कल्यानी विस्वास मुले
12. मोहम्मद मुजमिल हयात भवानी
13. मृगेन्द्र नारायण कुंवर
14. नरेशपाल सिंह चौहान
15. प्रकृति दत्त मुखर्जी
16. प्रशांत कुमार
17. प्रतीक श्रीवास्तव
18. राजे रॉय
19. सनल. एन
20. सारिका पारिक
21. थोउदम विक्टर सिंह
22. वी. उटो चिशि

2013

1. अलियर के.
2. अमिता शर्मा
3. अनुपम दत्त
4. अर्पिता नवीनभाई धागत
5. अशोक कुमार
6. बंदना रावत
7. भाषा सुंबलि
8. सी. एन. मालविका प्रियदर्शिनी
9. चवन विनोद धर्मराज
10. गुरिन्दर कुमार
11. जगदीश आर.
12. काचू अहमद खान
13. कन्नानुनि ए.
14. लापडाईंम आरतीमाइ सैयम
15. ल्हकपा लेप्चा
16. मंगला काडुबा सनप
17. मुक्ति रवि दास
18. प्रियंका पाठक
19. संगीत श्रीवास्तव
20. सायन्ति साहू
21. सोनमोनी सर्माह
22. सुनील सोनी
23. ववलु गुप्ता
24. व्यास हेमांग राजेन्द्र
25. यशवन्ता
26. येंगकोकपम पूर्णिमा देवी

2014

1. अमनप्रीत कौर
2. चिराग गर्ग
3. धीरेन्द्र तिवारी
4. जे. अनितेश रेजिन रोज
5. जयंत नारजरी
6. एम. अक्षता
7. मेदिनी कलामने
8. नियति प्रवीणभाई राठौर
9. नेहपाल गौतम
10. निधि एस. शास्त्री
11. निरेश कुमार
12. ओएसिस सोउगईजम
13. राजीब कलिता
14. राजेन्द्र कुमार कुशवाह
15. श्याम कुमार साहनी
16. सोनाली भारद्वाज
17. सौरव पोद्दार
18. सुमन पटेल
19. सुनीत कुमार बोरा
20. स्वीटी रुहेल
21. तारिक अहमद खान
22. विशाला रामचन्द्र म्हाले
23. विवेक कनौजिया
24. योगेन्द्र सिंह

2015

1. ए. अरिवाजहगन
2. अन्नपूर्णा सोनी
3. अपराजिता डे
4. बासु सोनी
5. भास्कर बोराह
6. भूमिका दुबे
7. गंर्धव दीवान
8. महेश सैनी
9. मार्टिन जिशिल
10. नरेश कुमार
11. निकिता टेरेसा सरकार
12. पांडु आर.
13. पन्नगा एस. जी.
14. पीयूष पुरूषोत्तम धुमकेकार
15. रमनजानेयूलु दूसारी
16. संपा मंडल
17. सत्येन्द्र
18. सुष्मिता सुर
19. सैय्यद साहब अलि
20. तपस्या दासगुप्ता
21. तेमजेनजुंग्बा केचु
22. थिरूनांवुक्कारासु एस.
23. विपन कुमार
24. विशाल चौधरी
25. यतेन्द्र बहुगुणा

2016

1. अदिति रॉय मेलज़ेर
2. बर्नाली बोराह
3. चैतन्य वामन सोलंकर
4. चंदन कुमार
5. चेतन राजूभाई पडियार
6. ग्रीनी फ्रांसिस
7. गुरिन्दर जोत कौर
8. कविराज लाइक
9. महेन्द्र सिंह
10. मनदीप सिंह
11. मेधा ऐच
12. पंकज लोचन गोस्वामी
13. प्रसन्ना बाबूराव हमबार्डे
14. प्रवीण कुमार एन.ए.
15. राहिल भारद्वाज
16. राणा संतोष कमल
17. एस. भूमिनाथन
18. सिकन्दर कुमार
19. स्रावस्ती बनर्जी
20. तसब्बर अली
21. वर्तिका तिवारी
22. वरूण अय्यर
23. विदिशा कालिदासभाई पुरोहित
24. विपिन एम.
25. विवेक कुमार

2017

1. आमिर मलिक
2. अभिनव ''लकी'' पटेरिया
3. अरूजा श्रीवास्तव
4. बॉबी बोराह
5. बलजीत सिंह
6. भूपेन्द्र सिंह जदावत
7. दाऊद हुसैन
8. देवेन्द्र कुमार अहीरवार
9. गगन श्रीवास्तव
10. गोगे बाम
11. जीना मणि बैश्य
12. लनुआकुम
13. मनोहर कुमार
14. मोनिका पंवार
15. निरंजन नाथ
16. पल्लवी विजय जाधव
17. पंकज माथुर
18. रोहित जैन
19. रुक्मिणि प्रोबल सरकार
20. सागनिक चक्रवर्ती
21. सतविन्दर सिंह
22. श्वेता रानी एच. के.
23. स्वाति दुबे
24. त्रिवेदी ब्रिंद्रा गिरीशकुमार
25. उज्जवल कुमार
26. विवेक इमानेगी

2018

1. अजय कुमार
2. अंकुर सक्सेना
3. अपूर्वा अनंगलि
4. अविजित सोलंकी
5. भाग्यश्री तारके
6. देबारति सिकदर
7. देबाश्री चक्रवर्ती
8. गुनीत सिंह
9. इंदिरा तिवारी
10. जयन्त राभा
11. खवैरकपम पुनसिलेम्बा मितेई
12. महादेव सिंह लखावत
13. मिनाक्षी थापा
14. मीनू देवी उर्फ शालू यादव
15. पराग बोराह
16. परमानन्द
17. पूजा नितिन वेदविख्यात
18. रचना गुप्ता
19. राहुल कुमार
20. राकेश कुमार बैठा
21. रवि चहर
22. संजीव जैसवाल
23. सरफराज अली मिर्ज़ा
24. सुशील कान्त मिश्रा

2019

1. अभिलाष बालु पॉल
2. अदिति अरोड़ा
3. अदिति आर्य
4. अनमोल घुलियानी
5. आशलेषा परशुराम फाड
6. अश्विनी मकरन्द जोशी
7. बालासुब्रमण्यम जी.
8. भूमिसुता दास
9. दीक्षा तिवारी
10. हरिशंकर रवि
11. जीतू राभा
12. मनोज कुमार थापर
13. माइंगबम सुनील सिंह
14. मृदुल चावला
15. पी. मेलोडी डोरकस
16. पल्लव सिंह
17. सलीम हुसैन मुल्ला
18. सारस कुमार नामदेव
19. सार्थक नरूला
20. सायन सरकार
21. सेजुति बाग्ची
22. श्रुति
23. स्नेहलता सिद्धार्थ तागडे
24. स्निग्धा मंडल
25. सोमनाथ चटर्जी
26. सुमन पुर्ति
27. यशस्वनी आर.

रानावि स्नातकों को शैक्षिक वर्ष 2019–20 के लिए शिक्षार्थी फेलोशिप प्रदान की गई।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की अपने स्नातकों को शिक्षावृत्ति देने की योजना इसलिए रखता है जिससे कि वे अपने पसंद के या विशेषज्ञता के क्षेत्र में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकें जिसका माध्यम (क) उनके अपने क्षेत्र में रिसर्च प्रोजैक्ट (ख) रंगमंडल में कार्य करना (ग) टाई कंपनी के साथ संबंद्ध रहना। इन कार्यक्रमों का अर्थ यह भी था कि योग्य छात्रों को उनके अपने क्षेत्रों में पुनः स्थापित किया जा सके। योजना के अंतर्गत कार्य करना (क) उनके अपने क्षेत्र में शोध प्रोजैक्ट में उन्हें छात्रवृत्ति के रूप में प्रतिमाह रु. 25,000/– की राशि का भुगतान किया जाता है। टाई और रंगमंडल के साथ कार्य करते समय इन कंपनियों के नियमानुसार उन्हें छात्रवृत्ति दी जाती है।

इस छात्रवृत्ति को प्रदान करने की समिति में 13 सदस्य थे जिसमें तीन बाहरी विशेषज्ञ थे। इस समिति की बैठक 30 सितंबर और 1 अक्तूबर, 2019 को की गई। समिति ने रानावि के 33 स्नातक आवेदकों के छात्रवृत्ति प्रस्तावों की जांच की और वर्ष 2019–20 के लिए प्रशिक्षु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवेदकों का साक्षात्कार भी लिया गया। फेलोशिप समिति के शामिल सदस्यों में श्री एम. के. रैना, श्री रोबिन दास, सुश्री हेमा सिंह, श्री अब्दुल लतीफ खटाना, श्री दिनेश खन्ना, श्री अमरजीत शर्मा, श्री शांतनु बोस, श्री अमितेश ग्रोवर, श्री अरूण कुमार मलिक, श्री अब्दुल कादिर शाह, श्री दीपांकर पॉल, श्री सुरेश चंद्र एवं डॉ. अभिलाष पिल्लई थे। मौखिक परीक्षा के दौरान निर्धारित निर्देशों के अंतर्गत सभी फेलोशिप प्रोजैक्ट की ध्यान से जांच की गई। समिति के प्रत्येक सदस्य ने अपनी–अपनी अंक–तालिका जमा की और मैट्रिक के अनुसार निम्नांकित 10 रानावि स्नातकों को नाम प्रशिक्षु फेलोशिप के लिए एक वर्ष के लिए चुने गए और जिनकी अवधि 1 नवंबर, 2019 से आरंभ होती थी और एक रानावि स्नातक के नाम को मौजूदा फेलोशिप योजना के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए एक्सटेंशन फेलोशिप के लिए विचार हेतु रखा गया।

क्रम सं.फेलोशिप प्राप्त करने वालों के नाम

1. श्री अविजित सोलंकी
2. श्री सार्थक नरूला
3. श्री सलीम हुसैन मुल्ला
4. सुश्री पूजा नितिन वेदविख्यात
5. सुश्री अपूर्वा अनंगली
6. श्री हरि शंकर रवि
7. श्री रवि चहर
8. सुश्री स्निग्धा मंडल
9. सुश्री जीना मणि वैश्य
10. सुश्री अदिति आर्य

11. सुश्री निकिता टेरेसा सरकार को उनकी दूसरे वर्ष की चल रही फेलोशिप के एक्सटेंशन को फेलोशिप समिति की संस्तुतियों के अनुसार प्रदान किया गया। (शैक्षिक परिषद् बैठक जो कि 13 मार्च, 2013 को हुई)।

फेलोशिप योजना के लिए बनाए गए निर्देशों के अंतर्गत उस संस्थान के जाने–माने विशेषज्ञों द्वारा इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फोर द आर्ट्स, मानसिंह रोड, नई दिल्ली में 18 से 23 नवंबर, 2019 तक की अवधि के दौरान 'रिसर्च मैथेडोलॉजी विषय पर इन चुने गए 10 फेलोशिप छात्रों के लिए ओरिएण्टेशन कोर्स संचालित किया गया।

भारत रंग महोत्सव – 2020 में प्रतिभागिता

रानावि द्वारा 1 से 21 फरवरी, 2020 की अवधि के दौरान विद्यालय की शैक्षिक प्रशिक्षण गतिविधि के एक अंश के रूप में भारत रंग महोत्सव, एक अंतर्राष्ट्रीय रंग महोत्सव का आयोजन किया गया और इसलिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों को इन 21 दिनों के अंतर्राष्ट्रीय रंग महोत्सव में प्रदर्शित की गई प्रस्तुतियाँ/नाटकों पर आधारित शोध प्रोजेक्ट कार्य दिए गए।

भारंगम समारोह से एक दृश्य

छात्र प्रस्तुतियाँ

छात्र प्रस्तुतियाँ

विद्यालय का प्रशिक्षण कार्यक्रम विस्तारयुक्त है, इसके अंतर्गत (i) कालजयी भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य परंपराएँ (ii) भारतीय पारंपरिक एवं लोक रंगमंच और (iii) भारत और विश्व के अन्य भागों की आधुनिक/समकालीन रंग–प्रवृत्तियाँ शामिल हैं।

I प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियाँ

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल (रानावि)
06–08 जून, 2019	कमेलिया	आसिफ अली	अभिमंच

II द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियाँ

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल (रानावि)
06 से 10 अप्रैल, 2019	रोमियो एंड जूलियट	डॉ. दानिश इक़बाल	अभिमंच
14 से 16 अप्रैल, 2019	किंग लियर	श्री अब्दुल लतीफ खटाना	बहुमुख
23 से 25 मई, 2019	पंचानोवेश	श्री राजू बारोट	बहुमुख
18 से 21 अक्तूबर, 2019	कर्ण गाथा	प्रो. रीटा गांगुली	अभिमंच
11 से 14 दिसंबर, 2019	वीर अभिमन्यु	सुश्री हेमा सिंह	अभिमंच
20 से 21 जनवरी, 2020	खेल कुर्सी का	श्री मिलिंद इनामदार श्री गणेश चंदनशिव	मुंबई
27 से 30 जनवरी, 2020	खेल कुर्सी का	श्री मिलिंद इनामदार श्री गणेश चंदनशिव	अभिमंच

III तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियाँ

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
11 से 14 अक्तूबर, 2019	कातज़ेलमाखेर	डॉ. जैकलिन रौसेली	अभिमंच
15 से 19 अक्तूबर, 2019	एज़ बीज इन हनी ड्रॉन	सुश्री मारियाना वेनस्टीन	चहुमुख
13 से 17 दिसंबर, 2019	रक्तपुष्प एंड महापौर	श्री अनिरुद्ध खुटवाड़	बहुमुख
21 से 24 दिसंबर, 2019	बॉयल्ड बीन्स ऑन टोस्ट	सुश्री रबिजिता गोगोई	अभिमंच

IV डिप्लोमा प्रस्तुतियाँ 2019 (डिप्लोमा पब्लिक शो)

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
22.07.2019	ख्वाहिश गली	श्री हरि शंकर रवि	अभिमंच
23.07.2019	रियूनस इन रिवर्स	श्री सार्थक नरूला	मुक्तांगन
24.07.2019	विहाइण्ड दि बॉर्डर्स	सुश्री पी. मैलोडी डोकरस	अभिमंच
25.07.2019	शांति निवास	श्री माएंगबन सुनील सिंह	बहुमुख
26.07.2019	टूथूकुडि मैस्केयर 13	श्री बालासुब्रमण्यम जी.	अभिमंच
27.07.2019	नीलकंठ पक्षी की खोज में	सुश्री सेजुती बागची	मुक्तांगन
28.07.2019	अ केस ऑफ क्लेयरवोएन्स ऑर एक्सीक्यूटिंग मिस के.	सुश्री श्रुति	अभिमंच
29.07.2019	इनफिनिट वाक	सुश्री सरस कुमार नामदेव	बहुमुख

V डिप्लोमा प्रस्तुतियाँ 2019 (शो परीक्षाएं)

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
20.04.2019	टूथूकुडि मैस्केयर 13	श्री बालासुब्रमण्यम जी.	अभिमंच
27.04.2019	शांति निवास	श्री माएंगबन सुनील सिंह	बहुमुख
18.05.2019	नीलकंठ पक्षी की खोज में	सुश्री सेजुती बागची	रानावि मुक्तांगन
26.05.2019	अ केस क्लेयरवोएन्स ऑर एक्सेक्यूटिंग मिस के.	सुश्री श्रुति	अभिमंच
13.07.2019	बिहाइण्ड दि बॉर्डर्स	सुश्री पी. मैलोडी डोकरस	अभिमंच
15.07.2019	इनफिनिट वाक	सुश्री सरस कुमार नामदेव	बहुमुख
21.07.2019	ख्वाहिश गली	श्री हरि शंकर रवि	अभिमंच

I प्रथम वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियाँ

कमेलिया

कमेलिया नाटक प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा 6–8 जून, 2019 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में प्रस्तुत किया गया। नाटक श्री आसिफ अली द्वारा निर्देशित किया गया। वेशभूषा श्री अरनब सेनगुप्ता द्वारा, प्रकाश व्यवस्था श्री साउती चक्रवर्ती द्वारा, ध्वनि एवं संगीत संयोजन श्री संतोष कुमार सिंह और श्री जगराज धौला द्वारा किया गया। मंच परिकल्पना श्री विशाल आर म्हाले द्वारा की गई। कैमेलिया, जो एक आशा का पुष्प है,समय की रेत के पार, प्रेम के जुनून और सीखने की यात्रा पर चल पड़ता है। दुनिया प्रेम को अनुचित समझती है और दो प्रेमियों को प्यार में पड़ने,एक दूसरे के लिए शाश्वत बंधन और चिरस्थायी प्रेम प्रतिज्ञाओं को दोहराने देने की बजाय उन्हें अलग कर देती है। यह नाटक नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक गेब्रियल गार्सिया मार्केज के सबसे प्रसिद्ध उपन्यासों में से एक, 'लव इन द टाइम ऑफ कोलरा' के साथ–साथ वारिस शाह और कैफी आजमी द्वारा लोक कथा 'हीर रांझा' के समय और स्थान की सीमाओं पर फैले प्रेम की कहानियों को एकत्रित करता है और पंजाब की मिट्टी के 'कोटि लोक संगीत और स्पैनिश फ्लेमेंको संगीत के सुनहरे धागों के साथ

कृष्ण बलदेव वैद्य की कहानियाँ 'सब कुछ नहीं' बुनता है। कथा फ्लोरेंटिनो की कहानी बताती है जो 50 से अधिक वर्षों तक इंतजार करता है ताकि वह अपने रोमांस को फेरमिना के साथ फिर से जगा सके। अब जब उसके पति की मृत्यु हो गई है, तो फेरमिना ने उसे प्यार करने की घोषणा स्वीकार कर ली?क्या हीर और रांझा सालों तक तरसने के बाद एकजुटता के बंधन को फिर से हासिल करेंगे या वे एक साथ कब्र में समा जायेंगे ? क्या प्यार में दो महिलाएं कभी भी अपने अतीत को छोड़कर अपने संवेदंशील जुनून की यात्रा पर आगे बढ़ पाएंगी ? पात्रों की संरचना में आधुनिकता और परंपरा के बीच बातचीत होती रहती है और अपने समय की अशांति के खिलाफ लड़ते हुए, अपने दिल में प्रेम की इस भारी क्षति के साथ जूझते हुए आपके दिल में एक आशा की झिलमिलाहट छोड जाती है।

(कमेलिया से फोटोग्राफ)

II द्वितीय वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियाँ

रोमियो एंड जूलियट

रोमियो एंड जूलियट द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 6–10 अप्रैल 2019 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाट्यकार विलियम शेक्सपीयर हैं। नाटक का हिन्दी अनुवाद श्री अमिताभ श्रीवास्तव द्वारा किया गया। नाटक की परिकल्पना और निर्देशन श्री दानिश इकबाल द्वारा किया गया। वेशभूषा शांतनु बोस द्वारा, संगीत संयोजन ज्ञानदीप और संजय फिलिप्स द्वारा किया गया। नृत्य–संरचना अभिषेक झा द्वारा और प्रकाश–व्यवस्था, संगीत श्रीवास्तव द्वारा की गई।

एक पार्टी में रोमियो और जूलियट को प्यार हो जाता है। लेकिन वो दोनों ऐसे परिवारों से आते हैं जो एक–दूसरे से नफरत करते हैं। इसलिए उन्हें यकीन है कि उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। फिर भी फ्रायर लॉरेंस की मदद से दोनों गुप्त रूप से शादी कर लेते हैं। दुर्भाग्य से शादी की रात आने से पहले ही रोमियो एक द्वंद्व में जूलियट के चचेरे भाई को मार डालता है और सुबह–सुबह उसे मजबूर होकर भागना पड़ता है। अगर वह शहर लौटेगा तो उसे मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

जूलियट के माता–पिता उसे पेरिस से शादी करने के लिए मनाते हैं। वो नहीं जानते कि जूलियट पहले से शादीशुदा है। वह शुरुआत में मना कर देती है, लेकिन बाद में सहमत हो जाती है क्योंकि वह अपनी नकली मौत का नाटक रच हमेशा के लिए रोमियो के साथ भागने की योजना बनाती है। इसमें भी पहले की तरह उन्हें फ्रायर लॉरेंस की मदद मिलेगी।

फ्रायर लॉरेंस योजना तैयार करता है। वह जूलियट को एक गहरी नींद वाली औषधि पिला देता है। जब वह मृत प्रतीत होती है तो उसे कब्र में डालने के लिए ले जाया जाता है। उधर रोमियो इस योजना के बारे में नहीं जानता, वह उसकी कब्र पर जाता है और यह सोचकर कि वह मर चुकी है खुद को भी मार डालता है। अंततः जब जूलियट उठती है तो उसे पता चलता है कि रोमियो मर चुका है तो वह भी खुद को मार डालती है।

(रोमियो एंड जूलियट से फोटोग्राफ)

किंग लियर

किंग लियर द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 14–16 अप्रैल 2019 को बहुमुख सभागार, रानावि परिसर में आयोजित किया गया। इसके नाटककार विलियम शेक्सपीयर हैं। नाटक का कुदसिया अंदलीब आलम द्वारा हिन्दी अनुवाद किया गया। नाटक का निर्देशन श्री अब्दुल लतीफ खटाना द्वारा किया। मंच परिकल्पना शांतनु बोस द्वारा प्रकाश व्यवस्था राघव प्रकाश द्वारा, वेशभूषा अम्बा सान्याल द्वारा दी गई और मंच सामग्री परिकल्पना अरुण कुमार मलिक द्वारा की गई। किंग लियर एक ऐसा नाटक है जो दिखने और होने के बीच अंतर्संबंधों की खोज करता है, और होने के अधिक दिखावे पर भरोसा करने का दुःखद परिणाम है।

लियर की दो सबसे बड़ी बेटियां गोंनेरिल और रेगन अपने पिता के प्रति अटूट प्रेम और भक्तिभाव प्रदर्शित करती है इसलिए लियर अपना राज्य उन दोनों में बांट देता है। दूसरी तरफ छोटी बहन कॉर्डेलिया, जो अपनी बहनों के दिखावे से घृणा करती है, पिता की चापलूसी करने से इन्कार कर देती है। इसलिए लियर गुस्से में उसे अपनी पैतृक सम्पति से वंचित कर उसे देश निकाला दे देता है। वह फ्रांस के राजा से विवाह करती है जो बाद में उसकी बहनों के खिलाफ सेना का नेतृत्व करता है।

जल्द ही लियर को पता चल जाता है कि उनकी दोनों बड़ी बेटियों के प्यार भरे शब्द सिर्फ खोखले वादे थे, ताकि वो सत्ता पर क़ाबिज हो सकें। एक बार जब उनके पास सत्ता और दौलत आ जाती है, तो पिता उसके लिए बोझ बनने लगता है। वे उसे

अपमानित कर अलग–थलग कर देते हैं।

दूसरी तरफ एक अन्य कथाफलक पर, ग्लोसेस्टर का राजा अपने नाजायज बेटे एडमंड के हाथों कठपुतली बन जाता है यह सोचते हुए कि उसका असली बेटा एडगर उसके खिलाफ साजिश रच रहा है। दोनों शक्तिशाली पुरुषों को जब इस धोखे का अहसास होता है तो दोनों अपमानित महसूस करते हैं।

लियर और ग्लॉसेस्टर के राजा को बहुत अपमानित और कटुता झेलने के बाद मालूम पड़ता है कि उनके लिए असल वफादार कौन था। नाटक का अंत आते–आते, दैवीय न्याय के रूप में एडमंड गोंनेरिल और रेगन को धोखा दे देता है। गोंनेरिल रेगन को मार डालती है और खुद भी आत्महत्या कर लेती है, वहीं एडगर एडमंड को मार डालता है। कोर्डेलिया को एडगर के फरमान से फांसी मिलती है और लियर इस दुःख से अंततः मर जाता है। इस तरह, अंततः राज्य में व्यवस्था बहाल हो जाती है।

(किंग लियर का फोटोग्राफ)

पंचानोवेश

पंचानोवेश नाटक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा बहुमुख सभागार, रानावि परिसर में 23–25 मई 2019 तक मंचित किया गया। नाटक श्री राजू बरोट द्वारा निर्देशित किया गया। नाटक के नाटककार श्री परेश व्यास है। मंच एवं वेशभूषा सुश्री अर्पिता थागट द्वारा की गई। संगीत संयोजन श्री केदार एवं श्री भार्गव द्वारा किया गया। सुश्री वैशाली त्रिवेदी द्वारा नृत्य संरचना की गई।

यह कहानी एक छोटे से गाँव से शुरू होती है। ग्रामीण लोग प्रकृति की गोद में प्रसन्नतापूर्वक और शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। पंचा के पिता गाँव के नेता हैं। एक दिन राज्य की रानी सभी किसानों को एक अध्यादेश पर हस्ताक्षर करने का आदेश देती है जिसमें लिखा है कि वे अपनी भूमि या घरों के मालिक नहीं हैं, रानी ही सारी जमीन और संपत्ति की एकमात्र मालकिन है। पंचा के पिता आसपास के सभी गाँवों के लोगों के साथ मिलकर रानी के पास जाते हैं और अध्यादेश वापस लेने के अनुरोध करते हैं, लेकिन रानी पंचा के पिता की बात मानने के बजाय उन पर अत्याचार करती है उसके पिता की मृत्यु हो जाती है। पंचा, जो उस समय 10 वर्ष का है, बदला लेने की प्रतिज्ञा करता है और चुपचाप रानी की सेना के एक अधिकारी की हत्या कर देता है। रानी अपने अधिकारी की हत्या का बदला लेने के लिए गाँवों को लूटती और जला देती है। पंचा पहाड़ पर रहते हुए खुद को युद्ध के लिए तैयार करता है। जब वह 18 साल का हो जाता है तो उन सभी युवाओं की एक सेना बनाता है जो रानी के राज से खुश नहीं हैं। पंचा की सेना का मुकाबला करने के लिए रानी कठोर कदम उठाती है। रानी पंचा का समर्थन करने वाले व्यक्तियों को मौत की सजा देने के लिए घुमन्तू न्यायालय चलाना शुरू कर देती है। पंचा इन न्यायालयों पर भी हमला करने लगता है। पंचा के पास सेना है, लेकिन वह राजनीति या एक व्यवस्थित विद्रोह के बारे में कुछ भी नहीं जानता। यहाँ एक–दूसरे नेता भाईजी भी हैं, जो रानी और उसके दानपूर्ण नियमों के खिलाफ व्यवस्थित अभियान चला रहे हैं, लेकिन उसके पास रानी की सेना से लड़ने के लिए लड़ाके नहीं हैं।

भाई जी पंचा को बुलाते हैं। पंचा भाईजी और उनके विचारों से प्रभावित हो जाता है। वह सोचता है कि भाईजी ही लोगों को उनके दुःख से उबार सकते हैं। वह भाईजी के साथ काम करने के लिए तैयार हो जाता है। पंचा और उसके आदमी सभी गाँवों से जाते हैं और अपनी सेना के लिए जवानों को भर्ती करते हैं। कठोर प्रशिक्षण के पश्चात पंचा की सेना रानी पर हमला करती है। रानी की सेना पंचा की जांबाज और जोशीली सेना से लड़ाई हार जाती है। रानी को राजगद्दी से हटा दिया जाता है। भाईजी सर्वसम्मति से राज्य के नए प्रमुख बन जाते हैं। पंचा भाईजी से अनुरोध करता है कि वे किसानों और दबे–कुचले

लोगों की देखभाल करें। वह स्वयं सेवानिवृत्त हो अपने गाँव में खेती करने चला जाता है और एक खुशहाल जीवन जीने लगता है। लेकिन बीच–बीच में उसे लगता है कि भाईजी की नई सरकार किसानों और गरीब लोगों से किए वायदे पूरा नहीं कर रही है वह भाईजी को पत्र लिखता है लेकिन कोई जवाब नहीं आता। एक दिन पंचा को संदेश मिलता है कि राजधानी के अभिजात लोगों की साजिश के तहत भाईजी को उनके जनरल द्वारा मार दिया गया है। एक बार फिर पंचा एक सेना बनाता है और भाईजी को मारने वाले जनरल को हरा देता है। पंचा खुद नया प्रमुख बनता है। वह किसानों और गरीबों के हित में सरकार चलाने की भरसक कोशिश करता है। लोग उसके शासन से खुश होते हैं। हालांकि प्रमुख बनकर वह खुद खुश नहीं है। वह लोगों को शासन की बागडोर थमाता है और फिर से गाँव की ओर रुख करता है। सत्ता से दूर जाने के दौरान वह आगाह करता है कि अगर शासक किसानों और गरीबों की परवाह नहीं करेंगे, तो वह फिर से वापस आ जाएगा और उन्हें गद्दी से उतार देगा।

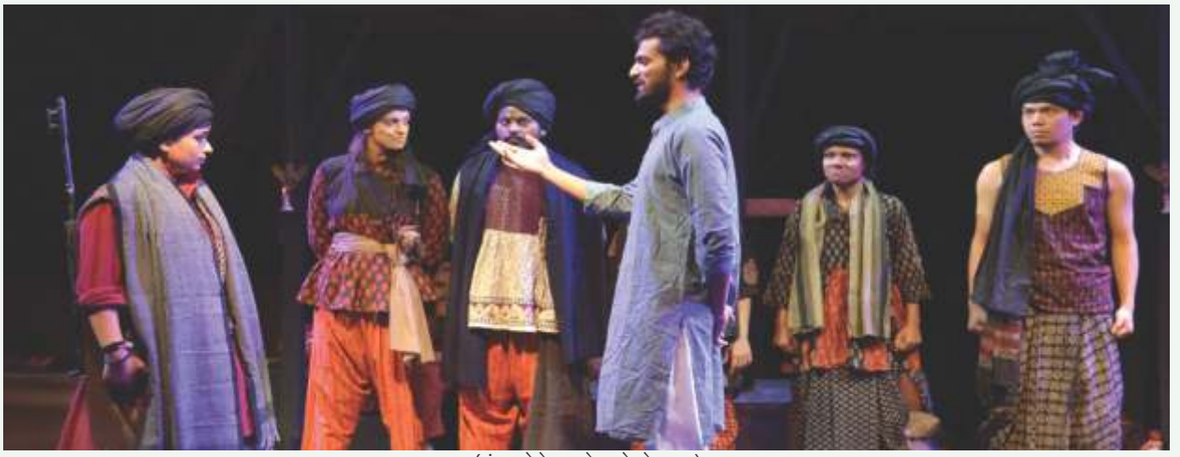

(पंचानोवेश से फोटोग्राफ)

कर्ण गाथा

'कर्ण गाथा' नाटक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 18–21 अक्तूबर 2019 तक अभिमंच सभागार में मंचित किया गया। नाटक का संगीत परिकल्पना और निर्देशन सुश्री रीटा गांगुली द्वारा किया गया। नाटक के नाटककार श्री आसिफ अली हैदर खान हैं। वेशभूषा डॉली अहलूवालिया तिवारी ने की।

नाटक 'कर्ण गाथा' ऐसे समय में लिखा और खेला जा रहा है, जब दुनिया संचार के शिखर पर पहुँच चुकी है। ज्ञान का क्षेत्र इतना विकसित हो गया है कि एक ही विषय में विशेषज्ञता के भिन्न–भिन्न क्षेत्र पैदा हो गए हैं। वस्तुनिहित सूक्ष्म से सूक्ष्मातर ज्ञान हम पाना चाह रहे हैं। ज्ञान की चाहत और इसे पाना एक बात है,तो ज्ञान का व्यवहार और व्यवहार के लिए उचित अवसर व स्थान का मिलना बिल्कुल दूसरी बात है। हम ज्ञान तो दे रहे हैं किन्तु व्यवहार के उचित अवसर एवं स्थान दे पा रहे हैं क्या ? व्यवहार के बिना ज्ञान का कोई अर्थ है क्या ? बिना नीति के ज्ञान विनाशक भी तो हो सकता है ? नाटक 'कर्ण गाथा' का एक विमर्श, ज्ञान और नीति संगत उसका व्यवहार है। विमर्श का दूसरा पक्ष ऐसे जटिल समय में, जब हम औरतों की आज़ादी और बराबरी की बात कर रहे हैं, स्त्रियों की भूमिका बराबरी से भी परे चली जाती है, जटिल से जटिलदार हो जाती है। ऐसे में परिवार के अन्दर उसकी क्या भूमिका होगी, और क्या वह उसका उचित निर्वाह कर पा रही है ? लोक नीति और राजनीति का क्या संबंध है ? बिना राजनीति को समझे किसी भी क्षेत्र में सफल हो पाना सम्भव है ? नाटक का मूल विमर्श इन्हीं प्रश्नों के इर्द–गिर्द घूमता रहता है। नाटक का नायक महाज्ञानी, तेजस्वी, सत्यवादी और दानी है। वह विशिष्ट ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु परशुराम के पास भी जाता है, विद्या प्राप्त भी कर लेता है, लेकिन लोक व्यवहार और राजनैतिक सूझ–बूझ की कमी के कारण शापित भी हो जाता है। कर्ण महान योद्धा है, परन्तु उसे अपने कौशल को व्यवहार में लाने और आजमाने का अवसर ही नहीं मिलता है। वह व्यवहार की नीति को नहीं जानता। व्यवहार की अनभिज्ञता, लोक नीति और राजनीति का अभाव उसे पराजय के मुख में धकेल देता है। उसके ज्ञान का जो लोकहित में उपयोग हो सकता था, उसके ज्ञान का अंत उसी के साथ हो जाता है। स्त्री भूमिका इसका दूसरा पहलू है। कर्ण की दुर्दशा में कुंती की क्या भूमिका है ? कुंती की उसकी अपनी अवस्था का कौन जिम्मेदार है ? क्या स्वयं कुंती नहीं ? धृतराष्ट्र तो जन्मांध थे, गांधारी ने अपनी आंखों पर पट्टी क्यों बांधी ? कौरव अधर्म के रास्ते पर चल पड़े इसमें गांधारी की भूमिका रही ? गांधारी की महानता अपने जन्मांध पति की कमजोरी को आंख पर पट्टी बांध अपनी कमजोरी बना लेने में थी या खुले नेत्रों से अपनी उचित भूमिका निभाने में होती ?

चलिए, गांधारी ने तो आंख पर पट्टी बांध ली, उन सौ कौरव वंधुओं का क्या जिनकी आंख खुली थी ? उनकी जिज्ञासा, उनका मन, हस्तिनापुर में उनकी भूमिका, इस विषय में महाकाव्य भी मूक हो जाता है। स्त्रियों की आज़ादी और भूमिका के संदर्भ में यह प्रश्न बड़े मौजूं हो जाते हैं।

(कर्ण गाथा से फोटोग्राफ)

वीर अभिमन्यु

'वीर अभिमन्यु' नाटक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 11 से 14 दिसंबर 2019 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाटक का निर्देशन सुश्री हेमा सिंह ने किया। संगीत संयोजन सुश्री काजल घोष द्वारा प्रकाश व्यवस्था साउती चक्रवर्ती द्वारा की गई। 'वीर अभिमन्यु' नाटक छात्रों को पारसी शैली समझाने की एक कोशिश है। पारसी शैली में नाटक करना एक चुनौती जैसा है क्योंकि वह एक संपूर्ण कलाकार की मांग करती है। पारसी शैली के विशिष्ट अंदाज में लिखे शेर और लयात्मक संवाद यह मांग करते हैं कि अभिनेता के पास लय, सुर, ताल, नटगिरी, भाव भंगिमाएं, मुद्राओं, भाषा और कविता की अच्छी समझ हो। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभिनेताओं का इस शैली में काम करना, उन्हें एक तरह से संपूर्णता के रास्ते की तरफ ले जाता है। साथ ही भावनात्मक स्तर पर अति समृद्ध पारसी थिएटर उन्हें संवेदनशील भी बनाता है। वीर अभिमन्यु, रानावि के द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ की गई प्रशिक्षण प्रस्तुति है, और इसमें आप पाएंगे कि छात्राएं, पुरुष पात्रों को निभा रही हैं, क्योंकि मुख्य उद्देश्य छात्रों को पारसी शैली सिखाना है। साथ ही नृत्य, गीत, मार्शल आर्ट, कलरी का प्रयोग कर इसे और समृद्ध बनाने की कोशिश की गई है। इस प्रस्तुति में न सिर्फ यह कोशिश की गई है कि प्रशिक्षण के रूप में

(वीर अभिमन्यु से फोटोग्राफ)

द्वितीय वर्ष के छात्र, पारसी शैली की मांगों को पूरा कर सकें बल्कि यह प्रयास भी किया गया है कि आज जब आधुनिक अभिनेता पारसी शैली का अभिनय करे, तो उसे आज की यथार्थवादी शैली की समझ से कैसे जोड़े। कैसे उस समय के पारसी रंगमंच के अभिनय और आज की यथार्थवादी समझ के बीच, एक ऐसा संतुलन बनाएं कि पारसी रंगमंच के अभिनय, संवाद और शेरों की अदायगी की अस्मिता बनी रहे और वह एक नया रूप भी पाए।

खेल कुर्सी का

'खेल कुर्सी का' नाटक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 20 से 21 जनवरी, 2020 तक मुम्बई में और 27 से 30 जनवरी, 2020 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाटक का निर्देशन मिलिंद इनामदार और श्री गणेश चंदाशिव ने किया। 'तमाशा' सहजता का एक रूप है और इसमें मूल रूप से कलाकार सिर्फ विषय तय करते हैं और उसे निभाना शुरू करते हैं। इसलिए मैंने गण, गवलन, बटावनी और लावनी में पारंपरिक विषयों के पहले आधे पूरी तरह से पूर्ण रूप के उपयोग को नहीं लिखने का फैसला किया। केवल उत्तरार्ध का मतलब 'वागनाट्य' है। मैंने नया वाग–नाट्य लिखा क्योंकि हमारे पास 13 महिला अभिनेता और केवल 5 पुरुष अभिनेता हैं। 'खेल कुर्सी का' 'समृद्धि नागरी' में महिला एम.एल.ए. का पता लगाने के लिए है और जब वे समृद्धि नागरी जाते हैं तो क्या होता है। भारत में, बलात्कार का अनुपात बहुत अधिक है, और हमारे पास बलात्कार के अनुपात के बढ़ने के बारे में अलग–अलग विचार हैं, लेकिन तथ्य यह है कि हम बलात्कार को बहुत छोटे बच्चे जैसे पाँच साल और इतने पर ही देखते हैं। इसलिए कोई भी महिला उम्मीदवार समृद्धि नागरी में एम.एल.एन. हीं बनना चाहती है। यहां तक कि बलात्कार के मामलों को भी हल नहीं किया जा सकता है और वर्षों तक किसी बलात्कारी को सजा नहीं मिलती है, महारानी महिला विधायक की तलाश करती हैं और विभिन्न महिला उम्मीदवारों के समक्ष आती हैं जो विधायक बनने के लिए इच्छुक नहीं हैं लेकिन उनके पति इस अवसर को पाना चाहते हैं और समृद्धि नागरी पर कब्जा और शासन करना चाहते हैं। यह वाग एक गंभीर नोट पर समाप्त होता है जब महारानी को एक लड़की मिलती है जिसका तब बलात्कार किया गया था जब वह पाँच साल की थी। उसे एम.एल.ए. के रूप में चुना जाता है।

'खेल कुर्सी का' नाटक का फोटोग्राफ

III द्वितीय वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियाँ

कातज़े लमाखेर

कातज़े लमाखेर तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 11 से 14 अक्तूबर 2019 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाटक का निर्देशन डॉ. जैकलीन रौसेटी द्वारा किया गया। इस नाटक का नाम कातज़ेलमाखेर है। जिसका अर्थ है हुडदंग करने वाला। लेकिन यह उस इंसान के लिए गाली से भी ज़्यादा अपमानजनक है जो एक अजनबी की तरह किसी देश में आता है और जिसके दिमाग में वहाँ रहने और अपने बच्चों को बड़ा करने से ज्यादा कुछ नहीं है, उस बिल्ली की तरह जो अपने बच्चों के पैदा होने पर उनकी सुरक्षा के लिए लगातार घर बदलती रहती है, डर–डर कर रहती है। स्वाभाविक रूप से यह उन लोगों के दृष्टिकोण को दर्शाता है जो मानते हैं कि अजनबी बाहर से आकर उनकी नौकरियों को छीन लेते हैं, उनकी औरतों का बलात्कार करते हैं, और अंततः उनकी संस्कृति और घर तबाह कर देते हैं। रेनर वर्नर फसबाइन्डर का यह नाटक लेखन के 40 साल बाद आज भी दुनिया भर में बारम्बार खेले जाने वाली विषय–वस्तु है। यह रोजमर्रा की एक ऐसी कहानी जिसे लेखक लगभग ऐसे तरीके से परिकल्पित करने में कामयाब हुआ है जो आज से पहले से ज्यादा समसामयिक हो गई है।

(कातजेलमाखेर से फोटोग्राफ)

एज़ बीज़ इन द हनी ड्रोन

'एज़ बीज़ इन द हनी ड्रोन' नाटक तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 15–19 अक्तूबर 2019 तक चहुमुंख सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाटक का निर्देशन सुश्री मरियाना वेनस्टीन द्वारा किया गया। श्री हिमांशु बी. जोशी ने नाटक का हिन्दी अनुवाद किया। मंच परिकल्पना विशाला आर. म्हाले द्वारा की गयी। प्रकाश व्यवस्था श्री राघव प्रकाश चंद्रा द्वारा, नृत्य संरचना श्री विक्रम मोहन द्वारा और ध्वनि संयोजन सुश्री मरियाना वेनस्टीन द्वारा की गई। 1997 में प्रकाशित डगलस कार्टर बीन द्वारा एज़ बीज़ इन द हनी ड्रोन एक अमेरिकी कॉमेडी है, जो हास्य और बुद्धि के साथ समकालीन समाज और इसके मूल्यों के बारे में व्यंग्य करता है। यह नाटक हमें सच्चाई और कृत्रिमता के बीच की सीमाओं के बारे में सोचने का अवसर देता है, झूठे आख्यानों के निर्माण, और बदले में, हमें फिल्म, साहित्य और विपणन की दुनिया के लिए निरंतर संदर्भों के साथ एक सांस्कृतिक आदान–प्रदान करने की अनुमति देता है। एज़ बीज़ इन द हनी ड्रोन हमें याद दिलाता है कि एक ऐसी दुनिया में जहां उपभोक्तावाद के साथ आध्यात्मिक मूल्यों को महसूस करने का विचार है, वहाँ प्रामाणिकता के मूल्य का कभी भी बचाव करना महत्वपूर्ण है, और खासकर तब जब हम कला और रचनात्मकता के लिए समर्पित जीवन का सामना कर रहे हैं।

(एज़ बीज़ इन हनी ड्रोन)

रक्तपुष्प एंड महापूर

'रक्तपुष्प एंड महापूर' नाटक तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 13 से 17 दिसंबर 2019 तक बहुमुख सभागार, रानावि परिसर में मंचित किया गया। नाटक का निर्देशन एवं परिकल्पना श्री अनिरूद्ध खुडवाड द्वारा किया गया। रक्तपुष्प के नाटककार श्री महेश एलकुंचवार हैं। महापूर के नाटककार श्री सतीश आलेकर हैं।

इस नाटक में उम्र के अलग–अलग पड़ावों पर स्थित दो स्त्रियों की आंतरिक भावनाओं की पड़ताल की गई है। एक तरफ चालीस की उम्र की पद्मा है जिसे यौन सुख से वंचित होने की आशंका सता रही है तो वहीं दूसरी तरफ उसकी बेटी लाली है जो यौवन की दहलीज पर कदम रख रही है। एक तरह से यह स्त्री–चेतना की खोज है, जो यौवनावस्था से रजोनिवृत्ति के बीच शारीरिक परिवर्तनों और उनके अपरिहार्य मनोवैज्ञानिक प्रभावों से आकार लेती है।

रक्तपुष्प शीर्षक का संबंध मासिक धर्म के रक्त से है, नाटक में भी मासिक धर्म चक्र का संदर्भ है। प्रकृति के नियमों से बंधी अलग–अलग उम्र की यह दोनों स्त्रियाँ प्रश्न उठाती हैं, अगर यौनिकता की खोज सृजन की मानवीय शक्ति है तो इससे रहित जीवन क्या मृत्यु का प्रतीक है ?

महापूर युवाओं के मुद्दों पर एक संवेदनशील नाटक है। इसमें सत्तर के दशक की युवा पीढ़ी का सामाजिक–राजनैतिक संघर्ष दिखाया गया है। गोविंद रघुनाथ कवठेकर, एक ऐसा आम युवक है जो यथार्थ के भंवर में उलझ गया है। कल्पना और यथार्थ के मिटते अंतर से अनभिज्ञ गोविंद दो समानान्तर अस्तित्वों में जीता है। एक तरफ वह अपनी बचपन की सहेली सुलभा से प्यार करता है और दूसरी तरफ उसका अपने माता–पिता से लगातार वैचारिक संघर्ष चलता रहता है। प्यार, उलझन और वैचारिक संघर्ष के बीच गोविंद अपने कल्पित यथार्थ में जीने लग जाता है। इस तरह गोविंद के विचारों और भावनाओं की बाढ़ (महापूर) निरंतर बहती रहती है।

(रक्तपुष्प एण्ड महापूर से फोटोग्राफ)

उबले दाने टोस्ट पर

तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 21 से 24 दिसंबर 2019 तक अभिमंच सभागार, रानावि परिसर में **'उबले दाने टोस्ट पर'** नामक

नाटक मंचित किया गया। नाटक के नाटककार गिरीश कर्नाड हैं। नाटक का अनुवाद पद्मावती राव द्वारा किया गया। नाटक का निर्देशन रोबिजीता गोगोई द्वारा किया गया। मंच परिकल्पना राजेश सिंह द्वारा प्रकाश व्यवस्था साउती चक्रवर्ती द्वारा, वेशभूषा सुश्री परीजित कौर रिम्मी द्वारा, ध्वनि संयोजन श्री संतोष कुमार सेंडी द्वारा दिया गया।

एक अकेलेपन से जूझती उच्च वर्ग की गृहणी किसी करुणाश्रम में अपनी खोई हुई आवाज को पुनः पा लेती है; एक छोटे शहर से नौकरी की तलाश में आए युवा को सिकुड़ती हरियाली पर उभरते कंक्रीट के जंगल अनकही संभावनाओं का वादा करते हैं; एक देहाती रूढ़िवादी बूढ़ी महिला के लिए रेसकोर्स ताकत के दरवाजे खोलता है; एक ग्रामीण महिला शहरी अराजकता के बीच अपने पांव जमाने के लिए संघर्ष करती है। इस तरह गिरीश कर्नाड का यह नाटक अपनी गीतिमयता, क्रूरता और हास्य–पलों के साथ जीवन्त है। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के कई चरित्र हैं जो बैंगलुरू शहर में आपस में मिलते हैं, टकराते हैं, उलझते हैं, या हमेशा एक–दूसरे पर प्रहार करने पर तुले रहते हैं।

साँस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम (सीईपी)

साँस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र/संकाय सदस्य/स्टाफ सदस्य अपनी प्रस्तुतियों के साथ विदेशों में जाते हैं और उन देशों में आयेजित होने वाले समारोहों और संगोष्ठियों में प्रतिभागिता करते हैं। इसी प्रकार रानावि प्रतिनिधि/प्रस्तुतियों को विदेश के नाट्य स्कूलों से रानावि, भारत में आमंत्रित करता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान साँस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नांकित अंतर्राष्ट्रीय साँस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किये गए जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :–

वर्ष 2019

31 मार्च से 14 अप्रैल 2019 की दो सप्ताह की अवधि के लिए आदान–प्रदान के आधार पर चार छात्र सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत रॉयल अकादेमी ऑफ ड्रामा से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में आए।

दिनांक 23 से 29 सितंबर, 2019 तक हानोई, वैयतनाम में वैयतनाम इंटरनेशनल परफोर्मेंस अकादेमी (वीआईपीए) द्वारा आयोजित 17वें एशिया पैसिफिक बांड थिएटर स्कूल उत्सव में श्री दिनेश खन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर ने रानावि के फेलोशिप छात्रों के साथ प्रतिभागिता की। श्री दिनेश खन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर ने एपीवी सदस्य स्कूलों के छात्रों के साथ 'नवरस' पर कार्यशाला संचालित की।

वर्ष 2020

आइ सी सी आर के माध्यम से मालदीव में भारतीय दूतावास से प्राप्त आमंत्रण पर डॉ. अभिलाष पिल्लई (प्रोफेसर), श्री अब्दुल लतीफ खटाना (एसोसिएट प्रोफेसर) ने 22 फरवरी से 27 फरवरी 2020 तक मेल मालदीव में एक्टर्स वर्कशॉप संचालित की।

रंगमंडल

रंगमंडल

रंगमंडल विद्यालय का एक नियमित प्रस्तुति स्कंध है। इसकी स्थापना केवल चार सदस्यों के साथ, 1964 में हुई थी। इसका उद्देश्य जहाँ एक ओर पेशेवर रंगमंच को स्थापित करना था वहीं दूसरी ओर नए–नए प्रयोगों को जारी रखना भी था।

वर्ष 1964, में स्वर्गीय ओम शिवपुरी ने कंपनी की शुरूआत की और वर्ष 1977 में रंगमंडल एक पूर्ण इकाई बना जिसके नियमित नाट्य दल में आठ नए कलाकार शामिल हुए। रंगमंच और सिनेमा को समर्पित स्व. श्री मनोहर सिंह रंगमंडल के प्रथम प्रमुख थे।

विकास

दिल्ली में नियमित रूप से नाटकों का मंचन करने के अतिरिक्त रंगमंडल देश–विदेश के विभिन्न भागों में दौरे कर नाटक प्रस्तुत करता है।

वर्तमान में रंगमंडल में एक रंगमंडल प्रमुख, श्री सुरेश शर्मा और 20 नियमित कलाकार हैं। इन नियमित कलाकारों को कई अनियमित कलाकारों का पूर्ण सहयोग प्राप्त रहता है जो अधिकतर रा.ना.वि. के स्नातक ही हैं, और इन्हें प्रशासनिक और तकनीकी स्टाफ की टीम सहयोग करती है। अब तक रंगमंडल लगभग हर प्रकार की नाट्य–प्रस्तुतियाँ कर चुका है जिनमें शैलीबद्ध संगीतमय प्रस्तुतियों से लेकर समकालीन यथार्थवादी भारतीय नाटक, विदेशी नाटकों के अनुवाद व रूपांतरण भी शामिल हैं। रंगमंडल के कई कलाकार रंगमंच, सिनेमा और टी.वी. के जाने–माने कलाकारों के रूप में उभरे हैं।

रंगमंडल देश–भर का व्यापक दौरा कर चुका है और जर्मनी, पोलैंड, ब्रिटेन, नेपाल, मॉरिशस, चीन और बांग्लादेश की कई सफल यात्राएं भी कर चुका है।

नए नाटक

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार	स्थान
20.03.2020	जलियांवाला बाग	श्री सुरेश शर्मा	श्री अमिताभ श्रीवास्तव	सम्मुख

ग्रीष्मकालीन रंगमंच समारोह, 2019 (कमानी सभागार, रानावि परिसर, दिल्ली)

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार
29 मई, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री आसिफ अली
30 मई, 2019	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे
31 मई, 2019	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री उषा गांगुली
1 एवं 2 जून, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी
2 जून, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजेन्द्र नाथ	श्री विजय तेंदुलकर
3 जून, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला
4 जून, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी

ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह 2019
(भारतेन्दु नाट्य अकादेमी एवं प्रेमचंद रंगशाला, दिल्ली से बाहर)

9 जून, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी
10 जून, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री आसिफ अली
11 जून, 2019	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री उषा गांगुली

12 जून, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजेन्द्र नाथ	श्री विजय तेंदुलकर
13 जून, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला
14 जून, 2019	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे
ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह 2019 (प्रेमचंद रंगशाला, दिल्ली से बाहर)			
17 जून, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी
18 जून, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री आसिफ अली
19 जून, 2019	बायेन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री उषा गांगुली
20 जून, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजेन्द्र नाथ	श्री विजय तेंदुलकर
21 जून, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला
22 जून, 2019	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे

सप्ताहांत रंगमंच समारोह (सम्मुख सभागार, रानावि परिसर, दिल्ली)

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार
31 अगस्त से 02 सितंबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी
06 से 08 सिंतबर, 2019	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री उषा गांगुली
13 से 15 सितंबर, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला
20 से 22 सितंबर, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजेन्द्र नाथ	श्री विजय तेंदुलकर
18 से 20 अक्तूबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	श्री रविन्द्र त्रिपाठी

प्रायोजकों के अंतर्गत दिल्ली के बाहर मंचित किए गए प्रदर्शन

तिथि	नाटक	निर्देशक	प्रायोजक	स्थान
06 अक्तूबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	भारत भवन, भोपाल	भारत भवन, भोपाल
15 नवंबर, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चितरंजन त्रिपाठी	गति थिएटर	
16 नवंबर, 2019	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली	गति थिएटर	
17 नवंबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	गति थिएटर	
15 दिसंबर, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	श्री सुरेश शर्मा	मनन केन्द्र सिक्किम	सीएएएचडी सिक्किम सरकार
16 दिसंबर, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चितरंजन त्रिपाठी		
17 दिसंबर, 209	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली		
18 दिसंबर, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री सुरेश शर्मा		
18 दिसंबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	मनन केन्द्र सिक्किम	

23 दिसंबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	मनन केन्द्र सिक्किम	
26 दिसंबर, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	श्री सुरेश शर्मा	नज़रूल कलाक्षेत्र	आई सी ए विभाग, त्रिपुरा सरकार
27 दिसंबर, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चितरंजन त्रिपाठी		
28 दिसंबर, 2019	बायन	सुश्री उषा गांगुली		
29 दिसंबर, 2019	जात ही पूछो साधू की	श्री राजेन्द्र नाथ		
30 दिसंबर, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा		
01 जनवरी, 2020	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी, असम	बारपेटा, असम
03 फरवरी, 2020	ताजमहल का टेंडर	श्री चितरंजन त्रिपाठी	21वां भारत रंग महोत्सव, दिल्ली	कमानी सभागार
10 फरवरी, 2020	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा		
16 फरवरी, 2020	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली		
22 फरवरी, 2020	बायेंन	सुश्री उषा गांगुली	टैगोर हॉल, चंडीगढ	टैगोर हॉल, चंडीगढ
23 फरवरी, 2020	जात ही पूछो साधू की	श्री राजेन्द्र नाथ		
24 फरवरी, 2020	ख़ामोशी सीली सीली	श्री सुरेश शर्मा		
28 फरवरी, 2020	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	अहमदाबाद, गुजरात	अहमदाबाद, गुजरात
01 एवं 02 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	एनसीजेडसीसी सभागार	इलाहाबाद
04 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	मुरारीलाल सभागार	बनारस
05 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	राजेन्द्र प्रसाद घाट	बनारस
09 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	डी.आई.ई.टी. युनिवर्सिटी	समालखा, हरियाणा
10 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	कला भवन	चंडीगढ़
11 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	पटियाला युनिवर्सिटी	पटियाला
14 मई, 2019	पहला सत्याग्रही	श्री सुरेश शर्मा	पंजाब नाटशाला	अमृतसर, पंजाब

(पहला सत्याग्रही से फोटोग्राफ)

(ताजमहल का टेंडर का फोटोग्राफ)

संस्कार रंग टोली (टी.आई.ई.)

संस्कार रंग टोली (टी.आई.ई.)

उत्पत्ति

हालांकि देश में ऐसे अनेक बच्चे हैं जो रंगमंच को सीखने और इसे करने के ज़ज्बे से भरे हुए हैं और नाट्यकला के लिए उनमें बेहद जोश है, परन्तु उन्हें औपचारिक रंगमंच प्रशिक्षण देने और इस क्षेत्र में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई संस्थान नहीं है। इन परिस्थितियों में बच्चों की विकासात्मक, शैक्षिक और सृजनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य के साथ अलग–अलग आयु वर्गों के बच्चों के बीच रंगमंच को बढ़ावा देना राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का एक अनिवार्य लक्ष्य बन गया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए नियमित आधार पर बच्चों के लिए और बच्चों के साथ काम करने वाले अभिनेताओं/शिक्षकों के समूह वाली एक रंगमंच कंपनी 16 अक्तूबर, 1989 को स्थापित की गई। इस कम्पनी को 'थिएटर–इन–एजुकेशन कम्पनी' का नाम दिया गया था और बाद में इसका नाम 'संस्कार रंग टोली' रखा गया।

अप्रैल, 2019 से मार्च 2020 तक गत वर्ष के दौरान संस्कार रंग टोली (टाई कंपनी) की गतिविधियाँ/कार्यक्रम

- बच्चों के लिए नाटक की प्रस्तुतियाँ।
- दिल्ली एवं एन सी आर में बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला।
- संडे क्लब I, II और III
- दिल्ली में बाल संगम समारोह।
- हैदराबाद बाल रंगमंच उत्सव, 2 प्रस्तुतियों के साथ टाई कंपनी का दौरा।

अप्रैल 2019

- एक नई प्रस्तुति 'बाबला और बापू / साबरमति आश्रम' श्री राम सेंटर में दिनांक 9, 10, 15, 18 अप्रैल 2019 को प्रस्तुत की गई। इस प्रस्तुति को बच्चों के लिए दिल्ली और दिल्ली के आस–पास के विभिन्न स्कूलों में भी मंचित किया गया।
- ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का विज्ञापन 17 अप्रैल 2019 प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया और रानावि की वैबसाइट पर पोस्ट किया गया। लगभग 9300 प्रत्युत्तर आवेदकों से प्राप्त हुए।

मई–जून 2019

- 1 मई 2019 को टाई कलाकारों के लिए प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित हुआ और रानावि की वैबसाइट पर पोस्ट किया गया। विज्ञापन के प्रत्युत्तर में 88 आवेदन प्राप्त हुए।
- 3 से 7 मई 2019 को बच्चों के लिए दिल्ली और आस–पास के क्षेत्रों के विभिन्न केन्द्रों में विचार–विमर्श सत्र आयोजित किए गए। लगभग 600 बच्चों को प्रवेश दिया गया।
- ग्रीष्मकालीन कार्यशाला को आयोजित करने के लिए विशेषज्ञ/सहायक एवं ग्रुप लीडर की ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला को आयोजित करने के लिए रानावि की वैबसाइट पर विज्ञापन पोस्ट किया गया।

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला
(17 मई से 16 जून 2019)

प्रत्येक वर्ष मई–जून के बीच बच्चों के लिए एक माह की दीर्घावधि के लिए ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य बच्चों को उनकी पृष्ठभूमि से थोड़ा अलग हटकर एक अलग सामाजिक पहचान देना और उन्हें रंगमंचीय गतिविधियों द्वारा खेल–खेल में ही उनके आसपास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनाना होता है। कार्यशाला 4 सप्ताह के लिए बनाई जाती है जिसके दौरान हम स्वयं, परिवार, शिक्षा और समाज का अन्वेषण करते हैं। इस वार्षिक कार्यक्रम का आरम्भ केवल रानावि केन्द्र से हुआ और अब यह बढ़कर दिल्ली के विभिन्न स्कूलों में 9 केन्द्र बन गए हैं। 8–16 वर्ष के आयु के बच्चों को प्रत्येक वर्ष प्रवेश दिया जाता है। लगभग 16–29 ग्रुप में 30 बच्चे होते हैं। इस तरह 600 से भी अधिक बच्चों को प्रत्येक वर्ष प्रतिभागिता करने का अवसर मिलता है। अभिभावकों को भी कार्यशाला प्रक्रिया सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रतिभगिता करने वाले बच्चे कार्यशाला के दौरान उनके द्वारा अर्जित और सीखी गई विभिन्न थीम, गतिविधियाँ और कार्य प्रक्रिया पर आधारित प्रतिभागितापूर्ण कार्यक्रम को तैयार करते हैं। जैसे–जैसे वर्ष निकल रहे हैं, इस तरह के केन्द्रों को खोलने की मांग बनती जा रही है।

1.	3–7 मई 2019	दिल्ली के 9 केन्द्रों में बच्चों के साथ विचार–विमर्श सत्र। लगभग 600 बच्चों को प्रवेश दिया गया।
2.	5–6 मई 2019	ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला टाई कंपनी के लिए विशेषज्ञ/ग्रुप लीडर, सहायक के साथ विचार–विमर्श सत्र/साक्षात्कार
3.	8–9 मई 2019	ग्रुप एलोकेशन

4.	11 मई 2019	दिल्ली के 9 केन्द्रों के लिए चुने गए अभ्यर्थियों के नाम डिस्पले करना। यह रानावि की वैबसाइट पर भी पोस्ट किया गया।
5.	10–15 मई 2019	विशेषज्ञ/ग्रुप लीडर और सहायकों के साथ आंतरिक कार्यशाला।
6.	16 मई 2019	ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला के लिए आवश्यक प्रबंध करने के लिए 9 केन्द्रों का भ्रमण।
7.	17 मई 2019	बच्चों के साथ विभिन्न 9 केन्द्रों पर कार्यशाला का आरंभ करना।
8.	30 एवं 31 मई 2019	ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला के 9 केन्द्रों पर अभिभावक सत्र की तैयारी।

(कैम्ब्रीज स्कूल, नोएडा का फोटोग्राफ)

(चाणक्यपुरी स्कूल का फोटोग्राफ)

(हरि नगर स्कूल का फोटोग्राफ)

(ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के दौरान फोटोग्राफ)

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला 2019 कार्यशाला केन्द्र :

1.	एन्गलो संस्कृत वी. जे. सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, दरियागंज, नई दिल्ली	(2 ग्रुप)
2.	ग्रीन वे मॉर्डन स्कूल, दिलशाद गार्डन, पॉकेट – ए एंड बी, दिल्ली–95	(2 ग्रुप)
3.	कैम्ब्रीज स्कूल, जूनियर विंग प्लॉट नं. – सी 7 ए, सैक्टर – 27 विनायक हॉस्पीटल नोएडा के पास, उ.प्र.	(2 ग्रुप)
4.	सेंट ज़ेवियर हाई स्कूल रोज वुड सिटी सैक्टर, 49–50, मेन गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, गुरुग्राम, हरियाणा – 122018	(2 ग्रुप)

5.	लेडी इरविन स्कूल जूनियर विंग ब्लॉक – डी डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली–110049	(2 ग्रुप)
6.	अहल्कोन पब्लिक स्कूल, मयूर विहार फेज़–1, नई दिल्ली – 91	(2 ग्रुप)
7.	नेवी चिल्ड्रन स्कूल, सत्यमार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली – 21	(2 ग्रुप)
8.	आर पी वी वी शालीमार बाग, बी टी ब्लॉक, नई दिल्ली – 88	(3 ग्रुप)
9.	आर पी वी वी हरि नगर, मायापुरी रोड, बी ई ब्लॉक, नई दिल्ली–64	(3 ग्रुप)

- एयर फोर्स ऑडिटोरियम, धौला कुंआ में ग्रीष्मकालीन रंगमंच के लिए 8 जून 2019 को नाटक बाबला और बापू/साबरमती आश्रम मंचित किया गया।
- 15 एवं 16 जून 2019 को ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का दिल्ली और इसके आस–पास के 9 केन्द्रों में समापन हुआ।
- 19/20 जून से 23/24 जुलाई 2019 तक टाई कलाकारों के लिए एक माह का ग्रीष्म अवकाश।
- 28 से 30 जुलाई तक टाई कलाकारों एवं प्रतिभागियों के साथ एलिसन रीवस, ग्रुप लीडर ड्रामा एंड परफोरमेंस यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरकेस्टर, यू.के. द्वारा कार्यशाला संचालित की गई।

अगस्त, 2019

संडे क्लब

संडे क्लब ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का विस्तार है। यह प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित किया जाता है। इस क्लब में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चे तत्कालिक क्लब अभिनय के ज़रिए मूल नाटक की सृजन कर विस्तृत कार्य करते हैं। क्लब की गतिविधि के एक भाग के रूप में बच्चे मिलजुलकर एक थीम निश्चित करते हैं और विभिन्न रंगमंच तकनीकों का प्रयोग कर इसको एक नाटक का रूप देते हैं। यह 'करके सीखो' के सिद्धान्त पर आधारित है। इसका संडे क्लब समारोह से समापन होता है जिसमें सहयोगी प्रक्रिया से बच्चों द्वारा तैयार किये गये मूल नाटक प्रदर्शित किए जाते हैं जिन्हें अभिभावक और जनता द्वारा देखा जाता है।

संडे क्लब भाग–I

यह ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का विस्तारित कार्यक्रम है जिसमें बच्चे आशुअभिनय की प्रक्रिया के माध्यम से पहली मूल प्रस्तुति अभिकल्पित करते हैं।

संडे क्लब भाग– II

यह बच्चों की रंगमंच को कला के रूप में समझ को विकसित करने का अगला कदम है।

संडे क्लब भाग– III

रंगमंच के मूलाधारों को समझना और उनको अभ्यास में लाने का एक वातावरण है।

- संडे क्लब पार्ट – I की कक्षाएं प्रत्येक शनिवार और रविवार को आयोजित की गई और पूरे समयावधि में कुल 7 प्रस्तुतियां तैयार की गईं। संडे क्लब II एवं III की कक्षाएं 17/18 अगस्त, 2019 से 12 जनवरी 2020 तक संचालित की गई।

सितंबर, 2019

- 17 से 21 सितंबर 2019 तक श्री राम सेंटर में एक 'पार समंदर' नामक शो मंचित किया गया जिसे एन जी ओ और स्कूलों द्वारा देखा गया।

अक्तूबर, 2019

- 'किस्से सूझ बूझ के' और 'पार समंदर' नामक नाटक के 18, 21 एवं 22 अक्तूबर 2019 को छात्रों एवं शिक्षकों के लिए आर.पी.वी.वी. हरि नगर एवं सरदार पटेल स्कूल, लोधी रोड, दिल्ली में शो मंचित किए गए।

नवंबर, 2019

बाल संगम समारोह 2019

नई सहस्राब्दी की शुरुआत के साथ, टोली ने 'बाल संगम' नामक एक नया द्विवार्षिक कार्यक्रम शुरू किया। यह देश के विभिन्न क्षेत्रों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत भारतीय प्रदर्शन लोक और पारंपरिक कलाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक समारोह है। बाल संगम इस मायने में एक अनूठा प्रयोग रहा है कि यह बच्चों के माध्यम से ही होता है जिससे कि बच्चे और वयस्क समान रूप से देश की समृद्ध और विविध साँस्कृतिक विरासत से परिचित हों। यह पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और पोषण का भी प्रयास है।

(बाल संगम 2019 के उद्घाटन का एक दृश्य)

रा.ना.वि. टाई कंपनी द्वारा 9 से 12 नवंबर 2019 तक बाल संगम 2019 का आयोजन किया गया था। महोत्सव का उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को हुआ था। प्रो . राम गोपाल बजाज (प्रसिद्ध रंगमंच अभिनेता और निर्देशक) समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में मणिपुर, राजस्थान, उड़ीसा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम 'रंगोली' की प्रस्तुति दी।

बाल संगम के दौरान भारत के 24 राज्यों में से 97 के लिए कुल 97 आवेदन प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 54 लोक प्रदर्शन के लिए और 43 लोक रंगमंच के लिए थीं। जूरी के 6 सदस्यों ने 4 लोक रंगमंच और 19 लोक और पारंपरिक प्रदर्शनों की सिफारिश की, जिसमें रा.ना.वि. ने पूरे भारत में 3 लोक थिएटर और 12 लोक प्रदर्शनों को आमंत्रित किया। इन 15 में से, लोक और पारंपरिक प्रदर्शन के 12 समूह भारत के 10 राज्यों से थे और 3 समूह लोक और पारंपरिक रंगमंच भारत के अन्य 3 राज्यों से थे, जिनमें 11 भाषाएँ शामिल थीं यानी कन्नड़, असमिया, कश्मीरी, ओडिया, हिंदी, पंजाबी, बंगला। मलयालम, गुजराती, ओगुडोलु और मणिपुरी। नृत्य रूपों में छाऊ, यक्षगान, गोटीपुआ, थांग–टा, भांगड़ा, लोक नृत्य, रास, लोक गीत, कठपुतली नृत्य, असमिया लोक नृत्य, औगुड़ोलु और कश्मीरी शामिल हैं। लगभग 172 बच्चे, 8–10 साल की उम्र के बीच 36, 11–14 साल की उम्र के बीच 96 और 15–18 साल की उम्र के बीच 40 बच्चों ने भाग लिया। लगभग 65 महिला बाल कलाकार 188 पुरुष कलाकार इस कार्यक्रम का हिस्सा थे। 253 लोक और पारंपरिक प्रदर्शकर्ता थे। लगभग 7 कार्यशालाएं 14 कलाकारों के साथ आयोजित की गई थीं, जिन्होंने ऑरिगैमी, कठपुतली, मिट्टी के बर्तनों, पेपर मैशे , शिल्प और मुखौटा बनाने के लिए अनउपयोगी सामग्री, सिक्की कला (घास) और वर्ली पेंटिंग का उपयोग किया था। भोपा भोपी, नगाडा पार्टी, कच्ची घोड़ी, लोंग मेन , कठपुतली शो, कालबेलिया, मैजिक शो, ऑर्केस्ट्रा में अनउपयोगी सामग्री का उपयोग करते हुए 40 कलाकारों के साथ 7 एंबियंस प्रदर्शन थे।

रानावि परिसर में 9 से 12 नवंबर 2019 तक बाल संगम समारोह के दौरान निम्न प्रस्तुतियां आयोजित की गईं :

लोक एवं पारंपरिक प्रस्तुतियां

क्र. सं.	लोक रूपों के नाम	ग्रुप का नाम	निदेशक का नाम
1.	मयूर, द्वापर लीला, शिकारी, माया बंधन, चलो दिल्ली, चांदी युद्ध, अभिमन्यु वध	भावेश छाउ नृत्य कला केन्द्र झारखंड	श्री परमानंद नंदा
2.	खाम्बा थोइबी, थांग चिन्गोइ यान्नाबा, नाग नृत्य, थांग अहुम यान्नाबा, थांग लैटेंग हईबा, पुंग चोलम, ढ़ोल–ढ़ोलक चोलम	हुयेन लाल्लोंग थांग–टा कल्चरल एसोसिएशन, इरिलबुंग, मणिपुर	श्री मुटुम इबोम्चा
3.	पारंपरिक लोक गीत, लोक भजन, सूफ़ी, भांड राजस्थान से, संगीत वाद्यों का वादन, जनगाथा राजस्थान, सिमफोनी मांगानियर	भुगरा खान एंड ग्रुप, राजस्थान	श्री भुगरा खान
4.	भांड नृत्य, देखागो राधा माधवा चाली, सुकुमारी आंगे कलासी अमे ओडिया रे अमे ओडिया	अराधना डांस अकादमी ओडिसा	सुश्री चित्र सेन स्वैन
5.	बगुरूम्भा, डाहल थुंगरी, म्वसग–लांगनई डायोश्री – देलाई, बार्डविशखला बिरगवस्री, सोटरोली (थुंगरी सिबनई)	सिफुंग हरियम एफेड, असम	श्री नंदूलाला बसुमतरई
6.	ओग्गुडोलु	कुंता सदाइयाह ओग्गुडोलु ग्रुप, तेलांगना	श्री कुंता सदाइयाह
7.	कलारीपहु मैयायटु, अदी वीसा (वीसल) कोलथारी अंकाथारी, वेरूमकई सर्वोड फाइट	हिंदुस्तान कलारी संगम, केरल	सुश्री एम. राधिका गुरुक्कल
8.	भांगरा, लुडी, झूमर, लोकगीत	पंजाबी लोक कला केन्द्र, पंजाब	श्री मंजीत सिंह
9.	बधाई लोकनृत्य, संज्ञा लोक नृत्य, गणगौर, कांगवालिया, मयूर नृत्य, पनिहारी लोक नृत्य	प्रतिकल्प संस्कृति संस्थान, मध्य प्रदेश	सुश्री कुमार किशन
10.	डांडिया रास, गरबा तिप्पानी नृत्य, तलवार रास, डांगी नृत्य	कलरव सेवा ट्रस्ट, गुजरात	सुश्री देवयानी जे रावल
11.	पशुमुख नृत्य एनिमल मास्क डांस कांधेई नृत्य (पपेट डांस) कोंथीसाला, पलका अखाड़ा	बिचित्र बरनाली नृत्य संस्था ओडिसा	श्री आलोक बिशनोई
12.	खोरला थिसु मिसावा, खान्गासी मिसावा	तिवा भाखा संस्कृति चर्चा समिति, असम	श्री राहिन बांगथाई
13.	नखा संगा मिसावा, लांगखोन मिसावा बिस्तुरिमा मिसावा	चर्चा समिति असम	श्री राहीन बांगथेई

लोक एवं पारम्परिक रंगमंच

क्र. सं.	नाटक के नाम	ग्रुप का नाम	निर्देशक का नाम	प्रस्तुति की तिथि
1.	अंगकिया भाओना राम बिजोय	मंजुला कला केन्द्र, असम	श्री भाबेन हज़ारिका	10.11.2019
2.	गोसियन पाथेर	नेशनल भांड थिएटर, जम्मू कश्मीर	श्री शाह–ए–जहान अहमद भगत	11.11.2019
3.	चक्रव्यूह नृत्य नाटिका	यक्षगान केन्द्र कर्नाटक	गुरु संजीव सुरमा	12.11.2019

(बाल संगम 2019 का फोटोग्राफ)

दिसंबर, 2019

- संस्कार रंग टोली 10 से 14 दिसंबर 2019 के दौरान हैदराबाद गई और बाल रंगमंच समारोह में प्रतिभागिता की जिसमें टोली ने कुल 10 शो यानि 05 शो 'पार समंदर' नाटक से और 05 शो 'किस्से सूझ बूझ के' नाटक को जुबली हिल्स, एचसीटीएफ हैदराबाद में स्कूली बच्चों और आम जनता के लिए मंचित किया गया।

जनवरी, 2020

- संडे क्लब समारोह एल टी जी सभागार, कॉपरनिक्स मार्ग, नई दिल्ली में 6–12 जनवरी 2020 को प्रतिदिन सायं 6.00 बजे 7 नाटकों का एक उत्सव आयोजित किया गया जिसको नाटकों में प्रतिभागिता करने वाले बच्चों के अभिभावकों और आम जनता द्वारा देखा गया।

संडे क्लब रंगमंच समारोह
(06 जनवरी 2020) एल टी जी सभागार, नई दिल्ली

दिनांक	नाटक का नाम	आयु वर्ग
(संडे क्लब पार्ट–I)		
6 जनवरी 2020	नन्हा दिमाग बड़ा दिल	8–10
7 जनवरी 2020	द रियल मी	10–12
8 जनवरी 2020	पहेली	12–14
9 जनवरी 2020	क्षितिज की ओर	14–17
(संडे क्लब पार्ट–II)		
10 जनवरी 2020	वैब	11–14
11 जनवरी 2020	रंगीन परछाई	14–18
(संडे क्लब पार्ट–III)		
12 जनवरी 2020	प्रस्थान	16–19

- 22 जनवरी 2020 से 25 जनवरी 2020 तक विभिन्न स्कूलों के बच्चों के लिए 'पार समंदर' बाबला और बापू' @ साबरमती आश्रम के शो मंचित किए गए।

- **बच्चों के लिए नाटक की नई प्रस्तुतियाँ/प्रदर्शन – फरवरी 2020 के तीसरे सप्ताह से मार्च, 2020 के अंतिम सप्ताह तक**

  टाई कंपनी का मुख्य फोकस विशेष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए सृजनात्मक, पाठ्यक्रम पर आधारित और प्रतिभागितापूर्ण नाटकों को स्कूलों में प्रदर्शित करना है, इस उद्देश्य के साथ कि वे बच्चों में जागरूकता सृजित कर सकें और उनके प्रश्न पूछने, निर्णय लेने और रंगमंचीय कौशल को मुख्यधारा के विकल्प के रूप में अपना सकें।

- टाई कलाकारों के साथ श्री विक्रम मोहन द्वारा 25 फरवरी से 2 मार्च 2020 गति संचालन पर कक्षाएं संचालित की गईं।

- टाई कलाकारों (टाई कंपनी) के साथ टाई प्रमुख द्वारा 28 फरवरी से 11 मार्च तक नई प्रस्तुति के लिए तैयारी एवं कक्षाएं संचालित की गई।

- बाद में कोविड–19 महामारी के कारण विद्यालय 30 मार्च 2020 तक बंद रहा।

विस्तार कार्यक्रम

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय अपने छात्रों को 3 वर्षीय डिप्लोमा के लिए एकीकृत प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष सीमित छात्रों को ही प्रवेश दिया जाता है, जबकि आवेदकों की संख्या सैकड़ों में रहती है। कई तरह की प्रत्यक्ष बाधाओं के कारण विविध राज्यों में रहने वाले विभिन्न भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले अधिकांश रंग कलाकार रा.ना.वि. द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से लाभान्वित नहीं हो पाते, इसलिए उन रंगकर्मियों तक पहुँचने और पूरे भारत में रंगमंच के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने 1978 में स्थानीय भाषाओं में 'विस्तार कार्यक्रम' नामक एक अल्पकालीन शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में स्थानीय एजेंसियों के सहयोग से प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशालाएं, प्रस्तुतिपरक बाल रंगमंच कार्यशालाएं, रंगमंच आदि पर शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं। इस कार्यक्रम को यथासंभव व्यापक बनाने के प्रयास किए गए हैं ताकि इसे देश के सभी क्षेत्रों तक ले जाया जा सके, विशेष रूप से उन क्षेत्रों तक जो कि ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में हैं।

शैक्षिक वर्ष 2019–20 के दौरान रा.ना.वि. के विस्तार कार्यक्रम द्वारा निम्न कार्यशालाओं का संचालन किया गया :

01/04/2019 से 31/03/2020 तक संचालित रंगमंच कार्यशालाओं की सूची

क्रम सं.	प्रोजेक्ट/कार्यशालाएं	सहयोगी संस्था	कार्यशाला की अवधि
1.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	निर्माण कला मंच पटना, बिहार	20/04/2019 से 1/05/2019 तक
2.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	नागरिक नाटक मंडली, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	15/5/2019 से 30/06/2019 तक
3.	बच्चों के लिए प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	नागरिक नाटक मंडली, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	15/5/2019 से 23/06/2019 तक
4.	रंगमंच मूल्यांकन कोर्स	रानावि द्वारा स्वयं संचालित	27/05/2019 से 04/06/2019 तक
5.	बच्चों के लिए प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	आई टी एम युनिवर्सिटी ग्वालियर (मध्य प्रदेश)	29/8/2019 से 27/9/2019 तक
6.	21 दिवसीय प्रस्तुति सह तकनीकी रंगमंच कार्यशाला	नाटक थिएटर ग्रुप एंड नूतन कला निकेतन ग्रुप बालाघाट (मध्य प्रदेश)	25/8/2019 से 14/9/2019 तक
7.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	ब्रोकन सर्कल जयपुर, राजस्थान	12/9/2019 से 11/10/2019 तक
8.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	ज्योति आर्ट ग्रुप जयपुर, उत्तर प्रदेश	14/9/2019 से 13/10/2019 तक
9.	रंगमंच मूल्यांकन कोर्स	विवेचना रंगमंडल जबलपुर, मध्य प्रदेश	15/10/19 से 24/10/19 तक
10.	21 दिवसीय तकनीकी रंगमंच कार्यशाला	स्कूल ऑफ ड्रामा, फाइन आर्ट युनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, त्रिशूर, केरल	13/11/2019 से 03/12/2019 तक
11.	30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	लोकजाग्रति नाट्य कला केन्द्र साँस्कृतिक, शैक्षणिक सामाजिक संस्था, चंद्रापुर, नादेड, महाराष्ट्र	29/11/2019 से 28/12/2019 तक

12.	90 दिवसीय नाट्यलेखन कार्यशाला	महाराष्ट्र एजुकेशन सोसायटी कॉलेज ऑफ परफोर्मिंग आर्ट पुणे, महाराष्ट्र	22/10/2019 से 21/01/2020 तक
13.	30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	युवा मंच दमोह, मध्य प्रदेश	8/12/2019 से 06/01/2020 तक
14.	28 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	माथोवखुर मिरोमिसिंग नाट्य दल, पो.ऑ. अहोमणि, ज़िला लखीमपुर, असम	25/2/2020 से 22.03.2020 तक

प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशालाओं की सूची

क्रम सं.	प्रोजेक्ट / कार्यशालाएं	सहयोगी संस्था	कार्यशाला की अवधि
1.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	संस्कार भारती रांची, झारखण्ड	12/08/2019 से 12/09/2019 तक
2.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	इंदिरा गाँधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश	29/09/2019 से 04/11/2019 तक

उत्तर–पूर्व क्षेत्र में संचालित रंगमंच कार्यशालाओं की सूची

क्रम सं.	प्रोजेक्ट / कार्यशालाएं	सहयोगी संस्था	कार्यशाला की अवधि
1.	बाल रंगमंच कार्यशाला	हरिचंदनपुर केयोनझार ज़िला ओडिशा	20/05/2019 से 18/06 2019 तक
2.	बाल रंगमंच कार्यशाला	पालाहारा अंगुल ज़िला ओडिशा	21/05/2019 से 19/06/2019 तक
3.	गुवाहाटी, असम में बच्चों की रंगमंच कार्यशाला	गति असम, गुवाहाटी असम	12/7/2019 से 29/07/2019 तक
4.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	क्रिश्टिर कोथिया जोरहाट, असम	26/9/2019 से 25/10/2019 तक
5.	प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	बसेल बर्द्रस क्रिएशन कलकटंग, अरुणाचल प्रदेश	16/10/2019 से 15/11/2019 तक

राजभाषा विभाग

अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 तक राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

राजभाषा गतिविधियाँ

अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण :

- **संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर कार्यशाला** : संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जानकारी देने के लिए 13 अगस्त 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री वेद प्रकाश गौड, निदेशक (रा.भा.), संस्कृति मंत्रालय को कार्यशाला विशेषज्ञ के रूप में संबंधित कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया। श्री वेद प्रकाश गौड ने प्रतिभागियों को उपरोक्त विषय पर व्यवहारिक रूप पर जानकारी दी।

(कार्यशाला के दृश्य)

- **हिन्दी उत्सव** : विद्यालय में 1–30 सितंबर तक हिन्दी उत्सव का आयोजन किया जिसमें निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई; जैसे; टिप्पण एवं प्रारूपण पर प्रतियोगिता, सुलेख एवं श्रुतलेख प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, शुद्ध हिन्दी वार्तालाप प्रतियोगिता, पहेली प्रतियोगिता।

(हिंदी उत्सव 2019 का उद्घाटन)

प्रतिभागियों का उत्साह बढाने एवं साथ ही प्रतिस्पर्धा का वातावरण सृजित करने के लिए पुरस्कार रखे गए जिसके अंतर्गत क्रमशः रु. 3100/–, 2500/–, 2100/– एवं 1500/– राशि के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार थे।

- **''हिन्दी : राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृति की एक कड़ी'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन** : ''हिन्दी : राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृति की एक कड़ी'' विषय पर दिनांक 20 सितंबर 2019 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में संस्कृति मंत्रालय के निदेशक (रा.भा.), श्री वेद प्रकाश गौड एवं नगर राजभाषा कार्यांवयन समिति के सचिव श्री अशोक कुमार एवं विद्यालय से प्रभारी निदेशक, प्रो. सुरेश शर्मा एवं रजिस्ट्रार, श्री प्रदीप कुमार मोहन्ती ने वक्ता के रूप में उपरोक्त विषय पर अपने विचार साझा किए।

- **[redacted]ोटिंग–ड्राफ्टिंग विषय पर कार्यशाला** : कार्यालयी कर्मचारियों को दैनिक कार्यालय कार्यों में काम आने वाले टिप्पण एवं प्रारूपण की व्यावहारिक रूप से जानकारी देने के लिए 15 नवंबर 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में रेलवे बोर्ड के निदेशक (राजभाषा) श्री वरूण कुमार को कार्यशाला विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रकाशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का प्रकाशन एकक रंगमंच विषयक पुस्तकों का और रंगमंच पर महत्वपूर्ण पुस्तकों के अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवादों का प्रकाशन करता है। इस कार्यक्रम के नियमित प्रकाशन रंगप्रसंग, राजभाषा मंजूषा और थिएटर इंडिया हैं।

रंग प्रसंग

हिन्दी की त्रैमासिक पत्रिका रंग–प्रसंग को प्रकाशित करने की शुरुआत वर्ष 1998 से हुई। इसका प्रत्येक अंक मुख्यतः रंगमंच गतिविधियों के किसी एक क्षेत्र विशेष पर समर्पित रहता है। इसके अतिरिक्त इसमें रंगमंच और नाट्य कलाओं की विभिन्न तकनीकों पर नाटक और आलेख भी प्रकाशित किए जाते हैं।

राजभाषा मंजूषा

(हिन्दी पत्रिका–अर्द्धवार्षिक)

हमारे गणतंत्र की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने कुछ नए कार्यक्रम शुरू किए। हिन्दी में 'राजभाषा मंजूषा' नाम से एक नई पत्रिका का प्रकाशन उन्हीं में से एक है। इस पत्रिका का प्रवेशांक सितंबर, 1999 में प्रकाशित हुआ। पत्रिका का उद्देश्य राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी में कामकाज करने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें साहित्य सृजन की प्रेरणा देना है।

थिएटर इंडिया

(अंग्रेज़ी पत्रिका–अर्द्धवार्षिक)

वर्ष 1999 में प्रारंभ हुई थिएटर इंडिया विद्यालय की अर्द्धवार्षिक अंग्रेज़ी पत्रिका है जो भारत की मौजूदा सांस्कृतिक और रंगमंचीय परंपराओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है। इसका उद्देश्य रंगमंच प्रेमियों को भाषा, क्षेत्र और संस्कृति की बाधाओं को मिटाकर कला के असंख्य रूपों से अवगत करवाना है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यालय भिन्न–भिन्न भाषाओं की पृष्ठभूमि के पाठकों के बीच दूरी पाटने का प्रयास करता है। थिएटर इंडिया पत्रिका, शुल्क द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

क्रम सं.	दिनांक	विवरण	प्रतियों की संख्या
01	15.04.2019	हिन्दी रंगमंच : एक दृश्य यात्रा	600
02	24.05.2019	मनोहर सिंह (री–प्रिंट)	400
03	24.05.2019	दातोन डैथ (री–प्रिंट)	400
04	24.05.2019	परम्पराशील नाट्य (री–प्रिंट)	400
05	24.05.2019	इक शून्य बाजीराव (री–प्रिंट)	400
06	24.05.2019	बेग़म बर्वे (री–प्रिंट)	400
07	24.05.2019	बी. एम. शाह (री–प्रिंट)	400
08	24.05.2019	आषाढ़ का एक दिन (री–प्रिंट)	400
09	24.05.2019	इंडियन थिएटर (री–प्रिंट)	400
10	05.07.2019	राजभाषा मंजूषा अंक–22	500
11	05.07.2019	रंग प्रसंग अंक – 51	1100

12	14.10.2019	रंग प्रसंग अंक – 52	1100
13	31.01.2020	इंडियन मैथड इन एक्टिंग (री–प्रिंट)	1100
14	05.02.2020	वार्षिक प्रतिवेदन 2018–2019	500
15	27.02.2020	राजभाषा मंजूषा अंक–23	500
16	02.03.2020	प्रोस्पैक्टस 2020	250

रा.ना.वि. केन्द्र

रा.ना.वि. ने अपने बाह्य पहुँच कार्यक्रम के समेकन के अंतर्गत चार केन्द्रों की स्थापना की जो निम्न प्रकार से है :

– बैंगलुरु (कर्नाटक)

– गंगटोक (सिक्किम)

– अगरतला (त्रिपुरा)

– वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

रा.ना.वि. बेंगलुरु केन्द्र

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली ने अपनी रंगमंच गतिविधियों का विस्तार किया जब इसने वर्ष 1994 की शुरूआत में बैंगलूरु ने क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र स्थापित किया। उस समय से अब तक बैंगलूरु केन्द्र 'अभिनय में एक वर्षीय गहन पाठ्यक्रम' के चौथे संस्करण के पूर्ण कर एक पूर्ण रूप से समग्र केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है। बैंगलुरु केन्द्र ने रंगकर्मियों के लाभ के लिए वर्ष 2014 से अभिनय में एक वर्षीय पाठ्यक्रम आरंभ किया है।

रा.ना.वि. बेंगलुरु केन्द्र ने अपने छात्रों को अभिनय कौशल की एक अलग ही किस्म की शैली में प्रशिक्षण देने को महत्व दिया है। बेंगलुरु केन्द्र का पाठ्यक्रम दक्षिण भारत के उत्तम पारंपरिक एवं लोक कला रूपों से निकाली गई अभिनय पद्धतियों द्वारा अभिनय की भारतीय पद्धति को विकसित करने के प्रयास का परिणाम है जो कि पूर्ण एवं बहुमुखी प्रतिभाशाली कलाकारों को तैयार करने के लिए प्रयासरत है। इसके पाठ्यक्रम के माध्यम से दक्षिण भारत की सशक्त प्रदर्शनकारी कलाएं जिनका नाट्यशास्त्र में उल्लेख किया गया है, में से अभिनय के तत्व को निकाला गया है और अभिनय की अत्यंत अनूठी पद्धति का प्रयोग कर आधुनिक कलाकार को तैयार करने में इसका प्रयोग किया गया है। इस तरह बेंगलुरु केन्द्र ने शिक्षण की एक अलग–सी व अनूठी शैली विकसित की है जो कि अपने दिल्ली के मुख्य संस्थान के पाठ्यक्रम से व्यापक स्तर पर भिन्न है।

जैसा कि रानावि बेंगलुरु केन्द्र अपने मुख्य स्थान रानावि, नई दिल्ली की तर्ज पर आधारित है, बेंगलुरु केन्द्र के कार्यक्रम पारम्परिक दक्षिण भारत में लोककला, रंगमंच और रंगमंच प्रशिक्षण पर भी विशेषकर केन्द्रित है। वर्तमान में रानावि बेंगलुरु केन्द्र द्वारा प्रदत्त एक वर्षीय गहन पाठ्यक्रम, ऐसे छात्र जो अपने कौशल को परिष्कृत करना चाहते हैं, उनको एक बृहत मंच प्रदान करता है।

बेंगलुरु शहर यात्रा –राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र के निदेशक के निर्देशन में वर्ष 2019–20के छात्रों ने बेंगलुरु शहर की यात्रा की। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की भविष्य की गतिविधियों के एक भाग के रूप में गतिविधियों के विस्तार के लिए कला, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों की जानकारी का लाभ प्राप्त करने के लिए इस यात्रा का आयोजन किया गया था।

वर्ष 2019–20 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की एक गतिविधि के रूप में ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को जानने के लिए केन्द्र के निदेशक के मार्गदर्शन में केन्द्र के छात्रों ने बेंगलुरु, जनपद लोक, रामनगर, विधान सौदा, जवाहरलाल नेहरू तारामंडल, नंदी हिल्स, दौड्डाबाला पुत्र और कालरी वार्षिक प्रदर्शन चौडाइया मेमोरियल हॉल का भ्रमण किया।

शारीरिक गति संचालन की कक्षाएं – सुश्री मेलोडी डोरकस

गति का अर्थ है, जहां अभिनेता रंगमंच पर जाते हैं, इससे दर्शकों को क्या संदेश जाता है और इससे नाटक पर क्या प्रभाव पड़ता है। शारीरिक पद्धतियां जो अभिनेता किरदार के साथ जोड़ने में प्रयोग करते हैं जैसे जल्दी चलना, आराम से चलना या धीरे चलना। किरदार को संप्रेषित करने के लिए अभिनेता किस प्रकार गति और स्थान का उपयोग करते हैं। सुश्री मेलोडी

डोरकस द्वारा अनूठी शिक्षण तकनीकों द्वारा कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

द्रविडियन भाषाओं का साहित्य आंदोलन

जैसाकि द्रविड़ियन दुनिया में साहित्य आंदोलन का एक प्रमुख हिस्सा है, इसके कई उप–खंड हैं जो विभिन्न कालखंड में बंटे हुए हैं। हर भाषा का अपना इतिहास है और भाषाओं के असंख्य रूप (प्राचीन, आधुनिक, उत्तर आधुनिक आदि) हैं और हर समय की अवधि ने भाषा और समाज के विकास में अपना अनूठा योगदान दिया है। उच्च ख्याति के विशेषज्ञों और भाषाविदों ने छठे बैच के छात्रों के लिए कक्षाएं लीं। डॉ. मेटी मल्लिकार्जुन ने भाषा विज्ञान के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. के. नारायणस्वामी, प्रख्यात कवि, नाटककार ने कन्नड़ भाषा की कक्षाएं लीं। डॉ. सरथचंद्र, पूर्व डीन ने मलयालम भाषा पर आधारित भाषा विज्ञान की व्याख्या की और डॉ. डेविड विल्सन ने तमिल भाषा पर प्रकाश डाला।

श्री बसवालिंगैया द्वारा रंगमंच खेल और अभिनय कक्षाएं

रंगमंच खेल की परंपरा अभिनेताओं के प्रशिक्षण की एक विधि है जो 20 वीं शताब्दी में जोआन लिटलवुड, वियोला स्पोलिन, पॉल सिल्स, क्लाइव बार्कर, कीथ जॉनस्टोन, जेरजी ग्रोटोव्स्की और ऑगस्टोन बोआल जैसे कलाकारों द्वारा विकसित की गई थी। रंगमंच खेल का उपयोग आमतौर पर सुधारवादी रंगमंच के विकास में, पूर्वाभ्यास या प्रदर्शन से पहले अभिनेताओं के लिए वार्म–अप अभ्यास के रूप में किया जाता है, और पार्श्व सामग्री के रूप में नाटकीय सामग्री का पूर्वाभ्यास किया जाता है। वे वास्तविक जीवन में भय उत्पन्न करने वाले परिदृश्यों का अनुकरण करके चिंता को दूर करने के लिए नाटक चिकित्सा में भी उपयोग किए जाते हैं। श्री बसवालिंगैया ने छात्रों की योग्यता और सीमाओं को समझकर उनके साथ व्यक्तिगत बातचीत करके इसे और भी दिलचस्प बना दिया।

श्री समुहा सुरेश द्वारा जीवंत कला (लाइव आर्ट)।

लाइव आर्ट शब्द का अर्थ किसी कलाकार या कलाकारों के समूह द्वारा कला के काम के रूप में किए गया प्रदर्शन या चलाए गया कार्यक्रम या अभिनीत नाटक को दर्शाता है, जो आमतौर पर प्रकृति में अभिनव और खोजपूर्ण होते हैं। श्री सुरेश, एक प्रतिष्ठित कलाकार ने छात्रों को विभिन्न प्रदर्शनों में शामिल किया और उन्हें व्यावहारिक अनुभव दिया।

श्री उन्नीकृष्णन द्वारा मुदियेट्टू , केरल

पारंपरिक धार्मिक थिएटर और लोक नृत्य नाटक है जो देवी काली और दानव दारिका के बीच लड़ाई की पौराणिक कहानी को अभिनीत करता है। यह धार्मिक अनुष्ठान भगवती या भद्रकाली संप्रदाय का एक हिस्सा है। कटाई के मौसम के बाद फरवरी और मई के बीच भद्रकाली मंदिरों, देवी के मंदिरों में यह नृत्य किया जाता है। वर्ष 2010 में मुदियेट्टू को यूनेस्को के प्रतिनिधियों द्वारा बनाई गई मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में अंकित किया गया था, जो कुडियट्टम के बाद केरल का दूसरा कला का रूप बन गया।

गुरु उन्नीकृष्णन और उनकी टीम ने छात्रों को केरल के कर्मकांड संबंधी रंगमंच सीखने में सहायता की और छात्रों द्वारा इस शैली का प्रदर्शन किया गया।

कर्नाटक के श्री विभूति गुंडप्पा द्वारा हागलु वेषा

कर्नाटक का पारंपरिक रंगमंच का रूप, जो कर्नाटक के उत्तरी भाग में फैला हुआ है। हागलु वेषा में, रामायण और महाभारत के पात्र जीवंत होते हैं। पुरुष महिला की भूमिकाएं निभाते हैं क्योंकि महिलाओं का सार्वजनिक रूप से आना मना है। कलाकारों द्वारा जीवंत संगीत और गायन का प्रदर्शन इसकी पहुंच में इसे और भी अधिक अनूठा बनाता है।

छठे बैच के छात्रों को दो अलग–अलग सार्वजनिक स्थानों में हागलु वेषा का प्रदर्शन करने का अवसर मिला और उन्हें दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली।

श्री रेवनासिद्दप्पा द्वारा पार्श्व मंच और कला की कक्षाएं

श्री रेवनासिद्दप्पा ने छात्रों को कला के विभिन्न रूपों में पार्श्व मंच और कला की कक्षाओं में शामिल किया। विभिन्न प्रकार के साधन अर्थात् मिट्टी, लकड़ी, फोम शीट और अन्य पर प्रयोग छात्रों के लिए सीखने का एक मौका था।

श्री प्रसाद द्वारा योग कक्षाएं

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र ने हमेशा योग के महत्व को शरीर और मन के संबंध और समन्वय के माध्यम के रूप में समझा है। इस अभ्यास के एक भाग के रूप में, हम छात्रों के लिए कक्षाएं आयोजित करते हैं ताकि वे किसी भी प्रकार के पात्रों को निभाने के लिए खुद को तंदरुस्त और लचीला रख सकें। श्री प्रसाद ने छात्रों को इसे रोजमर्रा की आदत बनाने में मदद करने के लिए इस अनुभव को और भी अधिक सरल और अधिक संप्रेषणीय बनाया है।

श्री मुत्तन्ना दतनाल और श्री दादापीर द्वारा मल्लखंबा, कर्नाटक

मल्लखंबा एक पारंपरिक खेल है, जिसका उद्भव भारतीय उपमहाद्वीप से होता है, जिसमें एक जिमनास्ट एक ऊर्ध्वाधर स्थिर या लटकते लकड़ी के खंबे, बेंत या रस्सी के साथ संगीत कार्यक्रम में हवाई योग मुद्राएं और कुश्ती करता है। मल्लखंब शब्द का अर्थ खेल में प्रयुक्त खंबे से भी है। खंबा आमतौर पर शीशम (भारतीय शीशम) से बनाया जाता है और जिसे अरंडी के तेल से पोलिश किया जाता है। मल्लखंभ के तीन लोकप्रिय प्रकारों का अभ्यास शीशम के खंबे, बेंत, या रस्सी का उपयोग करके किया जाता है।

कर्नाटक के जाने माने अनुशिक्षक श्री मुत्तन्ना दत्तनाल ने इन कक्षाओं की राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र के पूर्व छात्र, श्री दादापीर के साथ शुरुआत की।

बेरालजी कोरल नाटक – श्रीमती प्रसन्ना रामास्वामी, चेन्नई द्वारा निर्देशित।

''बेराल जी कोरल'' – (ए थ्रोट फॉर ए फिन्गर) राष्ट्र कवि प्रतिष्ठित कुवेम्पु की काव्य कृति पर आधारित एकलव्य की कहानी की नृत्य प्रस्तुति है। कुवेम्पु कर्नाटक के पहले कवि थे जिन्होंने ज्ञानपीठ पुरस्कार जीता।

कवि की व्याख्या के अनुसार, एकलव्य प्रसिद्ध गुरु द्रोण से धनुर्विद्या सीखने के लिए हस्तिनापुर शहर में आता है। पांडव राजकुमारों की ईर्ष्या के कारण द्रोण उसे प्रशिक्षित करने में असमर्थ हैं और इसलिए उसे अपने बेटे अश्वथामा की देखरेख में सीखने की सलाह देते हैं। पिता की मृत्यु के बारे में सुनकर एकलव्य को कुछ समय बाद अपने जंगल में लौटना पड़ा। वह कभी भी हस्तिनापुर नहीं लौटता लेकिन अपने गुरु की प्रतिमा के सामने तीरंदाजी का अभ्यास करता है। वह सपना देखता है कि उसके गुरु ने उसे सपने में दिखाई दिए और उसे सभी शस्त्र (हथियार) प्रदान किए और उसे शब्दभेदी विद्या (सुनकर निशानेबाजी की कला) सिखाई।

एकलव्य ने इस कला में निपुणता हासिल की और अंत में अर्जुन का सामना किया। पांडव राजकुमार, जिससे गुरु द्रोण ने वादा किया था कि किसी और को शब्दभेदी विद्या नहीं सिखाई जाएगी, एकलव्य को देखकर नाराज है। अंत में, अपने शिष्य अर्जुन को खुश करने के लिए द्रोण ने एकलव्य से अपनी गुरु दक्षिणा के रूप में अपना दाहिना अंगूठा देने के लिए कहा। प्रसन्ना ने एकलव्य की भूमिका निभाई और पुलकेशी ने अन्य सभी पात्रों की भूमिका निभाई। बीच में संवादों का उपयोग करते

हुए, एक नाटकीय पृष्ठभूमि वाले दोनों नर्तकों ने ''बराल जी कोरल'' के मूल संवादों को निष्पादित किया। सप्ताहांत के दौरान नाटक का प्रदर्शन 15 नवंबर से 1 दिसंबर 2019 तक कक्षा प्रस्तुतिकरण के एक हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।

श्री एच. जी. श्रीनिवास प्रसाद द्वारा कन्नड़ की कक्षाएं

क्योंकि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र अब रंगमंच के सभी दक्षिण भारतीय रंगमंच जोशीलों के लिए केन्द्र है और यहाँ की कन्नड़ भाषा इस राज्य की स्थानीय संस्कृति और भाषा को समझने में उनकी मदद करती है। दूसरे राज्य के छात्रों को राज्य की भाषा में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सत्र के दौरान इस भाषा की मूल बातें शामिल की गईं।

श्री बनानजी संजीव सुवर्णा द्वारा यक्षगान कक्षाएं

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र के छात्रों ने दिनांक 2 और 3 दिसम्बर,2019 को ''ओरु भंगा'' पर प्रस्तुति दी।

छठे बैच के छात्रों ने अभिजात कवि द्वारा लिखित, श्री बनानजी संजीव सुवर्णा द्वारा निर्देशित ''ऊरुभंगा'' का प्रदर्शन किया। नाटक यक्षगान प्रारूप में रचा गया था, जिसने दर्शकों को प्रसन्न किया।

श्री हसन रघु द्वारा बॉडी मूवमेंट और स्टंट की कक्षाएं

स्टंट एक असामान्य और कठिन शारीरिक कौशल है या एक विशेष कौशल की आवश्यकता वाला एक अभिनय है, जो आमतौर पर नाटक और सिनेमा में कलात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

अनुभवी स्टंट संगीतकार और एक्शन निर्देशक ने बॉडी मूवमेंट और स्टंट पर कक्षाएं संचालित कीं। यह मूल रूप से एक अभिनेता के लिए किसी भी स्थिति में लचीला और अनुकूली बनाने के लिए कक्षाओं को शुरू किया गया था।

चेन्नई के श्री राजेश द्वारा अभिनय की कक्षाएं

युवा और होनहार अभिनेता और अभिनय प्रशिक्षक ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र में छठे बैच के छात्रों के लिए कक्षाएं संचालित कीं। कक्षाओं का मुख्य केन्द्रबिंदु छात्रों को बड़े पैमाने पर दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना था। छात्रों को सिद्धांत समझाने के लिए सत्रों को रोचक और खेलों के उन्मुख बनाया गया।

कर्नाड उत्सव

सृष्टि स्कूल ऑफ डिजाइन के सहयोग से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र ने अनुभवी नाटककार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से समानित श्री गिरीश कर्नाड द्वारा भारतीय और विश्व रंगमंच के क्षेत्र में किए गए सराहनीय योगदान की सराहना करने के लिए कर्नाड उत्सव का मंचन किया।

दोनों संस्थानों के छात्रों ने प्रदर्शन कला के विभिन्न रूपों में भाग लिया। इसमें अधिष्ठापन, संगीत, वृत्तचित्र, अंतरिक्ष विशिष्ट डिजाइन और रंगमंच प्रस्तुतियां शामिल थीं।

गिरीश कर्नाड के प्रमुख नाटकों – हयवदना, नागमंडला और अग्नि मट्टू के दृश्यों की प्रस्तुति का मंचन स्थानीय उत्साह के साथ किया गया।

करिया देवरा हुडुकी – नाटक प्रस्तुति

वर्तमान बैच के सेमेस्टर के अंत में प्रस्तुति के एक भाग के रूप में, छात्रों ने ''करिया देवरा हुडुकी'' एक नाटक अभिनीत किया जो मूल रूप से श्री जी. संकरा पिल्लई द्वारा लिखा गया था और डॉ. ना दामोदरा शेट्टी द्वारा अनुदित था।

नाटक के बारे में:

करिया देवरा हुडुकी (करुत्ता दैवते तेडी) प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक लम्बी गाथा है जो अपने जीवन के विभिन्न चरणों का पता लगाने और उन्हें प्राप्त करने की इच्छा रखता है। आलोचकों ने इसे प्रतीकात्मक रूप से समझते हुए लेखन के माध्यम से नाटक की सराहना और निंदा करके अपने विचारों को व्यक्त किया है। नाटक कभी भी किसी भी राजनीतिक दल या धार्मिक भावनाओं या किसी भी संप्रदाय के घोषणापत्र को अभिव्यक्त या उसका प्रचार नहीं करता है। अन्वेषण प्रत्येक मनुष्य के लिए अपरिहार्य हो जाता है। विपत्तियों से भागना भी मुशकिल हो जाता है। पुजारी, भाग्य बताने वाले, धार्मिक नेता, राजनीतिक टाइकून उसे कई तरह के न्यायपूर्ण भगवान की ओर ले जाते हैं। वह सांसारिक भार के तले दब जाता है जिसने उसे बहरा, गूंगा बना दिया है और अंत में लोग उससे रिश्ते नाते तोड लेते हैं, जिनके लिए उसने जीवन भर संघर्ष किया।

ऐसा लगता है कि इन स्थितियों का कोई अंतिम समाधान नहीं है – इसी तरह के दृश्य सदियों से असंख्य रूपों और कहानियों में दोहराए जाते हैं।

एक नाटक के माध्यम से इन रूपकों को रखने की इच्छा पूरी होती है। नाटक का विषय स्थान और समय परे आगे तक जा सकता है। इसके फलस्वरूप, नाटक के प्रभाव और जीवंतता को समृद्ध करने के लिए इसे संशोधित किया जा सकता है।

पात्र परिचय :

नाम	भूमिका
नंदीश शिवप्पा गौड़ा	मार्गदर्शी
कविता एस	माँ
भाव्या वेंकटेश्वरन	पत्नी
दीक्षित एस सुवर्णा	सबसे बडा बेटा
राघवेंद्र जी	दूसरा बड़ा बेटा

अनूप ए बेलवी	तीसरा बेटा
दीपक एस	चौथा बेटा
अभिजात जोशी	पांचवें बेटा
सुरेन्द्र कुमार	मूगा (गूंगा)
मल्वेलम हनुमथ राव	विदूषक
निधीश के. के.	मुख्य पुजारी / जनजाति / वन
मुकिल के एस	जनजाति / वन
नागार्जुन तिरुमाला सेटी	जनजाति / वन
शरथ कारंथ एम जी	जनजाति / वन / भूतहा कोला
नरेश कुमार एम	जनजाति / वन
हरनीत कौर	जनजाति / वन
बंदारी दिव्या	जनजाति / वन
स्वाथिलक्ष्मी पेरुमल	जनजाति / वन
रेवती मोल	जनजाति / वन

नाटक रचयिता (मलयालम) : श्री जी. शंकर पिल्लई

कन्नड़ में अनुवाद : डॉ. ना दामोदाहा शेट्टी

कविता : बालचंद्रन चूलिक्कडू

सेट डिजाइन : श्री जयसिम्हा

प्रकाश डिजाइन : श्री एम. रवि

रूपसज्जा : श्री रामकृष्ण बेल्टूर

सहयोगी निदेशक : श्री राहुल श्रीनिवासन क्वॉल्डी

संगीत रचना : श्री चंद्रन वायटुम्मल

डिजाइन तथा निर्देशन : श्री चंद्रदासन

मौखिक (वाइवा) परीक्षा – 1 अर्धवार्षिक

छात्रों ने बीच में अपनी पहली परीक्षा लिखी। छात्रों की परीक्षा लेने और समयावधि में उनके द्वारा अर्जित ज्ञान के विस्तार को समझने के लिए पूरे दक्षिण भारत से निर्णायकों को आमंत्रित किया गया था। डॉ. अभिलाष पिल्लई, डीन और केन्द्र के कार्यालयाध्यक्ष, श्री सुरेश अनंगल्ली, श्रीमती जानकी, श्री चंद्रदासन और श्री सी. बसवालिंगैया, केन्द्र निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, बेंगलुरु केन्द्र समिति में थे।

डोल्लुकिनिथा – श्री संतोष और टीम

डोल्लु कुनिथा, कर्नाटक का एक प्रमुख लोकप्रिय ढोल नृत्य है। गायन के साथ, यह शानदार विविधता और कौशल की जटिलता प्रदान करता है। बीरेश्वर या बीरलिंगेश्वर के पीठासीन देवता के आसपास बुना गया यह लयबद्ध मनोरंजन और आध्यात्मिक उन्नति दोनों प्रस्तुत करता है। ढोल नगाड़ों की थाप पर छात्रों को ताल, डांस स्टेप्स और खूब कोलाहल के साथ प्रशिक्षित किया गया। श्री रघु और श्री संतोष ने इस फॉर्म में छात्रों को प्रशिक्षित किया।

हलाक्की ओक्कलिगरू

कर्नाटक के उत्तरी केनरा जिले की एक प्रमुख जनजाति हलाकी ओक्कालिगा, मौखिक लोक परंपरा की समृद्ध विरासत के साथ आती है। समुदाय को पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती सुकरी बोम्मगौड़ा जैसे कलाकार की सौगात मिली है, जो 6 घंटे तक लगातार लोक महाभारत गा सकती हैं। सबसे अच्छी कविता कहानी कहने की परंपरा से आती है जिसे उन्होंने सदियों से आत्मसात किया हुआ है। स्वदेशी रूप से बनाए गए वाद्ययंत्र 'गुम्टे' का प्रयोग करके, वे सामुदायिक गायन और सहभगिता प्रस्तुत करते हैं।

छठे बैच के छात्रों ने श्रीमती नुगली गौडा और उनकी टीम की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण सत्र के बाद प्रदर्शन और कहानी कहने का भी अनुसरण किया गया।

नाटक पढने की कक्षाएं – श्री सी. बसवालिंगैया

छात्रों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र निदेशक ने गहरी दिलचस्पी ली। उन्होंने मालेगलल्ली मदुमगलु, आषाढ़ का एक दिन आदि प्रमुख नाटकों के पढने के सत्र का संचालन किया।

पराई– श्री अन्नामलाई और उनकी टीम

तमिलनाडु के लोक रूप के बारे में जानने के लिए टीम अन्नामलाई और टीम पराई नृत्य की कक्षाएं 15 दिनों के लिए आयोजित की गईं। तमिलनाडु की एक लोक कला के रूप में जानवरों की खाल से बने वाद्ययंत्र शामिल हैं। कक्षाओं का उद्देश्य एक बार फिर अभिनेताओं की लय की समझ और नृत्य को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण देना था। बीट्स का टेम्पो धीमी गति से तेज गति के साथ बदलता रहता है जिसमें कलाकार ताल से ताल मिला कर नृत्य करता है। यह रूप तमिलनाड की लोक जीवन की अभिव्यक्ति का एक अभिन्न अंग है।

बुर्राकथा– श्री बाबूजी और टीम, तेलंगाना

बुर्रा कथा, जिसे बुर्राकथा भी कहा जाता है, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के गांवों में प्रस्तुत की जाने वाली जंगम कथा परंपरा में एक मौखिक कहानी कहने की तकनीक है। मंडली में एक मुख्य कलाकार और दो सह कलाकार होते हैं। यह एक कथात्मक मनोरंजन है जिसमें प्रार्थनाएँ, एकल नाटक, नृत्य, गीत, कविताएँ और चुटकुले शामिल हैं। इसका विषय या तो हिंदू पौराणिक कहानी (जंगम कथा) या समकालीन सामाजिक मुद्दा होगा।

आवाज और भाषण – श्री एम के शंकर

आवाज और भाषण की कक्षाओं ने छात्रों को श्वास अभिज्ञता और शारीरिक और मुखर अन्वेषण के माध्यम से अपनी आवाज खोलने के लिए निर्देशित किया। एक अभिनेता को संचार को बढ़ाने के लिए उन आदतों की पहचान करना, जो आवाज को मुक्त और अभिव्यंजक होने से रोकते हैं, महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मुखर तनाव के पैटर्न से निपटने और शब्दों के साथ ठीक से तालमेल बिठाने की खोज है। अंत में, अभिनय सुधार सत्र और प्रदर्शन की कक्षाएं संचालित की गईं।

अभिनय और आवाज मॉड्यूलेशन –श्री विनय और श्रीमती चौत्रा जेटली

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व छात्र श्री विनय और श्रीमती चौत्रा द्वारा आवाज और भाषण के साथ एक गहन अभिनय का प्रशिक्षण संचालित किया गया। सत्र में नई विधियां, एकाग्रता और पढ़ने और पात्रों को समझना शामिल था। यह श्वास, उच्चारण, बोली और उच्चारण से भी संबंधित था।

कंपनी थियेटर – श्री जयचंद्र, सुरभि थिएटर

श्री वेंकटेश्वर सुरभि थियेटर पारिवारिक थियेटर का एक संस्थान है जिसमें 60 से अधिक परिवार के सदस्य हैं। यह अपने पद्य नाट्यम (शास्त्रीय तेलुगु कविता नाटक) के प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध है जो रंगीन भ्रमजाल की पृष्ठभूमि, सेट और करामाती दृश्यों से सजी है। इस मंडली के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस मंडली के सभी कलाकार/तकनीशियन एक ही परिवार से हैं, उन्होंने अपना जीवन रंगस्थल (रंगमंच/मंच) को समर्पित कर दिया है। इस परिवार के कलाकारों के लिए कोई आयु सीमा या सेवानिवृत्ति नहीं है।

सुरभि परिवार के एक प्रमुख सदस्य श्री जयचंद्र ने छठे बैच के छात्रों के लिए पेशेवर थिएटर मंडली की विभिन्न प्रथाओं पर कक्षाएं संचालित कीं।

माइम और बॉडी मूवमेंट – श्री वाल्टर डिसूजा

माइम प्रदर्शन का एक रूप है जिसमें कोई बोली जाने वाली सामग्री नहीं होती, यह विशुद्ध रूप से शारीरिक होता है, जिसमें चाल, इशारे और चेहरे के भाव होते हैं। पेंटोमाइम माइम की तरह उसी मूल से आता है, लेकिन इसमें गायन, नृत्य और अत्यधिक अतिरंजित शारीरिकता शामिल है, जो आमतौर पर दुलारे बच्चों की कहानी का पुनर्वाचन है। माइम और पैंटोइम के नाटकीय रूप अक्सर भ्रमित होते हैं। वास्तव में वे उसी स्रोत से प्रस्फूटित होते हैं, जो प्राचीन रोमन थियेटर का एक अत्यधिक सांकेतिक रूप है।

कलारीपायट्टु – अटकलारी टीम

कलारीपयट्टू के बाद समकालीन नृत्य ने शरीर के लचीलेपन का एक नया विचार दिया। इससे किसी के शरीर की श्रेष्ठता और सीमा को समझने में बहुत मदद मिली। अट्टाकलारी के श्री वीर ने इस प्रक्रिया को सफल बनाया।

स्ट्रीट थियेटर वर्कशॉप– श्री पी गंगाधर स्वामी

स्ट्रीट थिएटर एक बिना विशिष्ट भुगतान वाले दर्शकों के समक्ष बाहरी सार्वजनिक स्थानों में नाटकीय और प्रस्तुति का एक रूप है। ये स्थान कहीं भी हो सकते हैं, जिसमें शॉपिंग सेंटर, कार पार्क, मनोरंजन स्थल, कॉलेज या विश्वविद्यालय परिसर और सड़क के कोने शामिल हैं। ये विशेष रूप से बाहरी स्थानों में देखे जाते हैं जहां बड़ी संख्या में लोग होते हैं। सड़क थिएटर पर अभिनय करनेवाले ये अभिनेता गीत गाकर धन कमानेवालों से लेकर संगठित रंगमंच की कंपनियों या समूहों के हो सकते हैं जो प्रदर्शन स्थानों के साथ प्रयोग करना चाहते हैं, या जो अपनी मुख्यधारा के काम को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह लोगों को जानकारी प्रदान करने का एक स्रोत था जब टेलीविजन, रेडियो आदि जैसी जानकारी प्रदान करने के स्रोत नहीं थे।

कर्नाटक के जाने–माने थियेटर व्यक्तित्व श्री गंगाधर स्वामी ने स्ट्रीट थिएटर की बुनियादी बारीकियों और इसके प्रभाव के बारे में बताया।

डॉ. पवित्रा द्वारा पश्चिमी नाटक सिद्धान्त

प्राचीन ग्रीस में पश्चिमी नाटकीय परंपरा की उत्पत्ति हुई है। इसके मुख्य विभाजनों– त्रासदी, हास्य और व्यंग्य का सटीक विकास निश्चित रूप से ज्ञात नहीं है। अरस्तू के अनुसार, ग्रीक नाटक, या, अधिक स्पष्ट रूप से, ग्रीक त्रासदी, उत्सव गीत से उत्पन्न हुई।

डॉ. पवित्रा ने छात्रों के लिए विश्व भर के थिएटर का निरुपण किया। कक्षाओं में ग्रीक नाटक, रोमन नाटक, मध्यकालीन नाटक, पुनर्जागरण नाटक, इटली, फ्रांस, स्पेन और कई अन्य शामिल थे।

श्री सी. बसवालिंगैया द्वारा अभिनय कक्षा

अभिनय में कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें एक अच्छी तरह से विकसित कल्पना, भावनात्मक दक्षता, शारीरिक अभिव्यक्ति, मुखर युक्ति, भाषण की स्पष्टता और नाटक अदा करने की क्षमता शामिल है। अभिनय बोलियों, लहजे, तात्कालिक प्रदर्शन, अवलोकन और अनुकरण, माइम और मंच पर सामना करने की क्षमता की भी मांग करता है। कई कलाकार इन कौशल को विकसित करने के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों या कॉलेजों में प्रशिक्षण लेते हैं। अधिकांश पेशेवर अभिनेताओं ने व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अभिनेता और अभिनेत्रियों के पास अक्सर गायन, दृश्य–कार्य, ऑडिशन तकनीक और कैमरे के लिए अभिनय से जुड़े प्रशिक्षण के लिए कई प्रशिक्षक और शिक्षक होंगे।

आधुनिक भारतीय रंगमंच – प्रो. थरकेश्वर वी. बी.

अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में अनुवाद अध्ययन विभाग के प्रोफेसर थरकेश्वर वी. बी., ने आधुनिक भारतीय रंगमंच पर हमारे लिए कक्षाएं लीं। आधुनिक भारतीय रंगमंच और इसकी विशेषताएँ, उत्तर आधुनिक रंगमंच, आधुनिकता का इतिहास और अवधारणा, श्रेणी पद्धति, पुनर्जागरण काल, फ्रांसीसी क्रांति, पूंजीवाद, पारसी रंगमंच समूह, कर्नाटक के कलाप्रेमी रंगमंच समूह और कंपनी रंगमंच जैसे विषयों से परिचय कराया।

कर्नाटक के रंगमंच निर्देशकों और शांताकवि, बसवप्पा शास्त्री, गुबिवेरन्ना, टी.पी. कैलासम जैसे नाटककारों का गहन अध्ययन वे आंध्र प्रदेश में सुरभि थिएटर कंपनी, बंगाल में रंगमंचों की स्थापना, बैंगलोर में एडीए और संसा थिएटर को बहुत रोचक बनाया गया।

उनकी कक्षाओं में राजनीतिक रंगमंच, मूल रंगमंच, इप्टा, समुदाय पर प्रकाश डाला गया और उत्तर आधुनिकता के साथ कक्षा संपन्न हुई।

मंच शिल्प की व्यावहारिक ऑनलाइन कक्षाएं – श्री शशिधर आदपा

मंच शिल्प नाटक, फिल्म और वीडियो प्रस्तुति का तकनीकी पहलू है। इसमें दृश्यों का निर्माण और सामग्री शामिल है। लाइट को लटकाना और उसका फोकस सेट करना। वेशभूषा का डिजाइन और उसकी खरीद, रूपसज्जा, मंच प्रबंधन, ऑडियो इंजीनियरिंग, और रंगमंच की सामग्री की खरीद। मंच शिल्प सीनोग्राफी की वृहत से अलग है। इसे एक कलात्मक क्षेत्र के बजाय एक तकनीकी माना जाता है, यह मुख्य रूप से एक नाटकीय डिजाइनर की कलात्मक दृष्टि का व्यावहारिक कार्यान्वयन है।

श्री सी. बसवालिंगैया द्वारा कथा रंगमंच – द्रविड़ भाषाओं, कहानियों की वृहत व्यावहारिक कक्षाएं

यह गतिविधि मुख्य रूप से दक्षिण भारत में लोक कलाकार द्वारा परिकल्पित कहानी–संस्कार पर केंद्रित थी। छात्रों को कहानियों पर काम करने, नाटकीय दृश्यों का चयन करने, उन्हें अभिनीत करने और उसी का एक वीडियो बनाने का कार्य सौंपा गया। वीडियो को संकाय द्वारा देखा गया, उनकी समीक्षा की गई और उनपर सुझाव दिए गए।

सुश्री अंजलि के. आर. द्वारा नाट्य शास्त्र में अभिनय और मुद्राएँ

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सबसे खास विशेषताओं में से एक है हाथ की मुद्राओं का उपयोग। बाहरी घटनाओं या चीजों को देखने के लिए मुद्राओं के माध्यम से नृत्य में बोलना, जो कि मुद्राओं से किया जाता है। आंतरिक भावनाओं को व्यक्त करने के लिए, भारतीय शास्त्रीय नृत्य में मुद्रा (हाथ/उंगली की मुद्राएं) के दो वर्गीकरणों का उपयोग किया जाता है, और वास्तव में नर्तक की शब्दावली का एक प्रमुख हिस्सा है। समय की आवश्यकता के रूप में, सुश्री अंजलि द्वारा अभिनय पद्धति की परम्परा को विस्तार से सिखाया गया।

श्रीमती मीता मिश्रा द्वारा यथार्थवादी अभिनय कक्षाएं

रंगमंच पर यथार्थवादी अभिनय एक सामान्य गतिविधि थी जो 19वीं शताब्दी में 1870 के के आसपास, रंगमंच पर शुरू हुई, और 20 वीं शताब्दी के अधिकांश समय तक मौजूद रही। इसने ग्रंथों और प्रदर्शनों में वास्तविक जीवन को अधिक निष्ठा से लाने के उद्देश्य से नाटकीय और रंगमंच सम्मेलनों का एक सेट विकसित किया।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली की पूर्व छात्र श्रीमती मीता मिश्रा ने छात्रों को अपने सुविधाजनक क्षेत्र से परे खुद को विस्तारित करने तथा अभिनय और भाषाओं की विभिन्न शैलियों के क्षेत्र में उनका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री दीपन शिवरामन द्वारा रंगमंच की डिजिटल कक्षाएं

श्री दीपन ने बाह्य स्थल (प्रोमनेड), स्थान विशिष्ट रंगमंच, उत्तर नाटकीय, पटरचना रंगमंच, डिजिटल रंगमंच और तैयार रंगमंच में अभिनय के संबंध में एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। उन्होंने रंगमंच की विचारधारा और रंगमंच के अभिनय को प्रभावित करने वाले पहलुओं पर बहुत विस्तार पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय – सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक

सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र हरी भरी सुरम्य घाटी में स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का पहला केन्द्र है जो गंगटोक की हरी–भरी मनोहर वादियों में वर्ष 2012 में स्थापित किया गया। यह अभिनय में एक वर्षीय प्रमाण–पत्र प्रदान करता है।

यह केन्द्र रंगमंच के प्रति उत्साही लोगों को अभिनय के विभिन्न पहलुओं में एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करता है। प्रत्येक वर्ष एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से 20 छात्रों का चयन किया जाता है। यह एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रख्यात रंगमंच निर्देशकों/शिक्षकों को शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

पहला मोड्यूल अभिनेताओं/प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और उन्हें तैयार करने पर केन्द्रित है। इस गहन चरण में योग, गति, वाक एवं संभाषण, संगीत और अभिनय के विभिन्न तरीके और साथ ही दृश्यबंध (वास्तविक और भौतिक रंगमंच) शामिल है।

दूसरा मोड्यूल तकनीकी प्रशिक्षण पर केन्द्रित है जिसमें दृश्यबंध परिकल्पना, प्रकाश व्यवस्था, वस्त्रसज्जा, रूप–सज्जा, रंगमंच शिल्प, शरीर संचालन, फर्श पर की जाने वाली गतिविधि (एक्रोबैट्स, एरियल), दैहिक अभिनय, आलेख लेखन, अभिनय, रंगमंच संगीत, मंच सामग्री और मुखौटा बनाने और अन्य पहलुओं के साथ ही एक प्रस्तुति तैयार करना भी शामिल है।

तीसरे मोड्यूल में प्रतिभागियों ने देश के कई स्थानों पर पेशेवर प्रस्तुति का दौरा कर इसका अनुभव लेना है। यह दौरा प्रतिभागियों को विभिन्न संस्कृतियों, लोगों और क्षेत्र से परिचय करवाने के लिए उनको पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए रखा गया है।

सिक्किम केन्द्र 16 कलाकारों का एक रंगमंडल भी चला रहा है जो प्रख्यात रंगमंच निर्देशकों की प्रस्तुतियों को प्रदर्शित करता है और नाटकों को बड़ी संख्या में दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। रंगमंडल उत्तर–पूर्व क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में दौरे कर अपनी गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुतियों को मंचित करता है।

सिक्किम केन्द्र सिक्किम के चारों जिलों में रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर 15 से 45 दिनों की अवधि की रंगमंच कार्यशालाएं संचालित करता है। ये कार्यशालाएं उस क्षेत्र के रंगमंच जोशीलों को प्रशिक्षित करती है जिससे वे रंगमंच और अभिव्यक्ति के अन्य माध्यमों में अपना कैरियर बनाने में तैयार हो सकें।

सिक्किम केन्द्र सिक्किम में रंगमंच उत्सव का भी आयोजन करता है। जिसमें उत्तर–पूर्व राज्यों से अन्य रंगमंडलियां अपनी प्रस्तुतियों के साथ प्रतिभागिता करती है। उत्तर–पूर्व राज्य की इन प्रस्तुतियों को देश के अन्य राज्यों में इन राज्यों के रंगमंच कलारूपों को प्रदर्शित करने के लिए केन्द्र दौरे करता है।

नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त केन्द्र की अन्य गतिविधियाँ निम्न प्रकार से हैं :

अप्रैल 2019 – 2018–19 बैच के रा.ना.वि. सिक्किम के छात्रों ने शिल्पिका बोरदोलोई और सुरेश शेट्टी के निर्देशन में शारीरिक गतिविधि की कक्षाओं का आयोजन किया, स्नेहा कुमार द्वारा वेशभूषा डिजाइन, ओएसिस सौगाएगम द्वारा प्रस्तुति प्रक्रिया, संजोय सामंता द्वारा मेकअप और साउटी चक्रवर्ती द्वारा प्रकाश परिकल्पना।

मई 2019 – संमित्रा भौमिक द्वारा 2018–19 बैच की अभिनय कक्षाएं और एन. जादुमणि सिंह द्वारा मंच सामग्री और मुखौटा तैयार करने की कक्षाएं ली गईं। उनकी अंतिम प्रस्तुति बिपिन कुमार (केन्द्र निदेशक, रा.ना.वि., सिक्किम) के निर्देशन में शुरू हुई।

जून 2019 – 2018–19 बैच के छात्रों ने 28 और 29 जून 2019 को मनन केन्द्र में बिपिन कुमार द्वारा निर्देशित अपनी अंतिम प्रस्तुति 'आषाढ़ का एक दिन' का मंचन किया। गंगटोक में 24 से 26 जून 2019 के बीच नए प्रतिभागियों का साक्षात्कार लिया गया। 2018–19 बैच के छात्रों की मौखिक परीक्षा 29 जून, 2019 को आयोजित की गई।

जुलाई 2019 – नया सत्र 29 जुलाई 2019 से शुरू हुआ। बिपिन कुमार (केन्द्र निदेशक) द्वारा नाट्य लेख पाठन की कक्षाएं ली गईं ।

अगस्त 2019 – 2019–20 बैच के छात्रों की राजेंद्र पंचाल द्वारा अभिनय कक्षाएं, जॉय मितेई द्वारा गतिविधि, पियल भट्टाचार्य द्वारा सीआईडी और शुभदीप गुहा द्वारा संगीत की कक्षाएं ली गईं। गैंगटोक में 19 और 20 अगस्त को रंगमंडल के कलाकारों के नए पैनल के लिए साक्षात्कार लिए गए।

सितंबर 2019 – पाबित्रा राभा और राजेश सिंह द्वारा छात्रों की अभिनय कक्षाएं, लहक्पा लेप्चा द्वारा गतिविधि, ओएसिस सौगाएजम द्वारा प्रस्तुति प्रक्रिया और पियाल भट्टाचार्य द्वारा सीआईडी की कक्षाएं ली गईं।

अक्टूबर 2019 – त्रिना बनर्जी द्वारा पश्चिमी नाटक, अमित बनर्जी द्वारा स्वर और भाषण, सत्यब्रत राउत द्वारा रंगमंच स्थापत्य और मकरंद साठे द्वारा नाट्य आलेख लेखन की कक्षाएं ली गईं।

नवंबर 2019 –साउती चक्रवर्ती द्वारा ली गई पश्चिमी नाटक, टीकम जोशी द्वारा वास्तविक दृश्य कार्य, निम ल्हामू शेरपा द्वारा योग और भारती शर्मा द्वारा अभिनय की कक्षाएं ली गईं। छात्रों की पहली प्रस्तुति पियाल भट्टाचार्य के निर्देशन में शुरू हुई।

दिसंबर 2019 – भारती शर्मा द्वारा अभिनय और निम ल्हामू शेरपा द्वारा योग कक्षाएं जारी रहीं। स्वर और भाषण की कक्षाएं अंजनी पुरी द्वारा तथा स्थान और अभिनय की कक्षाएं बंसी कौल द्वारा ली गई। रा.ना.वि. सिक्किम रंगमंडल ने अपने नए नाटकों सूरजमुखी और हेमलेट का निर्देशन भारती शर्मा द्वारा 22 और 23 दिसंबर 2019 को मनन केन्द्र में किया। छात्रों ने 25 और 26 दिसंबर 2019 को पियाल भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' के पहली प्रस्तुति का मंचन किया। 26 दिसंबर को छात्रों की मौखिक परीक्षा ली गई।

जनवरी 2020 –छात्रों के लिए शैक्षणिक अवकाश।

फरवरी 2020 –सत्तारिया पारंपरिक नृत्य रूप सीखने के लिए माजुली, असम में छात्रों के अध्ययन दौरा आयोजित किया गया था। रा.ना.वि. सिक्किम रंगमंडल ने 3 से 12 फरवरी 2020 के बीच सिक्किम के चार अलग–अलग स्थानों, ग्यालजिंग, रंगोली, पाकयोंग और मंगन में आयोजित शीतकालीन रंगमंच उत्सव में 'सूरजमुखी और हेमलेट' का मंचन किया।

मार्च 2020 – लापदियांग ए सईएम द्वारा लिया गया गतिविधि, आसिफ अली द्वारा आधुनिक भारतीय नाटक और वंदना वशिष्ठ द्वारा यथार्थवादी दृश्य कार्य की कक्षाएं ली गईं।

थिएटर–इन–एजुकेशन स्कंध, त्रिपुरा

ऐसे रंगमंच से जुड़े व्यक्तित्व जो रंगमंच की पद्धतियों में पूर्णतः निपुण हैं और बच्चों के मनोविज्ञान की जिनको गहरी समझ है और साथ ही बाल रंगमंच क्षेत्र में पेशेवर के रूप में कार्य करने की जिनकी गहरी रुचि है, को बाल रंगमंच में प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से थिएटर–इन–एजुकेशन (टी आइ ई) शाखा, त्रिपुरा में स्थापित की गई। इसका उद्घाटन त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा 9 अगस्त, 2012 को किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक वर्ष की अवधि का है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलता से पूर्ण होने पर थिएटर–इन–एजुकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। पूर्ण पाठ्यक्रम दो सत्रों का है। केन्द्र की गतिविधियाँ निम्न हैं :

अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक संचालित कक्षाएं

कक्षाएं	**–संकाय का नाम/विशेषज्ञ**
रूप–सज्जा	–श्री संजय सामंता
क्लाउनिंग	–सुश्री सुखमणि कोहली
मैथ्स	–डॉ. के. बी. सुब्रामणियम
एप्लाइड थिएटर	–डॉ. अभिलाष पिल्लई
ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला तैयारी	–श्री मनीष सैनी एवं श्री दीपेन्द्र रावत
सौंदर्यशास्त्र (कला और जीवन)	–श्री रतन थियम
एन्सेन्बल	–श्री थवाई थियम एवं श्री सोरोखईबम इबोम्चा
शिक्षा एवं नाट्य में भारतीय दर्शनशास्त्र	–डॉ. अर्जुन देव चारण
टाई प्रतिभागिता कार्यक्रम	–श्री विजय कुमार सिंह एवं सुश्री मालविका भास्कर
ऑब्जेक्ट थिएटर	–सुश्री चोइती घोष
दृश्यबंध परिकल्पना	–श्री रणधीर कुमार
रंगमंच इतिहास	–श्री रजनीश बिष्ट एवं सुश्री मालविका भास्कर
नाट्य शास्त्र	–प्रो. विजय कुमार एल. धारूरकर
थिएटर–इन–एजुकेशन	–श्री विजय कुमार सिंह
मूकाभिनय एवं गति संचालन	–श्री सुरेश शेट्टी
बुनियादी निर्देशन एवं प्रस्तुति प्रक्रिया	–डॉ. अनुराधा कपूर
नाट्यलेख पाठ	–सुश्री बबीता पांडे
थिएटर गेम्स	–श्री पिकलु घोष
शिल्प निर्माण	–श्री एन. जदुमणि सिंह एवं श्री कौशिक पॉल
चित्रकारी	–श्री अमित मोदक
एग्लाइड थिएटर	–श्री कौस्तुभ बनकापुर एवं श्री पिकलु घोष
योग	–श्री विक्रम सिंह राठौर
टाई/डाई	–श्री डैनिल ए. केलिन एवं श्री दीपांकर चौहान
नाट्यशास्त्र	–प्रो. विजय कुमार एवं श्री एल. धरूरकर
जात्रा	–सुश्री बिजली चक्रबर्ती

गति संचालन	–श्री सुरेश शेट्टी
अभिनय एवं दृश्यबंध	–श्री मिलिंद इनामदार
भारतीय एवं विश्व रंगमंच इतिहास	–डॉ. देवेन्द्र राज अंकुर
ट्राइबल लोक नृत्य	–श्री सुरजित देबबर्मा
एक्रोबैटिक्स	–श्री अजय देबबर्मा
वेशभूषा परिकल्पना	–सुश्री बबीता पांडे
बाल विकास	–सुश्री डिंपल रंगीला
मैथ्स	–डॉ. के. बी. सुब्रमणियम
वाक एवं संभाषण	–श्री विजय कुमार
टाई/डाई	–श्री डेनिल एलन केलिन, मालविका भास्कर एवं सुश्री डॉली कुँवर
योग	–डॉ. मनोहर प्रिया
भारतीय सौंदर्यशास्त्र	–श्री शैलेश श्रीवास्तव
रूपसज्जा	–श्री संजय सामंत
टाई/डाई	–श्री विजय कुमार सिंह
कम्प्यूटर का बुनियादी ज्ञान	–श्री अविजित वैश्य
कठपुतली निर्माण	–श्री प्रभितागंशु दास
दृश्यबंध परिकल्पना	–श्री रणधीर कुमार
प्रकाश परिकल्पना	–श्री रणधीर कुमार
गति संचालन	–सुश्री डॉली कुँवर
बाल विकास	–सुश्री निकिता अग्रवाल
गणित–मंथन	–श्री विजय कुमार सिंह
जादू	–श्री विजॉय आचार्यजी
भारतीय संगीत	–श्री हरिनाथ झा
प्रक्रिया नाटक	–सुश्री मालविका भास्कर
बच्चों के साथ प्रस्तुति	–श्री डेनिल ए. केलिन
परिचय	–श्री सुरेश शर्मा
समसामयिक भारत एवं बचपन	–डॉ. आशा सिंह
रंगमंच संगीत	–श्री संजय उपाध्याय
समकालीन भारत एवं बचपन	–सुश्री तुलतुल विश्वास
समकालीन भारत एवं बचपन	–सुश्री निधि गुलाटी
ऑब्जैक्ट रंगमंच	–सुश्री चोइती घोष
कथा वाचन	–सुश्री गीता रामानुजुम, सुश्री कविता वैंकट एवं श्री जिम पॉल थाराकन
भूतोह नृत्य	–श्री तातसुमी फ्युजेदा

लाबोन नृत्य	–सुश्री फ़ैज जलाली एवं सहायक सुश्री डॉली कुँअर
ऑपरेस्ड	–श्री संजय गांगुली एवं सुश्री सिमता गांगुली
दैहिक संचालन	–श्री किशोर शर्मा
ग्रिप्स प्ले मेकिंग	–सुश्री श्रीरंग गोडबोले एवं सुश्री विभावरी देशपांडे

प्रदर्शन/परीक्षा/मूल्यांकन : छात्रों द्वारा प्रस्तुत

विषय (डेमो)	संकाय/विशेषज्ञ का नाम	दिनांक
रूप–सज्जा	श्री संजय सामंत	7 अप्रैल, 2019
क्लाउनिंग	सुश्री सुखमणि कोहली	9 अप्रैल, 2019
गणित मंथन	श्री विजय कुमार सिंह	9 अप्रैल, 2019
वीर जन्मेजय	श्री थावई थियम एवं श्री सोरोखाइबाम इबोम्चा	31 मई, 2019
मंथन परिकल्पना एवं दृश्यबंध	श्री रणधीर कुमार	22 जून, 2019
ऑब्जैक्ट रंगमंच	सुश्री चोइती घोष	22 जून, 2019
टाई कार्यक्रम	श्री रजनीश बिष्ट	22 जून, 2019
निर्देशन एवं प्रस्तुति प्रक्रिया	डॉ. अनुराधा कपूर	4 जुलाई, 2019
एप्लाइड रंगमंच	श्री कौस्तुभ बंकापुरे	21 अगस्त, 2019
योग	श्री विक्रम सिंह राठौर	6 सितंबर, 2019
कक्षा पाठ	श्री डेनिल ए. केलिम	7 सितंबर, 2019
मुखौटा निर्माण	श्री एन. जदुमणि सिंह	14 सितंबर, 2019
गति संचालन	श्री सुरेश शेट्टी	25 सितंबर, 2019
रंगमंच इतिहास	डॉ. देवेन्द्र राज अंकुर	2 अक्तूबर, 2019
ट्राइबल लोक नृत्य	श्री सुरजित देबबर्मा	3 अक्तूबर, 2019
रंगमंच इतिहास	डॉ. देवेन्द्र राज अंकुर, श्री मिलिंद इनामदार एवं श्री विजय कुमार सिंह	4 अक्तूबर, 2019
बाल विकास	सुश्री डिम्पल रंगीला	15 अक्तूबर, 2019
रूप–सज्जा	श्री संजय सामंथ	30 अक्तूबर, 2019
भारतीय सौंदर्यशास्सत्र एवं नाटक	श्री शैलेश श्रीवास्तव	2 नवंबर, 2019
वाक एवं संभाषण	श्री विजय कुमार	9 नवंबर, 2019
दृश्यबंध अभिकल्पना	श्री रणधीर कुमार	22 नवंबर, 2019

विषय (मूल्यांकन)	संकाय/विशेषज्ञ का नाम	दिनांक
प्रकाश परिकल्पना	श्री रणधीर कुमार	7 दिसंबर, 2019
बाल विकास	सुश्री निकिता अग्रवाल	13 दिसंबर, 2019
जादू	श्री बिजॉय कृष्णा आचार्यजी	25 जनवरी, 2020

समसामयिक भारत एवं बचपन संगीत	डॉ. आशा सिंह	28 जनवरी, 2020
संगीत	श्री संजय उपाध्याय	5 फरवरी, 2020
समसामयिक भारत एवं बचपन संगीत	सुश्री निधि गुलाटी	12 फरवरी, 2020
कथा वाचन	सुश्री गीता रामानुजम	18 फरवरी, 2020
ऑब्जैक्ट रंगमंच	सुश्री चोइती घोष	19 फरवरी, 2020
ग्रिप्स प्ले मेकिंग	श्री विभावरी देशपांडे एवं सुश्री श्रीरंग गोडबोले	16 मार्च, 2020
ऑपरेस्ट रंगमंच	श्री संजय गांगुली एवं सुश्री सीमा गांगुली	11 मार्च, 2020

अंतिम मौखिक परीक्षा 2018–19

त्रिपुरा केन्द्र ने सत्र 2018–19 के टी.आई.ई. छात्रों की अंतिम मौखिक परीक्षा 9 जुलाई, 2019 को आयोजित की, जिसमें डॉ. अभिलाष पिल्लई (केन्द्र प्रभारी, रा.ना.वि., दिल्ली), श्री विजय कुमार सिंह (केन्द्र निदेशक, रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र), श्री बिपिन कुमार (सेंटर डायरेक्टर, रा.ना.वि., सिक्किम सेंटर), श्री नरेंद्र देबबर्मा (रंगमंच व्यक्तित्व) और श्री प्रभितांगशु दास (कठपुतली विशेषज्ञ) विशेषज्ञ के रूप में शामिल थे।

शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए निम्नलिखित उम्मीदवारों का चयनः –

रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र में शैक्षणिक सत्र 2019–20 के दौरान एक वर्षीय टी.आई.ई. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पूरे भारत से 138 आवेदन पत्र प्राप्त किए गए, जिनमें से कार्यशाला/साक्षात्कार के लिए अंततः 127 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यशाला/साक्षात्कार का आयोजन चयन समिति के सदस्यों द्वारा 08 जुलाई, 2019 को रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र में, 17 जुलाई, 2019 को बनीकांता सभागार गुवाहाटी में और 18 से 19 जुलाई, 2019 को माधबदेव सभागार गुवाहाटी में किया गया। निम्नलिखित उम्मीदवारों का एक वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अंतिम रूप से चयन किया गया हैः – एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चुने गए निम्न छात्र :–

क्र. सं.	उम्मीदवार का नाम	लिंग	राज्य
01	पारिजावल चक्रवर्ती	पुरुष	त्रिपुरा
02	दिपायन गोस्वामी	पुरुष	त्रिपुरा
03	सुशोभिता कर	महिला	त्रिपुरा
04	राजीव चटर्जी	पुरुष	त्रिपुरा
05	सोनार ज्योति बोरा	पुरुष	असम
06	तृप्ति बोरा	महिला	असम
07	सुनम देवी	महिला	असम
08	सुम्पी बोरा	महिला	असम
09	सौरभ ज्योति फुकन	पुरुष	असम
10	मौसमी बोरपात्रा गोहेन	महिला	असम
11	तीर्थ खाखलेरी	पुरुष	असम
12	राहुल कुमार	पुरुष	मणिपुर
13	आरूषी शर्मा	महिला	दिल्ली
14	श्वेता सिंह	महिला	दिल्ली

15	साक्षी थपलियाल	महिला	दिल्ली
16	पीतांबर बहेरा	पुरुष	ओडिशा
17	वन्दना दावी	महिला	पंजाब
18	कुनाल सरकार	पुरुष	पश्चिम बंगाल
19	योगेश बालासाहेब पाटिल	पुरुष	महाराष्ट्र
20	उमंग खुगशाल	पुरुष	उत्तराखंड

- श्री राहुल कुमार (मणिपुर) पाठ्यक्रम में शामिल नहीं हुए। श्री राहुल के स्थान पर प्रतीक्षा सूची से श्री अयान माजी (पश्चिम बंगाल) को प्रवेश के लिए चुना गया था परंतु उन्होंने अपनी चिकित्सा समस्या के कारण पाठ्यक्रम में शामिल होने से मना कर दिया। इसके आगे, प्रतीक्षा सूची से श्री सिद्धार्थ कुमार पाल (उत्तर प्रदेश) का इस पाठ्यक्रम के लिए अनंतिम रूप से चयन किया गया है। कुल 20 छात्रों (11 पुरुष और 09 महिला) (सामान्य जाति –10, अन्य पिछडा वर्ग –07, अनुसूचित जाति –02 और अनुसूचित जनजाति –01) का अनंतिम रूप से इस शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए त्रिपुरा केन्द्र में टी.आई.ई. पाठ्यक्रम के लिए चयन किया गया है। नया शैक्षणिक सत्र (2019–20) 09 अगस्त, 2019 से शुरू हुआ।

दीक्षारंभ कार्यक्रम (सत्र 2019–20): –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने 9 से 10 अगस्त, 2019 को आनंद सभागार, नजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में सत्र 2019–20 के लिए "दीक्षारंभ कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री जिश्नु देबबर्मा, उप मुख्यमंत्री, त्रिपुरा सरकार ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आधुनिक शिक्षा प्रणाली में रंगमंच की भूमिका पर एक महत्वपूर्ण भाषण दिया और नए छात्रों को आशीर्वाद दिया। श्री कृष्णधन दास, विधायक बामुटिया, श्री हरिनाथ झा, एस.एन.ए. कार्यक्रम निदेशक, डॉ. दिलीप त्रिपाठी, प्रभारी ललित कला अकादमी और श्री सुमन मजुंदार, कलाकार भी अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। पहले दिन के कार्यक्रम के अंत में 08/08/2019 को रा.ना.वि. त्रिपुरा कैंपस, नजरुल कलाक्षेत्र में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। 09/08/2019 को आयोजित प्रदर्शनों का विवरण यहां प्रस्तुत है: –

प्रस्तुति	**ग्रुप का नाम**
ट्राइबल नृत्य	–खाकवटवी
गाजन	–लिटिल ड्रामा ग्रुप
भरतनाट्यम्	–रिदम डांस अकादेमी
कथक	–मंजीर
नजरूल नृत्य	–रिदम डांस अकादेमी
रविन्द्र नाट्य	–मंजीर
कव्वाली	–सुरेर भुबन

- जात्रा की विशेषज्ञ सुश्री बिजली चक्रवर्ती, के निर्देशन में 10/08/2019 को एक लोककला प्रदर्शन ''जात्रा'' का भी आयोजन किया गया, जहाँप्रतिभागियों ने ''मीरार बधुआ'' का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को दर्शकों से सराहना मिली।

बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला 2019 : –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने ''बिजॉय कुमार बालिका उच्च विद्यालय'', ''रेशम बागान उच्च विद्यालय '' और ''पल्ली मंगल उच्च विद्यालय'', अगरतला नामक तीन विद्यालयों में बच्चों के 11 समूहों के साथ ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का

आयोजन किया। उक्त कार्यशाला में कुल 200 (लगभग) बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला निम्नलिखित विशेषज्ञ सदस्यों के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थीः –

क्र.सं.	पथ प्रदर्शक के रूप में विशेषज्ञ / सहायक के नाम
01	श्री मनीष सैनी
02	श्री दीपेन्द्र रावत
03	श्री मनोज भाटिया
04	सुश्री बबीता पांडे
05	श्री जयंत डे, श्री मनोजित देबरॉय, श्री राजू देबनाथ, श्री राकेश बोरा, श्री सोनित ज्योति सैकिया, श्री पिकलू घोष, श्री विरेन्द्र गंजू, सुश्री स्निग्धा पॉल, सुश्री मधाबी चक्रबर्ती, सुश्री मौसमी देबनाथ, श्री दीपांकर चौहान एवं श्री रजत स्निग्धा

- रा.ना.वि. त्रिपुरा केन्द्र ने 16 से 20 मई, 2019 तक आनंद सभागार, नजरुल कलाक्षेत्र में ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया, जहाँ का आयोजन के प्रतिभागियों द्वारा निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन किया गया। समापन कार्यक्रम के अंतिम दिन हमारे केन्द्र ने प्रतिभागियों को ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के प्रमाणपत्रों के साथ रविवार नाट्य सभा (संडे ड्रामा क्लब) के प्रमाणपत्र वितरित किए।

क्र. सं.	नाटक का नाम	प्रस्तुति तिथि	बच्चों की संख्या	मुख्य अतिथि
01	1. सा–रे–गा–धा 2. छुति	16 / 05 / 2019	17 20	श्री आशुदेब दास (निदेशक, आई सी ए, त्रिपुरा सरकार)
02	1. द गुड अर्थ 2. उल्टा पल्टा बुधीर खेला	17 / 05 / 2019	14 18	श्री साजू वाहिद (निदेशक, हायर एजुकेशन, त्रिपुरा सरकार)
03	1. बुधीर जॉय 2. नियातीर खेला	18 / 05 / 2019	23 13	सुश्री संगीता मजूमदार (अध्यापक, बिजॉय कुमार गर्ल्स हाईस्कूल)
04	1. नरम गरम 2. इनर ब्युटी 3. छाछा जानेर वाइसकोप	19 / 05 / 2019	16 16 20	सुश्री निष्ठा चक्रवर्ती (किकबॉक्सर, त्रिपुरा) श्री निर्मल कांति कार (प्रधानाध्यापक पालि मंगल हाईस्कूल) श्री पूर्णज्योति पॉल (प्रधानाध्यापक रसाम बगान हाईस्कूल)
05	1. सिनाकी कंपनी 2. सर्कल ऑफ द गजेट	20 / 05 / 2019	1312	श्री प्रतिभातांगशु दास (पपेटर ऑफ त्रिपुरा एवं एसएनए अवॉर्ड) सुश्री बालाजी चक्रबर्ती (जात्रा कलाकार)

टी.आई.ई. प्रतिभागिता कार्यक्रम : –

- टी.आई.ई. के छात्रों ने श्री विजय कुमार सिंह, रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र (निर्देशन एवं परिकल्पना) और सुश्री मालविका भास्कर (सहायक, निर्देशन एवं परिकल्पना) द्वारा जून, 2019 के महीने में निम्नलिखित स्थानों पर प्रतिभागिता नाटक ''गणित मंथन'' का प्रदर्शन किया। प्रतिभागिता नाटक ''गणित मंथन'' एक पुस्तक ''मॉम आई हेट मैथ्स'' पर आधारित है जो डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम (गणित शिक्षक एवं नाटककर) द्वारा लिखित है।

क्र.सं.	नाटक का नाम	दिनांक	स्थान
01	गणित मंथन	12/06/2019	पल्लीमंगल हाईस्कूल
02		13/06/2019	पल्लीमंगल हाईस्कूल
03		14/06/2019	आनंदा सभागार नज़रूल कलाक्षेत्र
04		15/06/2019	आनंदा सभागार नज़रूल कलाक्षेत्र
05		08/07/2019	आनंदा सभागार नज़रूल कलाक्षेत्र

- रा.ना.वि. (टी.आई.ई. विंग), त्रिपुरा केन्द्र के छात्रों ने 16 दिसंबर, 2019 को रामकृष्ण विवेकानंद विद्यामंदिर के छठी और सातवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के सामने श्री विजई कुमार सिंह (केन्द्र निदेशक) द्वारा निर्देशित और परिकल्पित किए गए टी.आई.आई. प्रतिभागीनाटक ''गणित मंथन'' का आनंद सभागार, नाजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में भी प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गणित के डर को दूर करना, इसका वास्तविक अर्थ खोजना और वास्तविक जीवन की स्थितियों में इसकी समझ की खोज करना है।

बच्चों की चित्रकारी प्रतियोगिताः –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने परिसर में 08/08/2019 को एक चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की, जहां 04 वर्ष से 15 वर्ष के आयु समूह के लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया। इन चित्रों पर स्थानीय विशेषज्ञों द्वारा निर्णय लिया गया जिनके नाम हैं, सुश्री शर्मिष्ठा सिन्हा, श्री मनोज कुमार घोष, श्री राजीब दास और श्री विदेश कुमार कर।

अभ्यास शिक्षणः –

टी.आई.आई. के 8वीं बैच के छात्रों द्वारा 21/09/2019 को केन्द्रीय विद्यालय ओ.एन.जी.सी. और केन्द्रीय विद्यालय जी. सी. सी.आर.पी.एफ., अगरतला में कक्षा पाठ पर अध्यापन किया गया।

छात्रों की प्रस्तुतिः –

- रा.ना.वि. (टी.आई.ई. विंग) के छात्रों, त्रिपुरा सेंटर ने संयुक्त राज्य अमेरिका के श्री डैनियल एलेन केलिन द्वितीय द्वारा निर्देशित ''इन योर हैंड्स'' नामक एक नया नाटक तैयार किया और 02 से 06 दिसंबर, 2019 तक आनंद सभागार, नाजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में और 07 दिसंबर 2019 को के.वी. सालबगान, अगरतला में प्रस्तुत किया। नाटक का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी ग्रह पर इसके प्रभावों पर है। इस नाटक का लक्ष्य बच्चों में उस आदत को डालने के लिए प्रेरित करना भी है, जो उन्हें जलवायु परिवर्तन का सामना करने में मदद करती है। रंगमंच–शिक्षा में एक वर्षीय पाठ्यक्रम के पाठ्यविवरण और अध्ययन सूची के अनुसार प्रस्तुति का संचालन किया गया। नाटक का प्रदर्शन ''नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा त्रिपुरा सेंटर'' के यूट्यूब चैनल पर 03 और 04 दिसंबर, 2019 को भी हुआ था।

रूपसज्जा पर 4–दिन की कार्यशालाः –

- त्रिपुरा केन्द्र ने कैंपस में 03 से 06 अप्रैल, 2019 तक श्री संजय सामंता के मार्गदर्शन में मेक–अप पर सफलतापूर्वक कार्यशाला आयोजित की। विभिन्न थिएटर समूहों के कुल 12 प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग से कार्यशाला में भाग लिया।

6–दिवसीय उन्नत प्रशिक्षणः –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने टी.आई.आई. के पूर्व छात्रों के लिए 14 से 19 अक्टूबर, 2019 तक ''एक सुगमकर्ता के रूप में कक्षा में नाटक का उपयोग करने के लिए शिक्षकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए'' विषय पर 6–दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न राज्यों से 34 पूर्व छात्रों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम (अतिथि संकाय), श्री डैनियल एलन केलिन द्वितीय (अतिथि संकाय) और श्री विजय कुमार सिंह (केन्द्र निदेशक) ने विशेषज्ञों के रूप में प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण प्रकृति में बहुत फलदायी है जिसमें हमारे पूर्व छात्र टी.आई.ई. पद्धति के बारे में अधिक जान पाते हैं और यह उन्हें अधिक कुशलता और उत्साह के साथ टी.आई.ई. के क्षेत्र में काम करने में मदद करता है।

नाटक के माध्यम से कोकबोरोक भाषा शिक्षण पर 4–दिवसीय कार्यशालाः –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने 31 दिसंबर 2019 से 3 जनवरी, 2020 तक नजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में कोकबोरोक शिक्षकों के लिए '' नाटक के माध्यम से कोकबोरोक भाषा शिक्षण पर 4–दिवसीय कार्यशाला'' का आयोजन किया, जिसमें 21 शिक्षकों ने सफलतापूर्वक कार्यशाला पूरी की। श्री डैनियल एलन केलिन द्वितीय (अतिथि संकाय ६ संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेषज्ञ) और श्री विजय कुमार सिंह (केन्द्र निदेशक) ने विशेषज्ञों के रूप में कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला प्रकृति में अग्रवर्ती और व्यावहारिक थी जिसने शिक्षकों को टी.आई.ई. पद्धति के माध्यम से बच्चों के लिए विद्यालयों में कोकबोरोक भाषा में रुचि पैदा करने में मदद की।

लेबनान मूवमेंट पर 5–दिवसीय कार्यशालाः –

- रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने 20 से 24 फरवरी, 2020 तक नजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के छात्रों (प्रदर्शन कला) के साथ टी.आई.ई. में उत्तीर्ण छात्रों के लिए **''लेबनान मूवमेंट पर 5 दिवसीय कार्यशाला''** का आयोजन किया।'' सुश्री फैजेह जलाली (अतिथि संकाय) और सुश्री डॉली कोंवर (सहायक) ने विशेषज्ञों के रूप में कार्यशाला का संचालन किया।

अप्रैल–2019 के माह में रचनात्मकता के लिए अभिनय पर 3–दिवसीय टी.आई.ई. कार्यशालाः –

रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र ने पूर्वोत्तर राज्यों में टी.आई.ई. पद्धति/पाठ्यक्रमों के व्यापक प्रचार के लिए निम्नलिखित स्थानों पर ''रचनात्मकता के लिए अभिनय'' पर 3 दिवसीय टी.आई.ई. कार्यशाला का आयोजन किया। पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में टी.आई.ई. पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। विवरण निम्नानुसार हैं:–

क्र.सं.	स्नातक का नाम	स्थान
01	श्री सोनित ज्योति सैकिया सुश्री दीपिका दत्त मुखर्जी	अरहोन जातिया विद्यालय, फुलबारी जोरहाट, असम
		बरहोला जातिया विद्यालय, जोरहाट, असम
		नाट्यम बोकाकट, गोलाघाट, असम
02	श्री राकेश बोराह श्री अंकित लोहार	डॉयरेक्टेरट ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर गुवाहाटी युनिवर्सिटी
		बालाजी कॉलेज स्टूडेंट यूनियन, बारपेटा, असम
03	श्री अरुण थापा श्री कलिंगथेमसु इमसोंग	त्रिबेदी शिशु कल्याण केन्द्र, जोरहाट, असम
		रेनु बोरा मैमोरियल अकादेमी, टिओक, जोरहाट, असम
04	श्री जदु भूषण शुक्ला दास श्री राजू देबनाथ	स्वामी विवेकानंद कॉलेज, करीमगंज, असम
		गुरचरण कॉलेज, सिल्चर, असम
		जगन्नाथ सिंह कॉलेज, काचर, असम
		पत्हरकंडी कॉलेज, पथरकंडी, करीमगंज, असम
05	सुश्री रूपाश्री देबनाथ सुश्री मौसमी देबनाथ	करीमगंज कॉलेज, करीमगंज, असम

06	श्री हिरोन रबिन्द्रो श्री दरबारी शर्मा	डाउन थिएटर थोउबल, मणिपुर
07	श्री हरमोन रबिन्द्रो सिंह सुश्री हावोबम हेमलता देवी	हिन्दी टीचर ट्रैनिंग इंस्टीट्यूट, डी. एम. कॉलेज कैंपस, इंफाल, मणिपुर
08	श्री मनोजीत देबरॉय सुश्री स्निग्धा पाल	कल्चरल कम्पैन, खोवाइ, त्रिपुरा
09	श्री सोनित ज्योति सैकिया सुश्री दीपिका दत्त मुखर्जी	शंकरदेब जातिया विद्यालय, चिरादेउ, असम
		ब्रुकफील्ड इंग्लिश स्कूल, चिरादेउ, असम
		राधाकृष्णन इंग्लिश स्कूल, चिरादेउ असम

नाट्य उत्सव 2019: –

रा.ना.वि., नई दिल्ली ने 26 से 30 दिसंबर 2019 तक आनंद सभागार, नजरुल कलाक्षेत्र, अगरतला में सूचना और सांस्कृतिक विभाग, त्रिपुरा सरकार के सहयोग से नाट्य उत्सव का आयोजन किया, जिसमें रा.ना.वि. के रंगमंडल ने उपर्युक्त सभागार में अपने 5 नाटकों का प्रदर्शन किया। नाटकों के नाम इस प्रकार है: –

- खामोशी सीली सीली, प्रो. सुरेश शर्मा द्वारा निर्देशित – 26 दिसंबर, 2019
- ताजमहल का टेंडर, चित्तरंजन त्रिपाठी द्वारा निर्देशित – 27 दिसंबर, 2019
- बायेन, उषा गांगुली द्वारा निर्देशित – 28 दिसंबर, 2019
- जात ही पूछो साधु की, राजिंदर नाथ द्वारा निर्देशित – 29 दिसंबर, 2019
- पहला सत्याग्रही, प्रो. सुरेश शर्मा द्वारा निर्देशित – 30 दिसंबर, 2019

प्रागज्योतिष महोत्सव 2020: –

प्रागज्योतिष महोत्सव (उत्तर पूर्व क्षेत्र में उत्तर पूर्व नाटकों का एक उत्सव, 2020) रा.ना.वि., त्रिपुरा केन्द्र द्वारा 1 से 5 मार्च, 2020 को रवीन्द्र सतबार्षिकी भवन, सभागार नंबर –2, अगरतला में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जहाँ पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के पांच रंगमंच समूहों (असम –02, मणिपुर –01, त्रिपुरा –02) ने उक्त महोत्सव में नाटक प्रदर्शित किए। महोत्सव के दौरान निम्नलिखित नाटक प्रस्तुत किए गए: –

- ''इरिकोटि मिरिकोटि'' मृणाल ज्योति द्वारा निर्देशित – 01/03/2020
- ''राज अतिथि'' संजय कर द्वारा निर्देशित – 02/03/2020
- ''अभिवादन मेकबैथ, द इविल इनसाइड'', ज्योति नारायण नाथ द्वारा निर्देशित – 03/03/2020
- ''जलियावाला बाग'', के श्री फ़ाजातोन चानु – 04/03/2020
- ''वक्सा'', श्री प्रथा प्रीतम आचार्य द्वारा निर्देशित – 05/03/2020

रा.ना.वि. का वाराणसी केन्द्र, वाराणसी

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने भारतीय शास्त्रीय रंगमंच पर एक वर्षीय शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाह्य पहुँच कार्यक्रम के तहत वाराणसी में एक नया केन्द्र स्थापित किया है। वर्तमान में यह केन्द्र श्री नगरी नाटक मंडली, कबीर चौक, वाराणसी से चलाया जा रहा है। 2019 से नए सत्र आरंभ कर वाराणसी केन्द्र अगस्त द्वारा निम्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

अप्रैल 2019

क्र.सं.	कक्षा/कार्यशाला का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	वाक एवं संभाषण	श्री गोविन्द नामदेव	1 से 2 अप्रैल, 2019
02	थांग–टा	श्री एन. जदुमणि सिंह	3 से 15 अप्रैल, 2019
03	रूप–सज्जा	श्री संदीप भट्टाचार्य	3 से 12 अप्रैल, 2019
04	सी आइ डी एवं डब्ल्यू डी का तुलनात्मक अध्ययन	श्री देवेन्द्र राज अंकुर	8 से 14 अप्रैल, 2019
05	मंच परिकल्पना	श्री संदीप भट्टाचार्य	3 से 12 अप्रैल, 2019
06	नाट्य पाठन	श्री रामजी बाली	22 से 23 अप्रैल, 2019
07	लोक संगीत	श्री व्यासजी मौर्य	15 से 26 अप्रैल, 2019
08	ज्ञानपाठ	श्री विमल चंद्र कांडपाल	15 से 16 अप्रैल, 2019
09	श्लोक उच्चारण	श्री जयंतपथी त्रिपाठी	22 से 30 अप्रैल, 2019
10	सौंदर्यशास्त्र (लोक एवं ट्राइबल आर्ट्स)	सुश्री अर्चना कुमार	29 से 3 मई, 2019

मई 2019

क्र.सं.	कक्षा/कार्यशाला का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	गति संचालन (मुद्रा अभिनय)	सुश्री कुर्ति बाघमारे	29 अप्रैल से 30 मई, 2019
02	ज्ञानपाठ (श्लोक उच्चारण)	श्री जयंतपथि	1 से 20 मई, 2019
03	सौंदर्यशास्त्र (लोक एवं ट्राइबल आर्ट्स)	सुश्री अर्चना कुमार	1 से 3 मई, 2019
04	लोक संगीत	श्री व्यासजी मौर्य	1 से 10 मई, 2019
05	कलारीपयत्तु	श्री सुमेश पी. बी.	3 से 12 मई, 2019
06	रंगमंच संगीत	श्री अमोद बल्लभ भट्ट	20 से 31 मई, 2019

रा.ना.वि. वाराणसी केन्द्र ने 8 से 30 मई, 2019 तक श्री के.एस.राजेंद्रन और सुश्री कृति वागमारे द्वारा निर्देशित एक नई प्रस्तुति सफलतापूर्वक पूरी की। यह नाटक ''स्वप्नवासवदत्तम'' 31 मई और 1 जून, 2019 को मुरारीलाल मेहता मेमोरियल सभागार में प्रस्तुत किया गया था।

01	नाट्य निर्देशन	श्री के. एस. राजेन्द्रन
02	सहायक निर्देशक/नृत्य संरचनाकार	सुश्री कृति बाघमारे
03	प्रकाश परिकल्पक	श्री नारायण चौहान
04	संगीत निर्देशक	श्री अमोद भट्ट
05	संगीतकार (तबला वादक)	श्री आनन्द कुमार
06	संगीतकार (सितार वादक)	श्री अभिषेक मिश्रा
07	संगीतकार (बांसुरी वादक)	श्री प्रांजल सिंह
08	संगीतकार (हारमोनियम वादक)	श्री हेमन्त कुमार
09	लाइव म्यूजिक के लिए गायन एवं महिला अतिथि कलाकार	सुश्री कैलाश, अवन्तिका, स्वाति एवं नेहा

जून 2019

दीक्षांत समारोह के अवसर पर, रा.ना.वि., वाराणसी केन्द्र द्वारा श्री नागरी नाटक मंडली ट्रस्ट में 1 से 6 जून, 2019 तक एक उत्सव ''रंग काशी'' का आयोजन किया गया, जिसमें निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन किया गयाः –

क्र.सं.	नाटक का नाम	निर्देशक का नाम	जारी करने की तिथि
01	स्वप्नवासवदत्तम	श्री के. एस. राजेन्द्रन	01/06/2019
02	सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र	पं. राम दयाल शर्मा	02/06/2019
03	भगवदअज्जुकयम्	श्री रामजी बाली	03/06/2019
04	अभिज्ञान शाकुंतलम्	श्री रामजी बाली	04/06/2019
05	अभिज्ञान शाकुंतलम्	श्री रामजी बाली	05/06/2019
06	रंग संगीत	छात्र द्वारा	06/06/2019

(स्वप्नवासवदत्तम नाटक का एक दृश्य)

(भगवदअज्जुकयम् नाटक का एक दृश्य)

;अभिज्ञान शाकुंतलम् नाटक का एक दृश्यद्ध

जुलाई 2019

प्रारंभिक साक्षात्कारः – रा.ना.वि., वाराणसी द्वारा भारतीय शास्त्रीय रंगमंच में एक वर्षीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रारंभिक साक्षात्कार 7 से 9 जुलाई, 2019 में रा.ना.वि., वाराणसी कैम्पस से आयोजित किया गया।

अंतिम कार्यशाला : –

भारतीय शास्त्रीय रंगमंच में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए उम्मीदवारों का चयन करने हेतु 22 से 23 जुलाई, 2019 तक रा.ना.वि., वाराणसी केन्द्र द्वारा इसके अपने कैंपस में एक अंतिम कार्यशाला आयोजित की गई। चयनित उम्मीदवारों के नाम इस प्रकार हैंः –

नाम	**स्थान**
अमन कुमार	दिल्ली
एनी भारद्वाज	दिल्ली
गौरव सिंह	उत्तराखंड
गौरव सिंह	उत्तर प्रदेश
पुनीत कौशल	पंजाब
रोहित जोशी	दिल्ली
शुभम शर्मा	उत्तराखंड
श्यामली दीक्षित	उत्तर प्रदेश
सुभा श्री बहेरा	दिल्ली
विशाल जैन	मध्य प्रदेश
मधु कुमारी	राजस्थान
मिथिलेश कुमार	बिहार
प्रगति जैसवाल	उत्तर प्रदेश
समीर	दिल्ली

सुधा पाल	उत्तर प्रदेश
महेन्द्र कन्नौजिया	उत्तर प्रदेश
नीरज कुमार	हरियाणा
संदेश कुमार	दिल्ली
शिव प्रतीक	दिल्ली
तेजनारायण कुमार	बिहार

अगस्त 2019

द्वितीय बैच के लिए दीक्षारंभ अनुष्ठान (स्वागत/आशीर्वाद समारोह 19 अगस्त, 2019 को रा.ना.वि. परिसर में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, निम्न आमंत्रित जन उपस्थित थेः –

1. श्री गौरंग राठी, सी डी ओ, उत्तर प्रदेश सरकार
2. श्री जे. एस. त्रिपाठी, प्रोफेसर, आइ एम एस, बी एच यू
3. डॉ. रति शंकर त्रिपाठी, रंगमंच विशेषज्ञ

कक्षाएं

क्र.सं.	नाटक की कक्षाएं/कार्यशालाएं	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	नाट्यशास्त्र (आंगिक अभिनय)	श्री प्रेमचंद हमबले	19 से 31 अगस्त, 2019
02	श्लोक उच्चारण	श्री जयंतपथि त्रिपाठी	20 से 31 अगस्त, 2019
03	नाटक पाठ	श्री रामजी बाली	26 से 27 अगस्त, 2019
04	योग	श्री योगेश भट्ट	20 से 31 अगस्त, 2019

सितंबर 2019

क्र.सं.	कक्षाएं/कार्यशालाओं के नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	योग	श्री योगेश भट्ट	2 से 7 सितंबर, 2019
02	सीआईडी एवं डब्ल्यू डी का तुलनात्मक अध्ययन	श्री डी. आर. अंकुर	2 से 9 सितंबर, 2019
03	नाट्यशास्त्र सिद्धान्त	श्री सदाशिव कुमार द्विवेदी	16 से 27 सितंबर, 2019
04	क्राफ्ट एवं मास्क मेकिंग	श्री शिव प्रसाद गौंड	16 सितंबर से 4 अक्तूबर, 2019
05	कथकली मूवमैंट	श्री परासोभ के.पी.	18 सितंबर से 4 अक्तूबर, 2019

शैक्षिक यात्राः भारतीय प्राचीन वास्तुकला इतिहास के बारे में समझने हेतु छात्रों के लिए 10 सितंबर, 2019 को सारनाथ में शैक्षिक दौरे का आयोजन किया गया।

अक्तूबर 2019

क्र.सं.	कक्षाएं/कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	नाटक पाठ	श्री रामजी बाली	9 अक्तूबर, 2019
02	वाक एवं संभाषण	मो. आशिक हुसैन	10 से 19 अक्तूबर, 2019
03	यक्षगान सीन वर्क	डॉ. संजीव सुवर्णा	10 से 24 अक्तूबर, 2019
04	हिन्दुस्तानी संगीत	सुश्री झिलमिल हजारिका	29 अक्तूबर से 6 नवंबर, 2019
05	छाऊ	श्री शशाधर आचार्य	29 अक्तूबर से 8 नवंबर, 2019
06	नाट्यशास्त्र	श्री रामजी बाली	29 अक्तूबर से 29 नवंबर, 2019

नवंबर 2019

नाट्यशास्त्र पर एक दृश्य का काम श्री रामजी बाली, केन्द्र निदेशक, रा.ना.वि., वाराणसी के मार्गदर्शन में 01/11/2019 से 29/11/2019 तक आयोजित किया गया था। नाट्यशास्त्र पर दृश्य कार्य के दौरान, एक नाटक ''उत्तर रामायण'' नाटक तैयार किया गया और 28/11/2019 को रा.ना.वि. स्टूडियो में और 29/11/2019 को नागरी नाटक मंडली ट्रस्ट में प्रदर्शित किया गया। आनंद कुमार (तबला वादक), श्री वासु बिष्ट (बांसुरी वादक), श्री अभिषेक मिश्रा (सितार वादक) और श्री अंकितधर दिवेदी (हारमोनियम वादक) द्वारा संगीत की जीवंत प्रस्तुति दी गई और नाटक का संगीत श्री आमोद बल्लभ भट्ट द्वारा रचित था।

कक्षाएं

क्र.सं.	कक्षाएं/कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	थांग–टा	एन. जदुमणि सिंह	13 से 28 नवंबर, 2019
02	थिएटर म्यूजिक	अमोद भट्ट	18 से 29 नवंबर, 2019

रा.ना.वि., वाराणसी केन्द्र ने श्री अम्मानूर सूरज नंबियार के मार्गदर्शन में नामांकित छात्रों (शैक्षणिक वर्ष 2019–20) के लिए एस.एन.ए., कुटियाट्टम केन्द्र (कुटियाट्टम के लिए केन्द्र) के सहयोग से कृषि सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल में कुटियाट्टम पर 05/12/2019 से 24/12/2019 तक 20 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

क्र.सं.	कक्षाएं/कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	कलारीपट्टु	श्री शिवम गुरुकुल	5 से 19 दिसंबर, 2019
02	कुटियट्टम्	सुश्री कलामंडल कृशेन्दु	8 से 11 दिसंबर, 2019
03	कुटियट्टम्	श्री मार्गी मधु चकियार	12 से 14 दिसंबर, 2019
04	कुटियट्टम्	डॉ. के. जी. पोलोसे	एक व्याख्यान
05	कुटियट्टम्	डॉ. अट्टूमानूर	एक व्याख्यान

कार्यशाला के दौरान छात्रों को कुटियट्टम से संबंधित चार प्रस्तुतियों को देखने का अवसर मिला :

1. कुटियट्टम कहानी : थोरानायुद्धान्कम
2. कुटियट्टम कहानी : स्वपनावासदत्तम एक्ट II एवं III
3. कुटियट्टम कहानी : आचार्य चूड़ामणि एक्ट V हिमाकरम कुटियट्टम
4. कथकली

छात्रों के साथ केरल और कर्नाटक की यात्रा और पर्यटन स्थलों का भ्रमण :

1. थिरुवनंथपुरम में बैकवाटर कोवलम तट
2. तमिलनाडु में कन्याकुमारी
3. त्रिशूर में कुट्टाम्पालम
4. त्रिशूर में केरल कलामंडलम (चेरूथूथी विश्वविद्यालय, भारत)
5. कर्नाटक में श्रीरंगपटनम और मैसूर किला

जनवरी 2020

क्र.सं.	कक्षाएं / कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	योग	श्री योगेश भट्ट	28 से 31 जनवरी, 2020
02	लोक संगीत	श्री व्यासजी मौर्य	28 से 31 जनवरी, 2020
03	नाट्य विश्लेषण	श्री रामजी बाली	28 से 31 जनवरी, 2020

फरवरी 2020

क्र.सं.	कक्षाएं / कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	योग	श्री योगेश भट्ट	1 से 29 फरवरी, 2020
02	स्टंट प्रशिक्षण / मार्शल आर्ट	श्री हसन रघु	10 से 21 फरवरी, 2020
03	लोक संगीत	श्री व्यासजी मौर्य	1 से 8 फरवरी, 2020
04	मंच–परिकल्पना एवं निर्देशन	श्री संदीप भट्टाचार्य	10 से 22 फरवरी, 2020
05	रंगमंच प्रकाश	श्री नारायण चौहान	10 से 15 फरवरी, 2020
06	नाट्य पाठ	श्री रामजी बाली	17 से 22 फरवरी, 2020
07	एमआइडी एवं अभिनय	श्री राम गोपाल बजाज	24 से 29 फरवरी, 2020

मार्च 2020

क्र.सं.	कक्षाएं / कार्यशालाओं का नाम	विशेषज्ञ का नाम	अवधि
01	योग	श्री योगेश भट्ट	1 से 6 मार्च, 2020
02	अभिनय	श्री रामजी बाली	1 से 6 मार्च, 2020
03	नाट्य पाठ	श्री रामजी बाली	1 से 6 मार्च, 2020
04	आधुनिक गति संचालन	श्री सुरेश शेट्टी	12 से 18 मार्च, 2020
05	नाटक विश्लेषण	श्री रामजी बाली	12 से 14 मार्च, 2020
06	अंकिया नाट	श्री भावनानंदा बोरबायन	15 से 18 मार्च, 2020
07	अंकिया नाट	श्री गोविन्द कलिता	15 से 18 मार्च, 2020

शिक्षण संकाय, कलाकारों और प्रशासनिक अधिकारियों / कर्मचारियों की समूहवार संख्या 31.03.2019 तक

पद	स्वीकृत	तैनात	रिक्त	टिप्पणी, यदि कोई हो
संकाय				
प्रोफेसर	2	1	1	
रंगमंडल, प्रमुख	1	1	0	
एसोसिएट–प्रोफ़ेसर	8	5	3	
सहायक प्रोफेसर	7	4	3	
कुल	**18**	**11**	**7**	
रंगमंडल कलाकार (अनुबंध पर)				
कलाकार ग्रुप 'ए'	4	4	–	
कलाकार ग्रुप 'बी'	16	16	–	
कुल	**20**	**20**	–	
संस्कार रंग टोली कलाकार (अनुबंध पर)				
कलाकार ग्रुप 'ब'	8	8	–	
समन्वयक (अनुबंधित आधार पर)	1	1	–	
कुल	**9**	**9**	–	
प्रशासनिक अधिकारी / कर्मचारी				
ग्रुप 'ए'	6	3	3	
ग्रुप 'बी'	19	11	8	
ग्रुप 'सी'	54	35	19	
ग्रुप 'सी' (एमटीएस)	50	18	32	

नई नियुक्तियां	नियुक्ति की तिथि
सुश्री इंदु बिष्ट, कनिष्ठ आशुलिपिक	– 08.04.2019
सुश्री अनीता तिवारी, अवर श्रेणी लिपिक	– 01.07.2019
श्री आलोक सोनी, अवर श्रेणी लिपिक	– 05.07.2019
श्री आशीष, अवर श्रेणी लिपिक	– 09.07.2019
श्री आशीष दुबे, अवर श्रेणी लिपिक	– 23.08.2019
श्री अभिलाष पिल्लई, प्रोफेसर	– 23.09.2019
सुश्री अंजू दुबे, टेलर–सह–वार्डरोब सुपरवाइज़र	– 12.12.2019
श्री अमरेश कुमार सिंह, अवर श्रेणी लिपिक	– 16.12.2019

सेवानिवृत्ति

श्री प्रताप सिंह बिष्ट, इलैक्ट्रीशियन, ग्रेड–1 (तदर्थ)	– 30.04.2019
श्री सी.डी. तिवारी, लेखाधिकारी	– 31.05.2019
सुश्री मधु ठुकराल, सहायक	– 31.05.2019
श्री अशोक सागर भगत, प्रोफेसर	– 30.06.2019
श्रीमती केला देवी, एम.टी.एस.	– 30.06.2019
श्री बुद्ध राम, टेलर (तदर्थ)	– 12.07.2019 (निधन)
श्री अनिल श्रीवास्तव, पुस्तकालयाध्यक्ष	– 30.11.2019
श्री जगदीश चंद्र वैला, केयरटेकर–सह–कुक	– 31.03.2020

रा.ना.वि. के संसाधनों की स्थिति एक नज़र में

वित्त वर्ष	भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वीकृत अनुदान	कुल अनुदान (रुपए लाखों में)
1992–93		
योजनागत	125.50	
गैर–योजनागत	113.25	238.75
1993–94		
योजनागत	160.00	
गैर–योजनागत	116.65	275.65
1994–95		
योजनागत	176.64	
गैर–योजनागत	124.71	301.35
1995–96		
योजनागत	197.80	
गैर–योजनागत	125.00	322.80
1996–97		
योजनागत	195.00	
गैर–योजनागत	113.00	308.00
1997–98		
योजनागत	301.00	
गैर–योजनागत	175.00	476.00
1998–99		
योजनागत	385.00	
गैर–योजनागत	188.00	573.00
1999–2000		
योजनागत	450.00	
गैर–योजनागत	200.00	650.00
2000–01		
योजनागत	535.00	
गैर–योजनागत	252.00	
भारत में जर्मनी का उत्सव	220.00	1007.00
2001–02		
योजनागत	622.25	

गैर–योजनागत	270.00	892.25
2002–03		
योजनागत	550.00	
गैर–योजनागत	272.00	822.00
2003–04		
योजनागत	727.00	
गैर–योजनागत	340.00	
उत्तर–पूर्व	99.80	1166.80
2004–05		
योजनागत	800.00	
गैर–योजनागत	365.00	
उत्तर–पूर्व	71.81	
भूटान में भारत का उत्सव	114.00	1237.98
2005–06		
योजनागत	1000.00	
गैर–योजनागत	370.00	
उत्तर–पूर्व	100.00	1470.00
2006–07		
योजनागत	1100.00	
गैर–योजनागत	410.00	
उत्तर–पूर्व	120.00	1630.00
2007–08		
योजनागत	1350.00	
गैर–योजनागत	460.00	
उत्तर–पूर्व	300.00	2050.00
2008–09		
योजना	1450.00	
गैर–योजना	627.00	
उत्तर–पूर्व	775.00	2852.00
2009–10		
योजनागत	1255.00	
गैर–योजनागत	791.00	
उत्तर–पूर्व	814.00	2860.00

2010–11		
योजनागत	1615.00	
गैर–योजनागत	730.00	
उत्तर–पूर्व	1250.00	3595.00
2011–12		
योजनागत	1580.00	
गैर–योजनागत	970.00	
उत्तर–पूर्व	1100.00	
रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव	200.00	3850.00
2012–13		
योजनागत	1500.00	
गैर–योजनागत	832.00	
उत्तर–पूर्व	1200.00	3532.00
2013–14		
योजनागत	1700.00	
जनजातीय उप–योजना	200.00	
उत्तर–पूर्व योजना	1800.00	
गैर–योजनागत	1086.00	
स्वामी विवेकानंद (टैगोर कल्चर कॉम्प्लैक्स) की 150वीं	6.00	
वर्षगांठ का स्मरणोत्सव (योजना)	46.50	4839.10
2014–15		
योजनागत	2800.00	
गैर–योजनागत	1202.49	
उत्तर–पूर्व	1140.16	
जनजातीय उप–योजना	300.00	5442.65
2015–16		
योजनागत	2296.00	
गैर–योजनागत	1345.00	
उत्तर–पूर्व	1700.00	
जनजातीय उप–योजना	600.00	5941.00
2016–17		
योजनागत सामान्य	2250.00	

योजनागत–पूँजी संपत्तियों का सृजन	1575.00	
योजनागत–वेतन	350.00	
योजनागत जनजातीय उप–योजना	700.00	
योजनागत–उत्तर–पूर्व	1800.00	
गैर–योजनागत–सामान्य	220.00	
गैर–योजनागत–वेतन	1316.00	8211.00
2017–18		
जी.आई.ए. – जनरल–31	2500.20	
सीसीए–35	5100.00	
जी.आई.ए. – वेतन – 36	1666.00	
जी.आई.ए. – एसएपी	16.82	
जी.आई.ए. – थिएटर ओलम्पिक्स 2018–36	4257.77	
जी.आई.ए. – उत्तर–पूर्व – 31	1224.23	
जी.आई.ए. – जनजातीय उप–योजना (टीएसपी)	691.10	15456.12
2018–19		
जी.आई.ए. – जनरल–31	2800.00	
सीसीए–35	2100.00	
जी.आई.ए. – वेतन – 36	1640.97	
जी.आई.ए. – एसएपी –31	15.00	
जी.आई.ए. – जनजातीय उप–योजना (टीएसपी)	600.00	
जी.आई.ए. – उत्तर–पूर्व – 31	1750.00	
जलियावाला बाग के 100 वर्षों का स्मरोत्सव	38.39	8944.36
2019–20		
जी.आई.ए. – जनरल–राजस्व–31	2650.00	
जे.आई.ए – पूंजी परिसंपत्तियों का सृजन–35	400.00	
जी.आई.ए. – स्टाफ वेतन – 36	1683.77	
जी.आई.ए. – एसएपी	10.00	
जी.आई.ए. – जनजातीय उप–योजना (टीएसपी)	500.00	
जी.आई.ए. – उत्तर–पूर्व क्षेत्र – 31	1350.00	6593.77

वित्तीय लेखे
2019-20

वित्तीय लेखे विषय सूची

– बैलेंस शीट (तुलन पत्र)	109
– आय एवं व्यय लेखा	110
– उक्त वित्तीय विवरण की सूची	111
– योजना एवं गैर योजना प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	130
– चालू खाता II का पृथक तुलन पत्र	132
– चालू खाता II का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	133
– सामान्य भविष्य निधि का पृथक तुलन पत्र	134
– सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	135
– सामान्य/अंशदायी भविष्य निधि निवेश का विवरण	136
– विशिष्ट लेखा योजना एवं लेखा नोट्स	137

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने 31 मार्च 2019 तक के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के संलग्न तुलन पत्र की और उस तिथि पर समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाते की लेखा परीक्षा, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 20 (1) के अंतर्गत की है। लेखा परीक्षा के लिए यह कार्य 2020–21 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों का दायित्व विद्यालय के प्रबंधन का है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल श्रेष्ठ लेखा कार्यों, लेखा मानकों और प्रकटीकरण के नियमों इत्यादि के साथ वर्गीकरण, पुष्टिकरण के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी ए जी) की टिप्पणियां दी गई हैं। कानून, नियम–विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) और दक्षता के साथ प्रस्तुतिकरण पहलू आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन–देन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ यदि कोई हैं तो निरीक्षण रिपोर्ट्स/नियंत्रक महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट्स के द्वारा अलग से दी गयी हैं।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की आवश्यकतानुसार हम योजना बनाकर लेखा परीक्षा करते हैं जिससे हमें यह उचित आश्वासन मिल सके कि इस वित्तीय विवरण में किसी भी तरह का गलत विवरण नहीं है। एक लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर जाँच, प्रस्तुत राशि को सही दर्शाने वाले प्रमाण और वित्तीय विवरणों को स्पष्ट तौर पर प्रकट करना शामिल होता है। एक लेखा परीक्षा में प्रयोग किए गए लेखा के नियमों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण अनुमानों के निर्धारण के साथ–साथ वित्तीय विवरणों के समस्त प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर हमने अपनी उचित राय दी है।

4. हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार : –

(i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी के अनुसार बिल्कुल सही थे और लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट के संदर्भगत तुलन पत्र/आय व व्यय लेखा/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में बनाए गए हैं।

(iii) हमारे विचार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा अब तक लेखा पुस्तकों को बनाए रखा गया है जैसा कि यह हमारे द्वारा की गई इन पुस्तकों की जाँच से दृष्टिगत होता है।

(iv) हम इसके आगे ये रिपोर्ट देते हैं कि :

क. सामान्य

क. 1 अनुसूची–II चालू संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि के अनुसार कुल राशि रु. 1.93 करोड़ 'अग्रिम खरीद' के अंतर्गत दर्शायी गई है। ये अग्रिम पिछले वर्ष के लिए लंबित थे। रानावि द्वारा बकाया राशि की नवीनतम वर्षवार स्थिति को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

क. 2 रानावि के संघ के ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) और नियम एवं शर्तें इसकी वार्षिक लेखाओं को अनुमोदित करने के लिए प्राधिकारी को स्पष्ट रूप से सक्षम नहीं मानते हैं। रानावि ने एमओए/सोसायटी नियमों में संशोधन के लिए आवश्यक प्रस्ताव पारित कर दिया है और इसकी स्वीकृति के लिए संस्कृति मंत्रालय को भेज दिया है। तथापि, रानावि के नियम एवं शर्तों के नियम 44 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार की जो स्वीकृति आवश्यक है, वह मंत्रालय में लंबित थी।

क. 3 आई जी ए आई द्वारा जारी किए गए एएस 15 और वित्त मंत्रालय द्वारा सिफारिश किए गए लेखा के यूनिफॉम फोर्मेट के साथ रोकड़ आधार पर ग्रेजुएटी और अवकाश भुनाने के संबंध में रानावि की वित्त पॉलिसी तारतम्य पूर्ण नहीं है। पेंशन के संबंध में तथापि, रानावि द्वारा इस प्रकार की किसी भी पॉलिसी के बारे में प्रत्यक्ष रूप से नहीं कहा गया है। परन्तु रोकड़ आधार पर भुगतान जमा करवा दिया गया है। लेखाओं के समान प्रारूप और आई सी ए आई के ए एस–15 के द्वारा अपेक्षित सेवानिवृत्ति के लाभों के लिए वास्तविक आधार पर प्रावधान बनाए जाने की आवश्यकता है।

ख. सहायता अनुदान

3.4 संस्कृति मंत्रालय द्वारा रानावि को मिला सहायता अनुदान और वर्ष 2019–20 के लिए किए गए इसके प्रयोग का विवरण इस प्रकार है :

विवरण	राशि (रु. करोड़ में)
पिछले वर्ष का अव्ययित शेष	3.60
वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	66.50
वर्ष के दौरान आंतरिक रसीदें	1.66
कुल उपलब्ध	71.76
वर्ष के दौरान व्यय	63.19
अव्ययित शेष	8.57

वित्तीय वर्ष के अंत में रानावि के पास रु. 8.57 करोड़ का अव्ययित शेष था।

घ. प्रबंधन पत्र

जो कमियाँ इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं वे सुधार/संशोधन कार्यवाही करने के लिए अलग से एक प्रबंधन पत्र जारी कर रा.ना.वि. के ध्यान में लाई गई हैं।

(v) पिछले पैराग्राफों में हमारी दी गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए हम यह रिपोर्ट देते हैं कि इसमें दिए गए तुलन पत्र और आय व व्यय के लेखा/प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा, लेखा पुस्तकों के अनुरूप थीं।

(vi) हमारे विचार में एवं हमारी सूचना के आधार पर और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरणों पर लेखा नीतियों और लेखा पर नोट के साथ–साथ और उक्त उल्लेखित महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दिए गए अन्य मामलों के संबंध में यह वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकार्य लेखा नियमों के साथ पुष्टिकरण के लिए एक सही और उचित दृष्टिकोण देता है।

(क) अब तक यह 31 मार्च 2020 को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के मामलों के तुलन पत्र से संबंधित है; और

(ख) अब तक यह उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष की आय और व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के लिए व इनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 01.03.2021

महालेखा परीक्षक
केन्द्रीय व्यय

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए चार्टेड अकाउंटेंट द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा का संचालन किया गया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

रानावि की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न कारणों से पर्याप्त नहीं थी :

(i) रानावि द्वारा खरीद अग्रिम, सुरक्षा जमा और बकाया अग्रिमों का वर्ष वार विवरण उपलब्ध नहीं करवाया गया।

(ii) 1998–99 से 2016–2017 की अवधि के निरीक्षण रिपोर्टों से संबंधित 36 बाहरी लेखा परीक्षा पैरा अभी तक बकाया है।

3. परिसंपत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) नियत परिसंपत्तियों (फर्नीचर एवं फिक्सचर और कंप्यूटर एवं सहयोगी उपकरण) का प्रत्यक्ष सत्यापन 31.03.2019 तक पूर्ण हो गया था।

(ii) रानावि में नौ विभिन्न स्टोर हैं जैसे मुख्य भंडार, वस्त्रसज्जा, पुस्तकालय, कार्यशाला, ध्वनि, संगीत, किताब घर, आर्काइव्स और प्रकाश विभाग इनके प्रत्यक्ष सत्यापन की स्थिति निम्न प्रकार से है–

क. मुख्य स्टोर – 31.3.2019 तक

ख. वस्त्रसज्जा – 2019–2020 तक

ग. पुस्तकालय – 31.03.2018 तक

घ. कार्यशाला – 31.07.2018 तक

ड. ध्वनि – दिसंबर तक

च. संगीत – 2019–20 तक

छ. किताब घर – प्रक्रिया के अंतर्गत

ज. आरकाईव्स – प्रक्रिया के अंतर्गत

झ. प्रकाश व्यवस्था – 2019–20 तक

4. सामान–सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

स्टेशनरी और उपयोग्य वस्तुओं आदि का प्रत्यक्ष सत्यापन केवल 2017–18 तक ही संचालित किया गया है।

5. वैधानिक बकायों की भुगतान में नियमितता

वैधानिक देयों जैसे आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, कस्टम ड्यूटी, मैस, सहयोगी भविष्य निधि और कर्मचारी के राज्य बीमा का भुगतान छः महीनों से नहीं किया गया है और यह 31.03.2020 से बकाया है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

31.03.2020 तक तुलन पत्र

(राशि रुपये)

संग्रहित निधि और दायित्व	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संग्रहित निधि	1	-	-
सुरक्षित और अतिरिक्त	2	(57),178,758	(6,52,10,889)
चिन्हित/स्थायी निधि	3	1,003,389,025	98,17,31,460
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
अस्थगित जमा दायित्व	6	-	-
चालू दायित्व एवं प्रावधान	7	92,148,057	9,89,71,279
कुल		**1,038,358,324**	**1,01,54,91,850**
संपत्तियाँ			
नियत संपत्तियाँ	8	814,386,654	80,61,31,555
चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश	9	76,489,423	7,21,75,226
अन्य निवेश	10	-	-
चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	147,482,248	13,71,85,069
फुटकर व्यय (बट्टा खाता में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं)		-	-
कुल		**1,038,358,324**	**1,01,54,91,850**
विशिष्ट लेखा योजनाएँ	26		
प्रासंगिक दायित्व और लेखे पर नोट्स	27		

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय	12	4,536,326	3,427,829
प्राप्त अनुदान/आर्थिक सहायता	13	621,679,411	787,681,089
प्राप्त फीस/सबस्क्रिप्शन	14	2,378,690	1,993,771
निवेश से आय	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	1,475,137	2,039,453
ब्याज प्राप्त	17	4,023,208	7,120,360
अन्य आय	18	4,183,872	3,643,032
तैयार माल के स्टॉक में (बढ़ोत्तरी/घटौती) और कार्य में प्रगति	19	603,184	(9,21,608)
कुल (क)		**638,879,828**	**804,983,926**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	157,855,140	222,025,142
अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि	21	73,184,959	76,802,180
अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	22	-	-
मूल्य ह्रास	23	-	-
प्रोत्साहन एवं प्रचार–प्रसार गतिविधियाँ	24	399,807,598	559,228,344
ब्याज	25	-	-
कुल (ख)		**630,847,697**	**858,055,666**
व्यय से अधिक आय पर बचा शेष (क–ख)		8,032,131	(53,071,740)
विशेष निधि में स्थानांतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
आम निधि से/को स्थानांतरित		-	-
अतिरिक्त /(घाटा) से बचा शेष, पूँजी निधि/संग्रह में भेजा गया		**8,032,131**	**(53,071,740)**
विशिष्ट लेखा योजनाएँ	26		-
आकस्मिक दायित्व और लेखा पर नोट्स	27		-

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 1 – पूँजी निधि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-		.	
जमा : पूँजी निधि के लिए अंशदान	-		.	
जमा/(कटौती) : आय लेखे से ट्रान्सफर कुल आय	-		.	
आय और व्यय लेखा से ट्रान्सफर व्यय	-		.	
घटा : चिह्नित एवं स्थायी निधि के ट्रान्सफर	-	.	.	.
वर्ष के अंत तक शेष – अंत		.		.

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
सूची 2 – आरक्षित एवं अतिरिक्त पूँजी					
1. पूँजी आरक्षित					
	पिछले खाते के अनुसार	-		-	
	वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
	घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकित आरक्षित पूँजी					
	पिछले खाते के अनुसार	-		-	
	वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
	घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
3. विशेष आरक्षित पूँजी					
	पिछले खाते के अनुसार	-		-	
	वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
	घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
4. व्यय पर हुई अतिरिक्त आय (जमा)					
	पिछले खाते के अनुसार	**(65,210,889)**		**(12,139,149)**	
	वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
	जमा : वर्ष के दौरान समायोजन	-		-	
	घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	(8,032,131)	**(57,178,758)**	53,071,740	**(65,210,889)**
5. सामान्य आरक्षित पूँजी					
	पिछले खाते के अनुसार	-		-	
	वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
	घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
कुल			**(57,178,758)**		**(65,210,889)**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची – 3 चिह्नित/स्थायी निधि	चालू वर्ष					पिछला वर्ष				
	निधि के अनुसार विभाजन					निधि के अनुसार विभागज				
	नियत परिसंपत्ति	भवन निर्माण निधि	सामान्य भविष्य निधि	विरासत निधि	कुल	नियत परिसंपत्ति	भवन निर्माण निधि	सामान्य भविष्य निधि	विरासत निधि	कुल
(क) निधि का आरम्भिक शेष	53,969,258	832,737,228	83,784,193	382,502	**970,873,180**	51,480,036	758,445,652	87,832,159	382,316	**898,140,163**
(ख) निधि में जमा										
i. दान/अनुदान	26,019,296	13,980,704	-	21,105	**40,021,105**	11,767,689	77,939,311	-	186	**89,707,186**
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
iii. अन्य जमा (किस प्रकार का है जमा करें)										**-**
(क) पूँजी व्यय – योजना	-		-	-	**-**	-		-	-	**-**
(ख) पूँजी व्यय – गैर योजना	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
(ग) उपहार पूँजी	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
(घ) नियत परिसंपत्ति निधि से ट्रान्सफर	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
(ङ) सामान्य भविष्य निधि में स्टाफ का सब्सक्रिप्शन	-	-	11,840,570	-	**11,840,570**	-	-	12,826,131	-	**12,826,131**
(च) सा.भ.नि. खाते में जमा ब्याज	-	-	5,785,147	-	**5,785,147**	-	-	4,210,132	-	**4,210,132**
(छ) अतिरिक्त संचय राशि में से ट्रांसफर	-	-	1,366,782	-	**1,366,782**	-	-	-	-	**-**
(ज) अग्रिम की वापसी	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
iv. संचित आरक्षित पूँजी	-	-	10,952,418	-	**10,952,418**	-	-	10,858,280	-	**10,858,280**
v. संग्रहित निधि से ट्रान्सफर	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
कुल (ख)	**26,019,296**	**13,980,704**	**29,944,917**	**21,105**	**69,966,022**	**11,767,689**	**77,939,311**	**27,894,543**	**186**	**117,601,729**
कुल (क+ख)	**79,988,554**	**846,717,932**	**113,729,110**	**403,607**	**1,040,839,203**	**63,247,726**	**836,384,962**	**115,726,702**	**382,502**	**1,015,741,892**
(ग) निधि के उद्देश्यों की तरफ उपयोगिता/व्यय										
i. पूँजी व्यय	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– नियत संपत्ति	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– बिल्डिंग कोष में ट्रान्सफर	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– अनुपयोगी सामग्री का निपटान	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास	12,061,959	6,085,512	-	-	18,147,471	9,278,468	3,647,735	-	-	**12,926,203**
कुल	**12,061,959**	**6,085,512**	**-**	**-**	**18,147,471**	**9,278,468**	**3,647,735**	**-**	**-**	**12,926,203**
ii. राजस्व व्यय										
– वेतन, मजदूरी और भत्ते इत्यादि	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– किराया	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– स्टाफ को अग्रिम	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
– कर्मचारियों/कलाकारों को अंतिम भुगतान	-	-	16,683,794	-	**16,683,794**	-	-	16,222,610	-	**16,222,610**
– स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	-	-	153,912	-	**153,912**	-	-	91,619	-	**91,619**
– संग्रहित निधि को ट्रांसफर	-	-	2,465,000	-	**2,465,000**	-	-	4,770,000	-	**4,770,000**
	-	-	-		**-**	-	-	-	-	**-**
कुल	**-**	**-**	**19,302,706**	**-**	**19,302,706**	**-**	**-**	**21,084,229**	**-**	**21,084,229**
कुल (ग)	**12,061,959**	**6,085,512**	**19,302,706**	**-**	**37,450,178**	**9,278,468**	**3,647,735**	**21,084,229**	**-**	**34,010,432**
वर्ष के अंत तक कुल शेष (क+ख+ग)	**67,926,595**	**840,632,420**	**94,426,404**	**403,607**	**1,003,389,025**	**53,969,258**	**832,737,228**	**94,642,473**	**382,502**	**981,731,460**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 4 – सुरक्षित ऋण और उधार	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
(क) आवधिक ऋण	-	-
(ख) प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
4. बैंक		
(क) आवधिक ऋण	-	-
– प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
(ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
– प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
– केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट सुविधा	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
6. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें))	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
सूची 5 – असुरक्षित ऋण और उधार	**राजस्व सामान्य**	**चालू खाता II**	**राजस्व सामान्य**	**चालू खाता II**
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
				-
4. बैंक				
(क) आवधिक ऋण	-	-	-	
(ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियाँ	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. सावधि जमा	-	-	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें))	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
नोट : एक वर्ष के अन्दर बकाया राशि				

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची – 6 अस्थगित जमा दायित्व	**राजस्व सामान्य**	**चालू खाता II**	**राजस्व सामान्य**	**चालू खाता II**
(क) पूँजी उपकरण व अन्य संपत्तियों की दृष्टिबंधक द्वारा सुरक्षा स्वीकार्य	-	-	-	-
(ख) अन्य	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	
कुल (गैर योजना+योजना)				**-**
नोट : एक वर्ष के अन्दर बकाया राशि				

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
सूची – 7 देयताएं और प्रावधान	**राजस्व सामान्य**	**सा.भ.नि.**	**सीए II**	**कुल**	**राजस्व सामान्य**	**सा.भ.नि.**	**सीए II**	**कुल**
(क) चालू दायित्व								
1 स्वीकरण								
सुरक्षा जमा–टेंडर/कोटेशन	-	-	11,000	**11,000**	1,400,000	-	11,000	**1,411,000**
छात्र पूर्व जमा शुल्क एवं सुरक्षा जमा इत्यादि	-	-	58,986	**58,986**	-	-	58,986	**58,986**
छात्र, कलाकार एवं अन्य की राशि	71,940	-	814,530	**886,470**	71,940	-	1,089,530	**1,161,470**
छात्र जमानती राशि एवं पुस्तकालय जमा	521,870	-	829,090	**1,350,960**	421,870	-	856,090	**1,277,960**
प्रशिक्षु वृत्ति सुरक्षा जमा	-	-	165,400	**165,400**	-	-	148,525	**148,525**
रंगमंडल एवं संस्कार रंग टोली कलाकार सुरक्षा जमा	-	-	36,300	**36,300**	-	-	31,900	**31,900**
छात्रावास सिक्योरिटी जमा	96,127	-	-	**96,127**	96,127	-	-	**96,127**
2 विविध लेनदार								
(क) सामान के लिए	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) अन्य	27,071,613	-	-	**27,071,613**	7,724,130	-	-	**7,724,130**
(अनुलग्नक 7 (1) के अनुसार)								
3 अन्य चालू दायित्व								-
असंवितरित वेतन, छात्रवृत्तियाँ एवं मजदूरी	10,502,384	-	-	**10,502,384**	10,426,579	-	-	**10,426,579**
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और समय–समय पर लाभ	5,438,621	-	-	**5,438,621**	-	-	-	-
असंवितरित छात्रवृत्तियाँ	632,000	-	-	**632,000**	857,000	-	-	**857,000**
राजस्व जनरल को देय	-	-	15,013	**15,013**	-	-	34,505	**34,505**
वेतन का वकाया (7वें वेतन आयोग)	-	-	-	-	32,499,355	-	-	**32,499,355**
टीडीएस देय	125,632	-	-	**125,632**	1,068,397	-	-	**1,068,397**
मैस सुरक्षा जमा	-	-	294,600	**294,600**	-	-	294,600	**294,600**
नया पेंशन फंड	986,627	-	-	**986,627**	207,220	-	-	**207,220**
गैर दावित शेष	-	153,912	-	**153,912**	-	1,141,368	-	**1,141,368**
चालू खाता II को देय	-	-	-	-	17,492	-	-	**17,492**
सा.भ.नि./अ.भ.नि. को देय	789,847	-	-	**789,847**	584,831	-	-	**584,831**
देय जीएसटी (SGST/GST/IGST)	345,600	-	-	**345,600**	-	-	-	-
सामूहिक बीमा	97,228	-		**97,228**	105	-		**105**
अवकाश वेतन एवं वेतन अंशदान	352,886			**352,886**	506,467			**506,467**
छात्र अग्रिम देय	31,510	-	-	**31,510**	31,510	-	-	**31,510**
4 वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त बकाया								
अप्रयुक्त अनुदान (टी सी सी)	2,830,671	-	-	**2,830,671**	2,840,671	-	-	**2,840,671**
अप्रयुक्त अनुदान (यूनिसेफ)	999,769	-	-	**999,769**	1,065,769	-	-	**1,065,769**
अप्रयुक्त अनुदान (उत्तर–पूर्व)	24,122,526	-	-	**24,122,526**	18,105,992	-	-	**18,105,992**
अप्रयुक्त अनुदान (जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ)	3,803,662	-	-	**3,803,662**	3,839,000	-	-	**3,839,000**
अप्रयुक्त अनुदान (कर्नाटक सरकार द्वारा)	10,748,713	-	-	**10,748,713**	9,805,875	-	-	**9,805,875**
अप्रयुक्त अनुदान (राजस्व सामान्य)	-	-	-	-	3,534,446	-	-	**3,534,446**
कुल (क)	**89,569,226**	**153,912**	**2,224,919**	**91,948,057**	**95,104,776**	**1,141,368**	**2,525,136**	**98,771,279**
(ख) प्रावधान								
लेखा परीक्षा शुल्क के लिए प्रावधान	200,000	-	-	**200,000**	200,000	-	-	200,000
उपदान	-	-	-	-		-	-	-
अधिवर्षिता/पेंशन	-	-	-	-		-	-	-
संचित छुट्टी भुनाना	-	-	-	-		-	-	-
कुल (ख)	**200,000**	-	-	**200,000**	**200,000**	-	-	**200,000**
कुल (क+ख)	**89,769,226**	**153,912**	**2,224,919**	**92,148,057**	**95,304,776**	**1,141,368**	**2,525,136**	**98,971,279**

संलग्नक– 7(1)

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग
विविध अन्य लेनदार

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
विवरण	**राजस्व सामान्य**	**राजस्व सामान्य**
प्रलेखन आर्काइव्स – नाटकों के प्रलेखनों का डिजिटाईज़ेशन, फोटोग्राफ और ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग्स	20,000	3,345
रंगमंच समारोह/प्रदर्शनी	-	332,339
छात्र प्रस्तुति, अध्ययन एवं प्रशिक्षण व्यय	3,183,919	312,989
शोध कार्य और रानावि का प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में बुक शॉप का चलते रहना	222,747	299,706
अतिथि गृह का प्रावधान	221,383	67,152
छात्र हॉस्टल	85,593	3,000
शोध कार्य और रानावि का प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में बुक शॉप का चलते रहना	-	60,600
अन्य मद	26,620	16,080
बिजली एवं पानी का व्यय	-	501,639
अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह – भारत रंग महोत्सव जिसमें उत्तर–पूर्व में समानांतर भारंगम समारोह	10,120,284	72,175
अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह – जश्नेबचपन/बाल संगम साथ उत्तर–पूर्व क्षेत्र	224,264	707,000
रानावि का थियेटर–इन–एजूकेशन कंपनी (टाई. कं.)	333,263	302,804
रानावि रंगमंडल का विस्तार	2,521,828	8,675
पुस्तकालय, जर्नल्स और पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन्स का विस्तार, पुस्तकालय की देखरेख	-	5,951
आकस्मिक एवं कार्यालय व्यय	1,456,578	2,747,244
रानावि में उपलब्ध सुविधाओं में सुधार जिसमें इनके रख–रखाव और देखरेख शामिल हैं – सभागार और योगाहाल	486,194	91,170
सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	-	114,193
नृत्य, संगीत, लोक एवं रंगमंच का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह (टी एस पी)	591,434	849,234
रानावि में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन (राजभाषा)	34,997	2,750
छात्रों और अध्योताओं को छात्रवृत्तियाँ जिनमें प्रस्तुति अनुदान	212,863	-
परिसंपत्तियों के लिए जमा	408,283	25,009
सहयोगी रंगमंच समारोह – उत्तर–पूर्व समूहों की प्रतिभागिता	133,766	400,000
प्रकाश, ध्वनि, फोटोग्राफी, ऑडियो–वीडियो उपकरणों इत्यादि की वार्षिक देखरेख	-	116,938
रंगमंच कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें निर्देशन/नाटक तैयार करने के लिए उत्तर–पूर्व के क्षेत्र शामिल हैं! साथ ही मूल्यांकन पाठ्यक्रम	6,787,597	535,625
रानावि के बैंगलुरू प्रशिक्षण केन्द्र, बैंगलोर	-	148,512
कुल	**27,071,613**	**7,724,130**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची – 8 नियत परिसंपत्तियाँ

क्र.सं.	विवरण	मूल्य ह्रास की दर	कुल ब्लॉक				नैट ब्लॉक					
			वर्ष के आरंभ में मूल्य/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत में मूल्य/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
(क)	**नियत परिसंपत्तियां**											
1	फर्नीचर से जुड़ी वस्तुएँ एवं कार्यालय उपकरण	10%	30,331,640	6,764,395	-	**37,096,035**	12,627,691	2,041,846.61	-	14,669,538	22,426,497	17,703,949
2	प्रशिक्षण उपकरण	15%	6,066,136	-	-	**6,066,136**	5,207,328	128,821	-	5,336,149	729,987	858,808
3	छात्रावास का फर्नीचर एवं उससे जुड़ी वस्तुएं	10%	1,107,669	-	-	**1,107,669**	793,376	31,429	-	824,805	282,864	314,293
4	मंच उपकरण	15%	1,146,234	-	-	**1,146,234**	880,951	39,792	-	920,743	225,491	265,283
5	बाल रंगमंच उपकरण	10%	417,196	-	-	**417,196**	288,495	12,870	-	301,365	115,831	128,701
6	वाहन साधन	15%	493,002	-	-	**493,002**	476,498	2,476	-	478,974	14,028	16,504
7	पुस्तकालय की पुस्तकें	40%	9,219,582	4,819,682	-	**14,039,264**	4,859,125	2,670,016.08	-	7,529,141	6,510,123	4,360,457
8	रंगमंच कार्यशाला उपकरण	15%	516,908	-	-	**516,908**	489,593	4,097	-	493,690	23,218	27,315
9	संग्रहालय एवं प्रलेखन	10%	3,372,863	-	-	**3,372,863**	2,464,855	90,801	-	2,555,656	817,207	908,008
10	फिल्म एवं वीडियो कवरेज	10%	4,100,038	-	-	**4,100,038**	1,987,330	211,271	-	2,198,601	1,901,437	2,112,708
11	ध्वनि एवं दृश्य श्रव्य उपकरण	15%	23,109,811	1,458,744	-	**24,568,555**	16,374,988	1,146,488.64	-	17,521,477	7,047,078	6,734,823
12	प्रादेशिक केन्द्र उपकरण	15%	12,427,755	-	-	**12,427,755**	10,184,427	336,499	-	10,520,926	1,906,829	2,243,328
13	रंगमंडल के विस्तारण के लिए उपकरण	15%	2,667,047	-	-	**2,667,047**	2,242,360	63,703	-	2,306,063	360,984	424,687
14	व्यस्क बाल रंगमंडल उपकरण	15%	746,353	-	-	**746,353**	680,421	9,890	-	690,310	56,042	65,932
15	रंगमंच प्रदर्शनी/उत्सव उपकरण	15%	1,574,536	-	-	**1,574,536**	1,427,077	22,119	-	1,449,196	125,340	147,459
16	बुक शॉप उपकरण	15%	311,199	-	-	**311,199**	280,477	4,608	-	285,085	26,114	30,722
17	कम्प्यूटर एवं कम्प्यूटरीकृत सहायता	40%	32,055,483	5,145,198	-	**37,200,681**	25,461,375	3,737,235	-	29,198,610	8,002,071	6,594,108
18	प्रकाश एवं साउंड उपस्कर	15%	13,059,751	808,341	-	**13,868,092**	6,883,233	958,992	-	7,842,224	6,025,868	6,176,518
19	प्रकाशन उपकरण	15%	3,280,497	-	-	**3,280,497**	2,834,124	66,956	-	2,901,080	379,417	446,373
20	प्रकाशन उपकरण	15%	339,516	-	-	**339,516**	326,367	1,972	-	328,339	11,177	13,149
21	अतिथिगृह (फर्नीचर, जुड़ी हुई वस्तुएँ एवं कार्यालय उपकरण)	15%	70,228	-	-	**70,228**	64,761	820	-	65,581	4,647	5,467
22	विदेशी निर्देशक की छात्र प्रस्तुति	15%	138,375	-	-	**138,375**	121,645	2,510	-	124,154	14,221	16,730
23	खेल उपकरण	15%	318,515	157,766	-	**476,281**	214,801	20,138.81	-	234,940	241,341	103,714
24	बिजली के लिए उपकरणों की खरीद	15%	8,061,937	652,570	-	**8,714,507**	5,865,136	345,961.12	-	6,211,097	2,503,410	2,196,801
25	एयर कंडीशनर्स	15%	664,601	291,871		**956,472**	50,696	110,646.56	-	161,342	795,130	613,905
	कुल (क)		**155,596,870**	**20,098,567**	**-**	**175,695,437**	**103,087,126**	**12,061,959**	**-**	**115,149,086**	**60,546,352**	**52,509,744**
ख.	**सभागार एवं अन्य अचल संपत्तियां**											
1	बैंगलुरू में तीन एकड़ भूमि		1	-	-	**1**	-	-	-	-	1	1
2	बहावलपुर हाउस की 6.81 एकड़ भूमि		323,692,920	-	-	**323,692,920**	-	-	-	-	323,692,920	323,692,920
3	अभिमंच	10%	10,295,824	-	-	**10,295,824**	8,290,811	200,501	-	8,491,312	1,804,512	2,005,013
4	वातानुकूलन	15%	11,117,905	-	-	**11,117,905**	9,444,478	251,014	-	9,695,492	1,422,413	1,673,428
5	विद्युत प्रस्थापन	15%	8,701,275	506,664	-	**9,207,939**	5,934,226	415,196	-	6,349,422	2,858,517	2,767,049
6	सम्मुख	10%	4,101,914	-	-	**4,101,914**	2,112,446	198,947	-	2,311,392	1,790,522	1,989,468
7	अभिकल्प	10%	319,676	-	-	**319,676**	253,858	6,582	-	260,440	59,236	65,818
8	ध्वनि श्रव्य का विस्तार	15%	545,549	-	-	**545,549**	508,447	5,565	-	514,012	31,537	37,102
9	दीवार को ऊपर उठाना	10%	346,150	-	-	**346,150**	274,881	7,127	-	282,008	64,142	71,269
10	कॉमन रुम	10%	200,200	-	-	**200,200**	158,981	4,122	-	163,103	37,097	41,219
11	अस्थायी रंगमंच कार्यशाला	100%	806,051	-	-	**806,051**	806,051	-	-	806,051	-	-
12	पुरुष छात्रावास बैंगलुरू सेंटर	10%	32,854,000	-	-	**32,854,000**	999,122	3,185,487.84	-	4,184,609	28,669,391	31,854,878
13	बैंगलुरू सेंटर की बिल्डिंग	10%	-	10,065,000	-	**10,065,000**	-	2,758	-	2,758	10,062,242	-
14	पटटाधृति संशोधन	10%	36,799,254	4,171,849	-	**40,971,103**	18,965,758	1,808,212.03	-	20,773,970	20,197,133	17,833,496
15	सी डब्ल्यू आइ पी	0%	371,590,148	5,894,100	14,333,610	**363,150,638**	-	-	-	-	363,150,638	371,590,148
	कुल (ख)		**801,370,867**	**20,637,613**	**14,333,610**	**807,674,870**	**47,749,056**	**6,085,512**	**-**	**53,834,568**	**753,840,302**	**753,621,811**
	मुख्य योग (क+ख)		**956,967,738**	**40,736,180**	**14,333,610**	**983,370,308**	**150,836,183**	**18,147,471**	**-**	**168,983,654**	**814,386,654**	**806,131,555**
पिछला वर्ष			**828,412,795**	**166,703,664**	**38,148,721**	**956,967,738**	**137,909,980**	**12,926,203**	**-**	**150,836,183**	**806,131,555**	**690,502,815**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 9 – स्थायी निधि से निवेश	चालू वर्ष					पिछला वर्ष				
	निधि अनुसार विभाजन					निधि अनुसार विभाजन				
	नियत परिसंपतियां निधि	भवन निर्माण निधि	भविष्य निधि	लिगेसी निधि	कुल	नियत परिसंपतियाँ निधि	भवन निर्माण निधि	भविष्य निधि	लिगेसी निधि	कुल
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. डिबेंचर एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. सबसिडियरीज़ एवं संयुक्त वेंचर्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
– केनरा बैंक	-	-	11,157,347	-	**11,157,347**	-	-	60,657,347	-	**60,657,347**
– स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया	-	-	65,000,000	-	**65,000,000**	-	-	-	-	-
– आन्ध्रा बैंक	-	-	-	332,076	**332,076**	-	-	-	310,971	**310,971**
– यूको बैंक	-	-	-	-	-	-	-	11,206,908	-	**11,206,908**
कुल	**-**	**-**	**76,157,347**	**332,076**	**76,489,423**	**-**	**-**	**71,864,255**	**310,971**	**72,175,226**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 10 – निवेश–अन्य	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
	राजस्व सामान्य	चालू खाता II	सा.भ.नि.	राजस्व सामान्य	चालू खाता II	सा.भ.नि.
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-
3. शेयर्स	-	-	-	-	-	-
4. डिबेंचर एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-	-	-
5. सबसिडियरीज़ एवं संयुक्त वेंचर्स	-	-	-	-	-	-
6. न्यू पेंशन स्कीम	-	-	-	-	-	-
7. अन्य (स्पष्ट करना है)	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	-	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल
(क) चालू संपत्तियाँ								
1. सूची								
किताब घर	6,774,700	-	-	**6,774,700**	6,171,516	-	-	**6,171,516**
2. विविध देनदार								**-**
(क) 6 माह से ज्यादा की अवधि के लिए बकाया ऋण	797,474	-	375,587	**1,173,061**	797,474	-	375,587	**1,173,061**
(ख) अन्य	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
2. हाथ में नकद शेष (चैक/ड्राफ्ट और रकम)	2,475	-	-	**2,475**	33,978	-	1,358	**35,336**
4. बैंक शेष								**-**
(क) शैड्यूल बैंकों के साथ								**-**
– चालू खाते पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
– भारतीय स्टेट बैंक – 11084244052	6,347	-	-	**6,347**	10,464	-	-	**10,464**
– सावधि खाते पर (मार्जिन मनी को शामिल कर)	10,191,423	-	-	**10,191,423**	10,028,407	-	-	**10,028,407**
– बचत खाते पर								
– केनरा बैंक – बचत बैंक – 9003	57,196,736	-	-	**57,196,736**	23,121,115	-	-	**23,121,115**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – बैंगलूरू	10,429,437	-	-	**10,429,437**	6,165,637	-	-	**6,165,637**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – सिक्किम	3,698,418	-	-	**3,698,418**	3,736,226	-	-	**3,736,226**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – त्रिपुरा	2,772,408	-	-	**2,772,408**	469,173	-	-	**469,173**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – वाराणसी	1,172,557	-	-	**1,172,557**	647,523	-	-	**647,523**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – 608	-	-	261,830	**261,830**	-	-	269,311	**269,311**
– केनरा बैंक – स्टेट बैंक – ऑनलाइन बैंकिंग	200,000			**200,000**	200,000			**200,000**
– एक्सिस बैंक	13,239	-	-	**13,239**	12,783	-	-	**12,783**
– भारतीय स्टेट बैंक – 11084240331	-	7,942,416	-	**7,942,416**	-	9,521,895	-	**9,521,895**
– ट्रांजिट में फंड	79,765	-	-	**79,765**	79,765	-	-	**79,765**
(ख) नॉन शैड्यूल बैंक के साथ								
– चालू खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
– सावधि खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
– बचत खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
कुल (क)	**93,334,979**	**7,942,416**	**637,417**	**101,914,812**	**51,474,060**	**9,521,895**	**646,256**	**61,642,211**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

31.03.2020 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	
(ख) ऋण, अग्रिम व अन्य सम्पत्तियाँ								
1. ऋण								
(क.) स्टाफ								
अग्रिम खरीद	19,262,070	-	10,000	**19,272,070**	23,022,941	-	10,000	**23,032,941**
अग्रिम खरीद – थियेटर ओलम्पिक	-	-	-	**-**	934,578	-	-	**934,578**
अवकाश यात्रा रियायत/ उत्सव अग्रिम/ भवन निर्माण अग्रिम	525,996	-	-	**525,996**	492,157	-	-	**492,157**
कम्प्यूटर अग्रिम	316,841	-	-	**316,841**	342,401	-	-	**342,401**
सा. भ. नि. अग्रिम	-	3,969,452	-	**3,969,452**	-	3,388,549	-	**3,388,549**
सभागार्रों के साथ जमा राशि	-	-	-	**-**	1,900,000	-	-	**1,900,000**
(ख) अन्य								
– प्रशिक्षण सामग्री के लिए छात्र अग्रिम	11,800	-	2,120	**13,920**	11,800	-	2,120	**13,920**
– छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	-	-	2,253	**2,253**	-	-	44,341	**44,341**
– छात्र मैस अग्रिम	-	-	146,298	**146,298**	-	-	146,298	**146,298**
– वसूली योग्य मैस प्रभार	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
2. प्राप्त करने वाले मूल्य हेतु नकद या इसी तरह से वसूल की गई अन्य राशि और अग्रिम								
(क) एन.टी.पी.सी. से वसूली	-	-	-	**-**	540,000	-	-	**540,000**
(ख.) अन्य								
आय पर कर कटौती	3,142,595	-	-	**3,142,595**	4,611,148	-	-	**4,611,148**
सुरक्षा जमा	-	-	-	**-**	2,420,713	-	-	**2,420,713**
पेशगी दिया हुआ व्यय	4,880,143	-	-	**4,880,143**	18,616,898	-	-	**18,616,898**
मैस प्रभार में घाटा	-	-	1,498,362	**1,498,362**	-	-	1,730,160	**1,730,160**
मंत्रालय से प्राप्य सिंहस्था कुंभ–उज्जैन	750,000	-	-	**750,000**	750,000	-	-	**750,000**
वसूली योग्य प्रस्तुति शुल्क (साहित्य कला परिषद)	90,000	-	-	**90,000**	90,000	-	-	**90,000**
सी ए II से वसूली योग्य राशि	15,013	-	-	**15,013**	32,505		-	**32,505**
3. उपार्जित आय								
(क) चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश पर	-	5,721,255	-	**5,721,255**	-	10,424,311	-	**10,424,311**
(ख) अन्य–निवेश पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
4. प्राप्त होने वाले दावे								
(क) बकाया आय	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(ख) रा.ना.वि. से प्राप्य	-	789,847	-	**789,847**	-	584,831	17,492	**602,323**
(ग) प्राप्ति योग्य बीमा दावा	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(घ) संयुक्त सेवाओं के शेयर से वसूली योग्य राशि	1,126,261	-	-	**1,126,261**	2,069,914	-	-	**2,069,914**
(ङ.) वसूली योग्य राशि	3,307,130	-	-	**3,307,130**	3,359,701	-	-	**3,359,701**
कुल (ख)	**33,427,849**	**10,480,554**	**1,659,033**	**45,567,436**	**59,194,756**	**14,397,691**	**1,950,411**	**75,542,857**
कुल (क+ख)	**126,762,828**	**18,422,969**	**2,296,450**	**147,482,248**	**110,668,816**	**23,919,586**	**2,596,667**	**137,185,069**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 12 – बिक्री /सेवाओं से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	सामान्य राजस्व
1. बिक्री से आय	-	-
क. तैयार माल की बिक्री	-	-
ख. कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग. रद्दी माल की बिक्री	-	-
2. सेवाओं से आय	-	-
क. व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
ख. अन्य	-	-
ग. टिकट बिक्री	4,536,326	3,427,829
कुल	**4,536,326**	**3,427,829**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 13 – अनुदान/उपदान (गैर वसूली अनुदान व प्राप्त उपदान)	चालू वर्ष राजस्व सामान्य	पिछला वर्ष राजस्व सामान्य
1.केन्द्रीय सरकार (पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)		
(क) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के लिए	483,368,000	395,727,000
(ख) उत्तर पूर्वी क्षेत्र रंगमंच विकास गतिविधियाँ	135,000,000	139,460,000
(ग.) यूनिसेफ के लिए	-	-
(घ) राज्य सरकार, कर्नाटक से अनुदान	-	-
(ड.) थियेटर ओलम्पिक के लिए	-	-
(च) स्वच्छ भारत अभियान के लिए	1,125,000	1,500,000
(छ) जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए	-	3,839,000
(ज) स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक शो के लिए	-	100,000
घटा : अनुदान की वापसी	-	-
2. राज्य सरकार	5,500,000	-
3. सरकारी एजेंसियाँ	-	-
4. संस्थान/कल्याणकारी निकाय	-	-
5. अन्तरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य	-	-
जमा : वर्ष के आरंभ में अप्रयुक्त शेष	39,191,753	286,246,842
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (राजस्व सामान्य)	-	(3,534,446)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (उत्तर पूर्व)	(24,122,526)	(18,105,992)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (टैगोर कल्चर कॉम्पलैक्स)	(2,830,671)	(2,840,671)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (यूनिसेफ)	(999,769)	(1,065,769)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ)	(3,803,663)	(3,839,000)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (कर्नाटक सरकार द्वारा)	(10,748,713)	(9,805,875)
घटा : वर्ष के दौरान अनुदान का पूँजीकरण	-	-
कुल	**621,679,411**	**787,681,089**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के अंत के लिए आय एवं व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सूची 14 – शुल्क/अंशदान	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1. प्रवेश शुल्क	-	-
2. वार्षिक शुल्क/अंशदान	-	-
3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परामर्श शुल्क	-	-
5. अन्य	-	-
– छात्रों से शुल्क	1,432,690	1,729,971
– संस्कार रंग टोली प्रस्तुति शुल्क	40,000	50,000
– रंगमंडल प्रस्तुति शुल्क	906,000	213,800
कुल	**2,378,690**	**1,993,771**

	चिन्हित निधि द्वारा निवेश		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सूची 15 – निवेश से आय	सा.भ.नि./अं.भ.नि.	सा.भ.नि./अं.भ.नि.		
1. ब्याज				
(क) सरकारी सुरक्षाओं पर	-	-	-	-
(ख) अन्य बॉन्ड्स/डिबेन्चर्स	-	-	-	-
2. अन्य				
निवेश से ब्याज	5,490,191	57,19,165	-	-
घटा : सा.भ.नि. निधि में ट्रांसफर	(5,490,191)	(57,19,165)	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
चिन्हित/ स्थायी निधि में ट्रांसफर	**-**	**-**	**-**	**-**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	चालू वर्ष	
	राजस्व सामान्य	सामान्य राजस्व
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय		
– प्रकाशन बिक्री	410,672	539,590
– बाह्य प्रकाशन	611,401	791,985
– बुक शॉप काउन्टर बिक्री	222,363	316,526
– प्रोस्पैक्टस बिक्री	173,743	354,435
– ब्रोशर बिक्री	56,958	36,918
3. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**1,475,137**	**2,039,453**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 17 –अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	सामान्य राजस्व
1. आवधि जमा पर		
(क) शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	423,704	2,294,906
(ख) नॉन–शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	-	-
(ग) अन्य	-	-
2. बचत खातों पर		
(क) शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	3,599,504	4,825,454
(ख) नॉन शैड्यूल्ड बैंक के साथ	-	-
(ग) डाकघर बचत खाता	-	-
(घ) अन्य	-	-
कुल	**4,023,208**	**7,120,360**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सूची 18 – अन्य आय	राजस्व सामान्य	सामान्य राजस्व
विविध आय	1,378,974	2,627,419
सामग्री/भंडार की समाप्ति	336,902	182,550
प्रेक्षागृह प्रभार	58,000	158,000
कैसेट्स की बिक्री	-	1,700
वाहन अग्रिम पर ब्याज	6,040	-
एच बी ए (गृह निर्माण भत्ता) पर ब्याज	76,500	102,000
अतिथि गृह प्रभार	119,535	87,000
अन्य (एनटीपीसी पीएमआई)	2,182,921	197,835
पूर्व अवधि आय	25,000	286,528
कुल	**4,183,872**	**3,643,032**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	गैर योजना
सूची 19 –तैयार माल के स्टॉक में बढ़ोत्तरी (घटौती) एवं कार्य प्रगति पर		
समाप्त स्टॉक		
– तैयार माल (बुक शॉप)	6,774,700	6,171,516
– कार्य प्रगति पर	-	-
– अर्द्धस्थायी परिसंपत्तियाँ	-	-
घटा : प्रारंभिक स्टॉक		
– तैयार माल (बुक शॉप)	(6,171,516)	(7,093,124)
– कार्य प्रगति पर	-	-
– अर्द्धस्थायी परिसंपत्तियाँ	-	-
कुल बढ़त /(घटत) (क–ख)	**603,184**	**(921,608)**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 20 –स्थापना व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	गैर योजना
(क) वेतन, मज़दूरी और भत्ते	87,726,900	126,443,967
(ख) बोनस	-	-
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	1,180,686	-
(घ) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति एवं आवधिक लाभ पर व्यय	58,526,483	49,660,578
(ड.) अन्य		
शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति	1,270,333	-
अवकाश यात्रा भत्ता	326,903	542,536
चिकित्सीय दावों की प्रतिपूर्ति	2,529,323	-
शुल्क एवं मानदेय	4,317,818	-
वेतन का एरियर (7वां वेतन आयोग) नियमित कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को	1,976,694	45,378,062
कुल	**157,855,140**	**222,025,142**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
(क) फुटकर एवं कार्यालय व्यय	37,747,282	42,714,441
(ख) छात्र छात्रावास	19,316,519	16,546,501
(ग) अन्य शीर्ष	508,481	657,429
(घ) वाहन साधन	-	5,000
(ड.) अतिथि गृह का प्रावधान और रानावि केन्द्रों के कार्यालय परिसर	5,649,240	6,129,243
(च) विद्युत एवं जल व्यय	7,245,159	8,430,653
(छ) प्रस्तुति/रंगमंडल व बिल्डिंग ग्रांट एवं स्टूडियो थिएटर (संस्कृति मंत्रालय) की योजना	2,718,278	2,313,674
(ज) समिति के सदस्यों को टी ए एवं डी ए	-	5,240
कुल	**73,184,959**	**76,802,180**

(राशि रुपये)

अनुसूची 22 – अनुदान, उपदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
(क) संस्थान/संगठन को दिया गया अनुदान	-	-
(ख) संस्थान/संगठन को दिया गया उपदान	-	-
कुल	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 23 – मूल्य ह्रास	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(क) नियत परिसंपत्तियां	12,061,959	9,278,468
(ख) प्रेक्षागृह एवं अन्य अचल संपत्तियां	6,085,512	3,647,735
कुल	**18,147,471**	**12,926,203**
घटा : नियत संपत्ति निधि/भवन निर्माण निधि में स्थानांतरण	**(18,147,471)**	**(12,926,203)**
कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 24 — पदोन्नति एवं प्रचार–प्रसार गतिविधियाँ **क. राजस्व सामान्य**	चालू वर्ष राजस्व सामान्य	पिछला वर्ष राजस्व सामान्य
1. प्रकाश, ध्वनि, फोटोग्राफी, ऑडियो, वीडियो उपकरणों इत्यादि का वार्षिक रखरखाव	703,214	470,953
2. ब. व. कारंत और मनोहर सिंह स्मृति पुरस्कार	467,832	4,077,529
3. बाल रंगमंच कार्यशालाएं — दिल्ली और दिल्ली के बाहर भी	3,474,366	2,216,572
4. सहयोगी एवं प्रत्योजित प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शन जिनमें डिस्प्ले/प्रदर्शिनियाँ इत्यादि शामिल हैं	876,883	1,120,210
5. सहयोगी रंगमंच समारोह — उत्तर पूर्व समूहों की प्रतिभागिता	327,424	1,768,815
6. सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	1,637,813	3,473,556
7. प्रलेखन, आरकाइव्स — दस्तावेज़ों का डिजीटाईजेशन, फोटोग्राफ, नाटकों की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग्स	218,556	1,607,016
8. पुस्तकालय, जर्नल्स और पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन्स का विस्तार और पुस्तकालय की देखरेख	814,050	672,898
9. रानावि रंगमंडल का विस्तार	18,658,862	1,392,8261
10. रानावि राजभाषा योजना का कार्यान्वयन (राजभाषा)	583,727	801,958
11. रानावि में सभागारों और योगा हॉल में मौजूद सुविधाओं में सुधार जिनमें इनकी देखरेख शामिल है	2,773,218	2,867,514
12. अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह — जश्नेबचपन/बाल संगम जिनमें उत्तर–पूर्व क्षेत्र शामिल हैं	12,649,457	2,189,1423
13. अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह– भारत रंग महोत्सव जिसमें उत्तर–पूर्व का समानांतर भारंगम समारोह शामिल है	100,524,001	116,305,025
14. लेजेंड्स–ई–अल्काज़ी अध्यक्ष अध्येतावृत्ति योजना/कलाकार आवासीय योजना में	610,985	293,378
17. रानावि का बैंगलुरू प्रशिक्षण केन्द्र, बैंगलुरू	18,692,599	13,113,546
16. रानावि का शास्त्रीय रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, वाराणसी जिसमें शास्त्रीय नाटकों के रानावि का समारोह शामिल है	9,342,556	6,763,320
17. उत्तर–पूर्व क्षेत्र में रानावि का पूर्वोत्तर नाट्य समारोह	6,791,349	35,697,307
18. रानावि का सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक	21,842,459	17,067,079
19. रानावि की थियेटर इन एजूकेशन कंपनी (टाई कं.)	11,879,606	3,348,448
20. रानावि का टाई विंग रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, अगरतला, त्रिपुरा	20,983,622	18,455,675
21. नुक्कड़ नाटक शो, स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अभियान	-	100,000
22. पूर्वाविधि व्यय	5,940,886	10,218,115
23. रानावि का शोध कार्य एवं प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में किताब घर चलाना	4,257,318	2,945,497
24. छात्रों और अध्येताओं को छात्रवृत्ति जिसमें प्रस्तुति अनुदान शामिल है	10,652,607	9,270,474
25. उत्तर–पूर्व क्षेत्र में रानावि टाई कं. एवं रानावि रंगमंडल के प्रदर्शन	3,115,000	9,087,997
26. शैक्षिक वर्ष के लिए नए बैच के छात्रों का वार्षिक दाखिला	11,272,631	11,484,830
27. छात्र प्रस्तुति अध्ययन एवं प्रशिक्षण व्यय	16,339,362	11,448,352
28. टैगोर कल्चरल कॉम्पलैक्स (राष्ट्रीय मूल्यांकन समिति) संस्कृति मंत्रालय	10,000	21,581
29. टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (संस्कृति मंत्रालय)	760,080	405,000
30. शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यवृत्त (नाट्यकला में तीन वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा)	34,365,481	30,978,721
31. रंगमंच ओलम्पिक्स	-	109,612,943
32. निर्देशन/नाटक तैयार करने में रंगमंच कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें उत्तर–पूर्व क्षेत्र शामिल हैं साथ ही मूल्यांकन पाठ्यक्रम भी	10,549,264	7,624,648
33. रानावि की उत्तर–पूर्व गतिविधियों से संबंधित सूचना को अपलोड करने के लिए उत्तर–पूर्व की गतिविधियों के लिए वैबसाइट बनाना जिसमें सॉफ्टवेयर मेंटेनेंस शामिल है	379,960	112,100
34. जलियावाला बाग 100 वर्षीय जश्न प्रस्तुति व्यय	35,337	-
35. विभिन्न उत्सव, कार्यशालाएं इत्यादि उत्तर–पूर्व क्षेत्र में, स्थापना एवं निष्पादन	50,919,743	31,080,604
कुल (क)	**382,450,247**	**500,331,345**
ख नृत्य, संगीत, लोक एवं रंगमंच (टीएपी) का राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव	16,232,351	57,396,999
ग स्वच्छ भारत अभियान	1,125,000	1,500,000
कुल (क+ख+ग)	**399,807,598**	**559,228,344**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

31.03.2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 25 – ब्याज	राजस्व सामान्य	गैर योजना
(क) नियत ऋण पर	-	-
(ख) अन्य ऋण (बैंक प्रभारों के साथ) पर	-	-
(ग) अन्य (उल्लेख करना है)	-	-
कुल	-	-
कुल योजना एवं गैर योजना	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
01.04.2019 से 31.03.2020 तक की अवधि के राजस्व सामान्य की रसीद एवं भुगतान

(राशि रुपये)

I	प्राप्तियाँ आरम्भिक शेष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	I	भुगतान व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	(क) हाथ रोकड़	33,978	44,128		(क) स्थापना व्यय (सूची 20 के अनुसार)	184,208,069	207,817,396
	(ख) बैंक शेष				(ख) प्रशासनिक व्यय (सूची 21 के अनुसार)	72,823,900	75,020,127
	(1) चालू खाते में	-	-	II	**विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए फंड के एवज में भुगतान**		
	(2) जमा खाते में	1,590,000	3,212,500		– सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ (सूची 24 के अनुसार)	382,061,448	613,271,414
	(3) बचत खाते में	34,362,920	394,845,041				
				III	**निवेश एवं जमा**		
					(क) चिन्हित और स्थायी निधि में से	-	-
II	**प्राप्त अनुदान**				(ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)	57,000,000	-
	(क) भारत सरकार से						
	– पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय			IV	**नियत संपत्तियाँ एवं पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय**		
	– संस्कृति विभाग से	483,368,000	395,727,000		(क) नियत संपत्तियों की खरीद	26,019,296	12,613,041
	– संस्कृति विभाग से (पूंजी अनुदान)	40,000,000	89,707,000		(ख) पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय	-	-
	– संस्कृति विभाग से (राष्ट्रीय थियेटर ओलम्पिक्स)	-	-				
	– उत्तर पूर्वी क्षेत्र की रंगमंचीय विकास गतिविधियां – संस्कृति विभाग	135,000,000	139,460,000	V	**अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**		
	– स्वच्छ भारत अभियान से अनुदान	1,125,000	1,500,000		त्यौहार अग्रिम	-	22,500
	– जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ के लिए अनुदान	-	3,839,000		वाहन अग्रिम	-	-
	– स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन के लिए अनुदान	-	100,000		यात्रा किराया भत्ता अग्रिम	335,130	504,000
					कम्प्यूटर अग्रिम	-	48,990
	(ख) राज्य सरकार				भवन निर्माण अग्रिम	-	-
	– राज्य सरकार, बैंगलूर केन्द्र	5,500,000	-		एन.टी.पी.सी / पी.एम.आई / सहयोजित रंगमंच कार्यशाला लेखा	1,638,124	882,165
					खरीद अग्रिम	131,227,027	146,312,677
III	**प्राप्त ब्याज**				पिछले वर्ष खरीद अग्रिम	-	8,500
	(क) बैंक डिपॉजिट पर	4,023,208	9,614,080		आयकर कटौती	23,746,755	31,498,840
	(ख) ऋण, अग्रिम इत्यादि	-	-		आयकर वसूली	818,865	137,746
IV	**अन्य आय**				संयुक्त सेवा वसूली	812,710	1,503,572
	– छात्रों द्वारा शुल्क	1,432,690	1,729,971		सामूहिक बीमा	306,357	694,975
	– रंगमंच कार्यशाला के लिए शुल्क	-	-		स्टाफ की एल.आई.सी. किश्तें	484,797	466,416
					कर्मचारी कल्याण निधि	99,055	102,355
V	**निवेश का नकदीकरण**				केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से कार्य जमा	-	3,368,254
	निवेश का नकदीकरण	57,000,000	-		पुनर्विकास खाता के.लो.नि.वि.	-	100,000,000
	निवेश का नकदीकरण वैंगलूर (2015–16) कान्ट्रा के अनुसार	8,438,407	-		सा.भ.नि. / अ.भ.नि. को देय	-	-
					सिक्योरिटी जमा वापसी	(1,073,284)	-
VI	**अन्य प्राप्तियाँ**				न्यू पैंशन स्कीम	2,984,355	2,249,836
					पूर्वदत्त व्यय खाता	827,904	31,462,522
	(क) पुस्तकालय पुस्तकों की लागत से वसूली	13,199	-		पूर्व अवधि व्यय	-	-
	(ख) छात्रावास किराया व अन्य प्रभार	119,535	87,000		सभागार बुक करने के लिए जमा	-	1,900,000
	(ग) अप्रयोज्य सामग्री का निपटान	336,902	182,550		बैंगलूर केन्द्र छात्रावास पुन: तैयार करने के लिए अतिरिक्त अग्रिम	-	13,419,000
	(घ) बिक्री (प्रोस्पेक्टस / आवेदन पत्र)	173,743	354,435		अन्य वसूलियाँ	-	-
	(ङ) टिकट बिक्री	1,596,633	3,427,829		एन टी पी सी से वापस भुगतान के लिए	-	540,000
	(च) प्रस्तुति शुल्क	946,000	263,800		भुगतान राशि सा. भ. नि. / सहयोगी भविष्य निधि	-	3,379,735
	(छ) अग्रिम की वसूली						
	– वाहन अग्रिम	25,011	29,496				
	– गृह निर्माण अग्रिम	68,750	86,250				

	– त्यौहार अग्रिम	5,400	19,250	V			
	– कम्प्यूटर अग्रिम	25,560	4,260		**अंत शेष**		
	– छुट्टी यात्रा रियायत	202,130	517,297		(क) हाथ रोकड़	2,475	33,978
	(ज) विविध प्राप्तियाँ	5,606,862	4,312,437		(ख) बैंक बकाया		
	(झ) पुस्तकालय पुस्तकों की अतिरिक्त लागत वसूली	-	-		1. चालू खाते में	-	-
	(ञ) गृह निर्माण अग्रिम पर ब्याज	76,500	102,000		2. जमा खाते में	10,191,423	1,590,000
	(ट) वाहन अग्रिम पर ब्याज	6,040	-		3. बचत खाते में	75,489,142	34,362,920
	(ठ) प्रेक्षागृह प्रभार	58,000	158,000		(ग) ट्रांजिट फंड	-	-
	(ड) कैंसर्टो की बिक्री	-	1,700				
	(ढ) एन.टी.पी.सी./पी.एम.आई. सहयोजित रंगमंच कार्यशाला का लेखा	3,821,045	1,080,000				
	(ण) पूर्व अवधि आय/समायोजन कॉट्रा	25,000	286,528				
IX	**अन्य शीर्ष बजट से संबंधित न हों**						
	खरीद अग्रिम	127,394,194	158,611,325				
	पूर्व वर्ष खरीद अग्रिम	8,528,282	2,333,070				
	आयकर कटौती	22,803,990	32,425,750				
	न्यू पैंशन योजना	3,763,762	2,416,904				
	समूह बीमा	403,075	694,975				
	अवकाश वेतन एवं पैंशन सहयोग	(153,581)	-				
	सुरक्षा जमा	100,000	100,000				
	कर्मचारी कल्याण निधि	99,460	102,355				
	अवधान राशि त्रिपुरा केन्द्र	-	140,120				
	जीवन बीमा कर्मचारी प्रिमियम	484,797	466,416				
	संयुक्त सेवा–वसूली योग्य	1,756,363	435,728				
	आयकर वापसी	2,287,418	-				
	जीएसटी देय (SGST/CGST/IGST)	345,600	-				
	भुगतान किए गए व्यय का लेखा	14,564,659	31,792,764				
	संभागार बुक करने के लिए जमा राशि	1,900,000	3,000,000				
	एनटीपीसी से प्राप्त राशि	540,000	-				
	स.भ.नि./अ.भ.नि. को भुगतान	205,016	-				
	कुल	**970,003,548**	**1,283,210,959**			**970,003,548**	**1,283,210,959**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को चालू खाता – II का तुलन पत्र

(राशि रुपये)

दायित्व	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		परिसंपत्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
चालू खाता II निधि						
लिगेसी निधि	**403,607**	382,502		**विविध देनदार**		
				(क) छः माह से ज्यादा अवधि के लिए बकाया ऋण	**375,587**	375,587
स्वीकार्य				(ख) अन्य		
प्रतिभूति जमा–टेंडर/कोटेशन्स	**11,000**	11,000		**निवेश**	**-**	-
				आन्ध्रा बैंक	**332,076**	310,971
छात्रों का पूर्व जमा शुल्क एवं प्रतिभूति जमा आदि	**58,986**	58,986		**बैंक शेष**		
छात्र, कलाकार एवं अन्य जमा	**814,530**	1,089,530		केनरा बैंक–एस.बी.–608	**261,830**	269,311
छात्र अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**829,090**	856,090		रोकड़ हाथ में	**-**	1,358
प्रशिक्षु प्रतिभूति जमा	**165,400**	148,525				
रंगमंडल एवं संस्कार रंग टोली कलाकार प्रतिभूति जमा	**36,300**	31,900		**ऋण एवं अग्रिम**		
मैस सुरक्षा जमा	**294,600**	294,600		प्रशिक्षण सामग्री के लिए छात्र अग्रिम	**2,120**	2,120
				छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**2,253**	44,341
कान्ट्रा के अनुसार, बकाया प्राप्तियां	**-**	2,000		छात्र मैस अग्रिम	**146,298**	146,298
राजस्व सामान्य के देय	**15,013**	32,505		खरीद अग्रिम	**10,000**	10,000
				राजस्व सामान्य से वसूली योग्य	**-**	17,492
				मैस प्रभार – कमी	**1,498,362**	1,730,160
कुल	**2,628,526**	**2,907,638**		**कुल**	**2,628,526**	**2,907,638**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली

01.04.2018 से 31.03.2020 तक की अवधि के लिए (चालू खाता II) की प्राप्ति और भुगतान

(राशि रुपये)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I.	**प्रारंभिक शेष**			I	व्यय		
	(क) हाथ रोकड़	**1,358**	153		(क) स्थापना व्यय	**-**	-
	(ख) बैंक शेष	**-**	-		(ख) प्रशासनिक व्यय	**-**	-
	(3) बचत खाते में	**269,311**	226,077	III	विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए फंड के एवज में भुगतान निवेश एवं जमा	**-**	-
II	**प्राप्त अनुदान**				(क) चिन्हित/स्थायी निधि में से		
	(क) भारत सरकार से	**-**	-		(ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)		
	(ख) राज्य सरकारों से	**-**	-				
	(ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	**-**	-	IV	अन्य भुगतान (उल्लेख करें)	**-**	-
					क्रय अग्रिम	**50,000**	22,000
III	**निम्न निवेशों से आय**				– रंगमंडल एवं टाई कलाकार प्रतिभूति जमा	**-**	3,400
	(क) चिह्नित/स्थायी निधि	**-**	-		– प्रशिक्षु सुरक्षा जमा	**45,000**	7,500
	(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	**-**	-		– अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**270,000**	207,000
				V	– मैस सुरक्षा जमा	**-**	-
IV	**प्राप्त ब्याज**			VI	विविध जमा	**485,000**	340,000
	(क) बैंक डिपॉजिट पर	**-**	-		मैस प्रभार	**2,465,194**	2,673,557
	(ख) बैंक बचत खाते पर	**10,553**	12,212		अग्रिमों की वापसी	**-**	-
					– छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**65,804**	206,000
V	**उधार ली गई राशि**	**-**	-		– छात्र मैस अग्रिम	**1,165,000**	-
VI	**अन्य प्राप्तियाँ**			VII	**अंत शेष**		
	(क) छात्र, कलाकार एवं अध्येता प्रतिभूति जमा एवं निवेश	**-**	-		(क) हाथ रोकड़	**-**	1,358
	– रंगमंडल एवं संस्कार रंगटोली कलाकार प्रतिभूति जमा	**4,400**	6,400		(ख) बैंक शेष	**-**	-
	– शिशु अध्येता सुरक्षा जमा	**61,875**	37,500		i जमा खाते में	**-**	-
	– अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**243,000**	234,000		ii बचत खाते में	**261,830**	269,311
	– मैस प्रतिभूति जमा	**-**	-				
	– छात्रों का पूर्व जमा व सुरक्षा जमा खाता	**-**	-				
	(ख.) विविध जमा	**210,000**	415,000				
	(ग.) अन्य जमा	**-**	-				
	(ड.) मैस प्रभार	**2,684,439**	2,558,369				
	(च.) चिकित्सीय दावों की प्रतिपूर्ति	**-**	-				
	(छ.) अग्रिमों को वापस लेना						
	– छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**107,892**	208,500				
	– छात्रों के मैस अग्रिम	**1,165,000**	-				
	– खरीद अग्रिम	**50,000**	22,000				
	(ज.) फुटकर प्राप्तियां	**-**	9,915				
	कुल	**4,807,828**	**3,730,126**		**कुल**	**4,807,828**	**3,730,126**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 तक सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की तुलन पत्र

(राशि रुपये)

दायित्व	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि				**निवेश**		
सा.भ.नि./अं.भ.नि. का आरंभिक शेष	**83,784,193**	87,832,159		केनरा बैंक	**11,157,347**	60,657,347
				सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	**65,000,000**	-
निधि में जमा				यूको बैंक	**-**	11,206,908
1. सा.भ.नि. में कर्मचारी अंशदान	**11,840,570**	12,826,131				
2. सा.भ.नि. खाते में ब्याज जमा	**5,785,147**	4,210,132				
3. अतिरिक्त संचय से ट्रांसफर	**1,366,782**	-		**बैंक शेष**		
				हाथ रोकड़	**-**	-
निधि से कटौतियां :				एस.बी.आई. खाता सं. 01100/400161	**7,942,416**	9,521,895
1. कर्मचारियों और कलाकारों को अंतिम भुगतान	**16,683,794**	16,222,610				
2. स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	**2,465,000**	4,770,000				
3. अदावित लेखा में स्थानांतरण	**153,912**	91,619				
				ऋण एवं अग्रिम		
सा.भ.नि./अ.भ.नि. का अंत शेष	**83,473,986**	83,784,193		सा.भ.नि. अग्रिम	**3,969,452**	3,388,549
				निवेशों पर प्राप्त ब्याज	**5,721,255**	10,424,311
अदावित बकाया	**153,912**	1,141,368		रा.ना.वि. से प्राप्य योग्य	**789,847**	584,831
अविनियोजित ब्याज	**10,952,418**	10,858,280				
कुल	**94,580,316**	**95,783,841**		**कुल**	**94,580,316**	**95,783,841**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
01.04.2019 से 31.03.2020 तक सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपये)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I.	**प्रारंभिक शेष**			I	**व्यय**		
	(क) हाथ रोकड़	-	-		(क) स्थापना व्यय	-	-
	(ख) बैंक शेष				(ख) प्रशासनिक व्यय	**179**	1,917
	(i) जमा खाते में	**70,063,645**	82,263,645				
	(ii) बचत खाते में	**9,521,895**	465,107	II	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	-
	(iii) ट्रांजिट में निधि	-	-				
II	**निवेश का नकदीकरण (कांट्रा के अनुसार)**	**1,800,610**	-	III	**अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**		
					विविध अग्रिम		
III	**निम्न निवेशों से आय**	-	-		– सा.भ.नि./अ.भ.नि. अग्रिम	**2,367,955**	944,895
	(क) चिह्नित/स्थायी निधि	-	-		– स्टाफ, कलाकारों को अंतिम भुगतान	**16,683,794**	16,222,610
	(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)				– स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	**2,465,000**	4,770,000
					अदावित शेर्षों का भुगतान	-	173,584
IV	**प्राप्त ब्याज**				वसूली योग्य आयकर		
	(क) बैंक जमा राशि पर	**10,196,472**	1,111,530		रा.ना.वि. से वसूली योग्य	**218,899**	-
	(ख) ऋण, अग्रिम आदि पर	-	-				
	(ग) एफ डी आर के ब्रेक होने पर जमा ब्याज	-	-				
	(घ) बचत बैंक पर	**370,143**	185,272	IV	**अंत शेष**		
					क) हाथ रोकड़	-	-
V	**(क) चिन्हित/स्थायी निधि**				(ख) बैंक शेष	-	-
	– कर्मचारियों और कलाकारों से अंशदान	**11,840,570**	12,826,131		1. जमा खाते में	**76,157,347**	70,063,645
	– सा.भ.नि./अं.भ.नि. अग्रिम की वापसी	**1,787,052**	1,467,126		2. बचत खाते में	**7,942,416**	9,521,895
	(ख) राजस्व सामान्य (एन.एस.डी) से वसूची योग्य	**255,203**	3,379,735		3. ट्रांज़िट में निधि	-	-
	कुल	**105,835,590**	**101,698,546**		**कुल**	**105,835,590**	**101,698,546**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

(सहयोगी) सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप–रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2020 को निवेश की स्थिति

क्रम	बैंक का नाम	एफ डी आर/के डी आर संख्या	जारी करने की तिथि	एफ डी आर/के डी आर राशि	मियाद होने पर /मियाद पूर्व मूल्य	मियाद पूर्ण/मियाद पूर्व होने की तिथि	उपार्जित ब्याज 31.03.2019 तक	वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	आयकर कटौती वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान	उपार्जित ब्याज 31.3.2019 तक
वर्ष के दौरान बनाया गया एफडीआर – मियाद के लिए संघटित											
1	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803082855	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
2	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803081840	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
3	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803083814	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
4	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803083813	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
5	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803080198	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
6	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38803076782	27 सितंबर–19	9,900,000	11,260,159	25 सितंबर–21	-	333,394	-	33,339	300,055
7	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38802768141	27 सितंबर–19	5,600,000	6,369,383	25 सितंबर–21		188,587	-	18,859	169,728
8	केनरा बैंक	2417401005702/9	12 सितंबर–18	11,157,347	12,630,718	12 सितंबर–20	730,227	733,873	-	73,387	1,390,713
		कुल		**76,157,347**	**86,561,055**		**730,227**	**2,922,824**	**-**	**292,282**	**3,360,768**
एफडीआर बनाया गया और वर्ष के दौरान मियाद पूर्ण											
1	केनरा बैंक	2417401005702/2	12 सितंबर–16	9,900,000	11,753,847	10 मई–19	1,897,223	74,536	1,846,393	7,454	-
2	केनरा बैंक	2417401005702/3	12 सितंबर–16	9,900,000	12,372,189	12 सितंबर–19	1,897,223	401,208	2,432,068	40,121	-
3	केनरा बैंक	2417401005702/4	12 सितंबर–16	9,900,000	12,372,189	12 सितंबर–19	1,897,223	401,208	2,432,068	40,121	-
4	केनरा बैंक	2417401005702/5	12 सितंबर–16	9,900,000	12,372,189	12 सितंबर–19	1,897,223	401,208	2,432,068	40,121	-
5	केनरा बैंक	2417401005702/6	12 सितंबर–16	9,900,000	12,372,189	12 सितंबर–19	1,897,223	401,208	2,432,068	40,121	-
6	यूको बैंक	18250310072929	09 सितंबर–18	11,206,908	11,932,912	09 दिसंबर–19	207,969	518,035	726,004	-	-
		कुल		**60,706,908**	**73,175,515**		**9,694,084**	**2,197,403**	**12,300,670**	**167,937**	**-**

31.3.2020 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय लेखा का सूची भाग

अनुसूची 26 – विशिष्ट लेखा नीति

1. लेखा पद्धति

जब तक लेखा की उपार्जित पद्धति न दी गई हो वित्तीय विवरण परंपरागत पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

2. निवेश

2.1 निवेश जो कि ''दीर्घावधि निवेश'' के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं, लागत पर आधारित हैं। अस्थायी के अतिरिक्त हानि का प्रावधान ऐसे निवेशों के मूल्यों से किया जाता है।

2.2 निवेश जो कि ''चल निवेश'' के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं वे लागत से कम एवं स्पष्ट मूल्य से किये जाते हैं। ऐसे निवेशों के मूल्यों पर न्यूनता के लिए प्रत्येक निवेश हेतु प्रावधान एक–एक करके किया जाता है न कि व्यापक आधार पर।

2.3 मूल्य में अधिकरण / अर्जन व्यय जैसे दलाली, स्टाम्प अंतरण शामिल है।

3. नियत संपत्तियाँ

3.1 नियत संपत्तियाँ के अर्जन के मूल्य को संचित मूल्य ह्रास कम कर दिखाया जाता है। जिसमें आन्तरिक भाड़ा शुल्क, ड्यूटी एवं कर व अर्जन से संबंधित आकस्मिक व प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं। ऐसी परियोजनाएं जिनमें निर्माण कार्य, पूर्व परिचालित व्यय (विशेष परियोजना पूर्ण होने से पहले दिए गए ऋण पर ब्याज को शामिल करते हुए) शामिल हैं, वे संपत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में परिणत होती हैं।

3.2 नियत संपत्तियां जो कि संग्रहित निधि के अलावा गैर वित्तीय अनुदान के ज़रिए प्राप्त होती हैं दिए गए मूल्यों में पंजीकृत की जाती हैं जो कि आरक्षित पूंजी के समरूप जमा होती हैं।

3.3 वर्ष के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की निर्धारित संपत्तियां जिनकी राशि रु. 5,000 / – या उससे कम है उनकी आय एवं व्यय लेखा का प्रभार लिया जाएगा।

4. वस्तु सूची का मूल्य निर्धारण

वस्तु सूची का मूल्य निर्धारण खरीद की वास्तविक लागत से किया जाता है। वस्तु सूची की लागत जिसकी वसूली नहीं की जा सकती, उसका राजस्व में से प्रभार लिया जाता है।

5. मूल्य ह्रास

आयकर नियम के प्रावधानों के अनुरूप ही मूल्यह्रास दर्शाया जाता है और ये मूल्यह्रास की लिखित पद्धति पर इसमें दी गई दरों पर आधारित होता है। संबंधित नियत संपत्तियों के अधिग्रहण के वर्ष में पूरे वर्ष के लिए मूल्य ह्रास का प्रभार यथानुपात लिया जाएगा।

6. सरकारी अनुदान/उपदान

6.1 प्रोजेक्ट्स को तैयार करने में लागत पूंजी जिस सरकारी अनुदान से अंशदान के रूप में दी गई है उसे आरक्षित पूंजी के रूप में माना जाता है।

6.2 सरकारी अनुदान/ उपदान वसूली के आधार पर लिया जाता है।

7. विदेशी मुद्रा संचालन

7.1 विदेशी मुद्रा में अंकित मूल्य, वर्तमान में मौजूद विनिमय की दर पर लेन–देन की तिथि से प्रभावी माना जाता है।

7.2 चालू संपत्तियां, विदेशी मुद्रा ऋण और चालू दायित्व जो कि वर्ष के अंत में मौजूदा विनिमय दर पर परिवर्तित किए जाते हैं और यदि विदेशी मुद्रा दायित्व, नियत संपत्तियों और अन्य मामले जो कि राजस्व से संबंधित है, तब परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ/हानि का समायोजन नियत संपत्तियों के मूल्य से किया जाता है।

8. सेवानिवृति लाभ

मृत्यु/सेवानिवृत पर दिए जाने वाला उपदान एवं विद्यालय के कर्मचारियों की जमा छुट्टियों को भुनाने के लाभ नकद आधार पर किए जाते हैं।

अनुसूची 27 – 31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए आकस्मिक दायित्व और लेखा पर टिप्पणी

क. आकस्मिक दायित्व

1.1 विद्यालय पर दावे जो कि ऋण रूप में नहीं माने गए हैं – रुपये शून्य (पिछले वर्ष – रु. शून्य)

1.2 निम्न के संबंध में

– विद्यालय द्वारा / विद्यालय की तरफ से दी गई बैंक गारंटी – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

– विद्यालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए जमा पत्र – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

– बैंकों से बिलों में दी गई छूट – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

1.3 निम्न के संबंध में विवादित माँग

आयकर–रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य) बिक्री कर–रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य) नगर पालिका कर रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

1.4 पार्टियों द्वारा आदेशों के गैर निष्पादन लेकिन विद्यालय द्वारा विरोधित दावों के संबंध में रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

2. पूँजी सुपुर्दगी

पूँजी खाते में से संविदाएँ जो कि निष्पादित करनी रह रही हैं और उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं का अनुमानित मूल्य (अग्रिम का शुद्ध मूल्य)– रूपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये शून्य)

ख. लेखाओं की टिप्पणियाँ

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसाइटी है और पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। अतः इसकी लेखा योजनाएँ अधिकतर जी एफ आर और आर एंड पी नियमों पर आधारित है। विद्यालय के लेखा सिद्धांत व योजनाएँ संक्षिप्त रूप में निम्न प्रकार से हैं :–

1. चालू संपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन के अनुसार चालू संपत्तियां, ऋण और अग्रिम की व्यापार के साधारण क्रम में वसूली कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होती है। 31.3.2020 को खरीद अग्रिम का शेष मुख्यतः हाल की अवधि की अंतिम तिमाही में आयोजित किए जाने वाले रंगमंच उत्सवों और अन्य नाटकों के प्रस्तुति कार्यक्रम इत्यादि के लिए कर्मचारियों/रंगमंच समूहों/रंगमंच कार्यशालाओं के कैंप निर्देशकों को दिए जाने वाले अग्रिम हैं।

2. कराधान

आयकर अधिनियम 1961 के तहत गैर कराधीन आय को ध्यान में रखते हुए आयकर का कोई भी प्रावधान जरूरी नहीं माना गया है। विद्यालय को आयकर निदेशालय (रियायत) द्वारा आयकर नियम 12 'ए' के अंतर्गत आदेश सं. डी आई टी (ई)/12 ए/2005–06/ एन–873/1264 दिनांक 15.12.2005 से पंजीकृत किया गया है जो कि आयकर निदेशक (रियायत) द्वारा 01.04.2005 से लागू है।

3. विदेशी मुद्रा का लेन–देन

3.1 सीआईएफ के आधार पर आयात के मूल्य पर की गई गणना

तैयार माल की खरीद	शून्य
कच्चा माल एवं इससे संबंधित अन्य सामग्री	शून्य
(लाने–ले जाने के प्रभार को शामिल करते हुए)	शून्य
पूँजीगत माल	शून्य
जमा किया गया, अतिरिक्त एवं खपत माल	शून्य

3.2 विदेशी मुद्रा में व्यय

(क)	यात्राएँ	शून्य
(ख)	टीए/डीए –	रु. 30,024/–
(ग)	विदेशी समूहों को प्रदर्शन शुल्क	रु. 17,54,400/–
(घ)	वित्तीय संस्थान/बैंक को प्रेषित धन एवं ब्याज का भुगतान विदेशी मुद्रा में	शून्य

(ग)	अन्य व्यय	शून्य
	बिक्री पर कमीशन	शून्य
	वैधिक व व्यावसायिक व्यय	शून्य
	फुटकर व्यय	शून्य
3.3	उपार्जित राशि	
	एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य
	सेवाओं का मूल्य	शून्य

4. हमारे विद्यालय पर लागू होने वाले वित्तीय विवरण को सी ए जी द्वारा दिए गए निर्धारित प्रपत्र में दर्शाया गया है।

5. मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय उपदान एवं जमा की गई छुटियों के नकदीकरण के लाभ के प्रति दायित्व सेवानिवृति के वर्ष में ही भुगतान के आधार पर ही माना गया है और इन दायित्वों को पूरा करने के लिए फंड के आवश्यक प्रावधान संबंधित वर्ष के गैर–योजना सहायता अनुदान (आवर्ती) के बजट में माना गया है। सेवानिवृत कर्मचारियों और उनके परिवारों की मासिक पेंशन स्थापना व्यय से मानी जाती है जिसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

6. निधि के स्त्रोत

विद्यालय के गैर योजना और योजना बजट से प्राप्त निधि को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है :–

(क) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त कुल अनुदान

(ख) फुटकर प्राप्तियाँ

जिसमें शिक्षा शुल्क, छात्रावास किराया व अन्य प्रभार, अतिथि गृह किराया, किराए पर लिए गए प्रेक्षागृह और थियेटर टिकट बिक्री, प्रदर्शन शुल्क, सा.भ.नि./अ.भ.नि. के निवेश पर ब्याज, अप्रायोज्य वस्तुओं/सामग्री का निपटान, प्रोस्पैक्टस बिक्री, कैसेट बिक्री और प्रकाशन बिक्री और अन्य पुस्तक घर काउन्टर बिक्री इत्यादि से फुटकर प्राप्ति शामिल हैं।

7. उपहार पूँजी

कुछ विशेषज्ञ/ भारत और विदेशी संगठन, पुस्तकें, उपकरण, साज–सामान आदि विद्यालय को उपहार स्वरूप देते हैं। इस प्रकार की वस्तुओं का अनुमानित मूल्य भी विद्यालय के लेखा में सम्मिलत है।

8. निर्माण संविदा

संबंधित के.लो.नि.वि. से कार्य का अनुमानित व्यय प्राप्त होने पर विद्यालय के निदेशक महोदय द्वारा प्रशासनिक अनुमोदन दिये जाने पर निधि को पूर्व जमा कर सी.पी.डब्ल्यू.डी. को हस्तांतरित कर विद्यालय की मरम्मत अनुरक्षण और अस्थाई ढांचों का परिसंपत्तियों के लिए निर्माण कार्य संबंधित के.लो.नि.वि. को सौंपा जाता है।

9. पूंजी अनुदान

वर्ष के दौरान विद्यालय को रानावि के प्रलेखन एवं लेखागार ईकाई द्वारा आवश्यक नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयोग किये गये उपकरणों के रूप में जिनका प्रयोग किया गया है, के लिए पूंजी परिसंपत्ति का निर्माण करने हेतु एवं अन्य परिसंपत्तियों के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा रु. 4.00 करोड़ की राशि की पूंजी का अनुदान प्राप्त हुआ है (रानावि परिसर प्रोजैक्ट का के.लो.नि.वि. द्वारा पुनः विकास)

10. क्रय अग्रिम

वर्ष के दौरान क्रय अग्रिम जिसमें रंगमंच कार्यशाला, उत्सवों, प्रस्तुतियाँ और आदान–प्रदान कार्यक्रम इत्यादि के संचालन के लिए अग्रिम शामिल हैं, को व्यय में दर्शाया गया है हालांकि इसे विवरण और दस्तावेजों के अभाव में व्यय नहीं माना गया है।

11. सा.भ.नि./अ.भ.नि. निवेश

विद्यालय के नियमित स्टाफ को सेवानिवृति पर पेंशन लाभ दिया जाता है और अनुबंधित आधार पर रखा गया स्टॉफ जैसे रंगमंडल/संस्कार रंगटोली के ग्रेड ए व बी के कलाकारों को अंशदान भविष्य निधि नियम के अनुसार अ.भ.नि. स्कूल अंशदान का लाभ दिया जाता है।

विद्यालय का भारतीय स्टेट बैंक, संसद मार्ग, नई दिल्ली में सा.भ.नि./अ.भ.नि. के लिए बचत खाता संख्या 11084240331 है। सा.भ.नि. खाते के लिए एक अलग से कैश बुक बनाई गई है। सा.भ.नि./अ.भ.नि. खाते पर ब्याज की वित्तीय वर्ष में 31 मार्च तक गणना की जाती है और उस राशि को सा.भ.नि./अ.भ.नि. में जमा किया जाता है। सा.भ.नि./अ.भ.नि. अंशदान का निवेश भारतीय स्टेट बैंक और केनरा बैंक में के डी आर/एफ डी आर एस/ टी डी आर एस के रूप में मौजूदा ब्याज की दर पर किया जाता है। निवेश पर प्राप्त ब्याज सा.भ.नि./अ.भ.नि. निवेश खाते पर प्राप्त ब्याज होता है। कुछ राशि को बचत खाते में रखा जाता है जिससे कि अंशदाताओं द्वारा लिये जाने वाले सा.भ.नि./अ.भ.नि. अग्रिमों का भुगतान किया जा सके। इस खाते के लिए आर एंड पी खाता और तुलन पत्र अलग से तैयार किया जाता है।

12. सा.भ.नि./अ.भ.नि. में संतित अतिरिक्त राशि

वर्ष के दौरान अनुपयुक्त ब्याज की परिभाषिकी संचित अतिरिक्त निधि में परिवर्तित की गई है जो लेखा के सटीक स्वरूप को दर्शाता हे। इसके अलावा अदावित शेश जो कि विचारणीय अवधि से बकाया है उनको ऐसे खाते में ट्रांसफर कर दिया गया है।

13. अन्य निवेश

लिगेसी निधि (स्महंबल थ्नदक) एफ डी आर के रूप में आन्ध्रा बैंक में निवेश की गई थी और ''लिगेसी निधि'' खाते में हर तिमाही में ब्याज जमा होता है।

14. छात्र और कलाकार निधि

विद्यालय द्वारा छात्रों और कलाकारों के लिए सुरक्षा जमा हेतु राज्य अकादमियों, संस्कृति विभाग, भारत सरकार से प्राप्त छात्रवृत्तियाँ, अन्य जमा, मैस जमा और छात्रवृत्ति अग्रिम इत्यादि के लिए दो अलग–अलग बैंक खाते रखे गए हैं। इन निधियों के लिए आर एंड पी खाता अलग से तैयार किया गया है।

15. नकद पुस्तिका एवं संबंधित अभिलेख

प्रत्येक निधि के लिए नकद वाउचर के साथ अलग से बनाई गई नकद पुस्तिका एवं अन्य अभिलेख निम्न प्रकार से हैं।

(i) नकद पुस्तिका– उत्तर पूर्व

(ii) नकद पुस्तिका– राजस्व (सामान्य)

(iii) नकद पुस्तिका– छात्र निधि (सी ए II)

(iv) नकद पुस्तिका– सा.भ.नि./अं.भ.नि. खाता

16. 31.3.2019 को बकाया दायित्व वर्ष 2019–20 के दौरान समाप्त कर दिए गए हैं और 31.3.2020 को नए दायित्व सुनिश्चित कर दिए गए हैं और ये ही लेखा पुस्तिका में दिए गए हैं।

17. संयुक्त सर्विस पार्टिज से वसूली योग्य सं. 11,26,271/– की राशि कथित पार्टिज से पुष्टि होने पर है जो कि रानावि परिसर से कार्य करती हैं।

18. पूर्व वर्षों में सुश्री वीणा सहरावत, वार्डन–कम–मैस सुपरवाइजर पर रु. 4,28,413/– की पैनल्टी लगाई गई और इसकी वसूली इनके सेवानिवृत्ति के देय लाभों (ग्रैज्युटी) से की गई जो एक कार्यालय आदेश सं. 16(3)/2011–रानावि (प्रशा.)/9630 दिनांक 31/3/2018 के अनुसार है। उक्त वसूली के विरूद्ध सुश्री सहरावत ने दिल्ली के उच्च न्यायालय में केस फाइल किया है।

19. तुलन पत्र में अनुसूची में दर्शाए गए सी डब्ल्यू आई पी का विभाजन दिनांक 31.3.2020 पर निम्न प्रकार से है –

क्रम सं.	विवरण	राशि
1.	सिविल इलैक्ट्रीकल विभाग (सी पी डब्ल्यु डी)	34,96,646/–
2.	रानावि परिसर का पुनर्विकास	35,96,53,992/–
	कुल	**36,31,50,638/–**

20. आंकड़ों को निकटतम राशि के समीप राउंड ऑफ कर दिया गया है।

21. 1 से 27 अनुसूची को अंत में जोड़ा गया है जो कि दिनांक 31.03.2020 पर तैयार होने वाले तुलन पत्र का एक महत्वपूर्ण अंश है और वह लेखा–जोखा उस तारीख पर समाप्त होने वाली वर्ष की आय एवं व्यय को दर्शाता है।

****

www.censer.in (M) 9810213218

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वयत्त

बहावलपुर हाउस, भगवानदास रोड, नई दिल्ली–110001

ई–मेल : nationalschoolofdrama.com वेबसाइट : www.nsd.gov.in